मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	27.6	22.6
डालटनगंज	30.2	24.3
धनबाद	29.5	25.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, बुधवार 30 जुलाई 2025 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 06, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 113 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

पीएम नरेंद्र मोदी का लोकसभा में जवाब: जिन्हें भारत का पक्ष नहीं दिखता, उन्हें आईना दिखाने खड़ा हूं

दुनिया के किसी भी नेता ने भारत को ऑपरेशन सिंदूर रोकने को नहीं कहा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा का जवाब दिया. उन्होंने विपक्ष को आड़े हाथ लिया. पीएम ने कहा, मैंने कहा था कि यह भारत के विजयोत्सव का एक सत्र है. जब मैं विजयोत्सव की बात कर रहा हूं, तो मैं कहना चाहूंगा- ये विजयोत्सव आतंक के ठिकानों को मिट्टी में मिलाने का है. विजयोत्सव ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का है.

मोदी ने कहा, 22 अप्रैल को पहलगाम में जो क्रूर घटना घटी, जिस तरह आतंकियों ने निर्दोषों से उनका धर्म पूछकर उन्हें गोली मारी, वह क्रूरता की पराकाष्ठा थी. यह भारत को हिंसा की आग में झोंकने की सोची-समझी कोशिश थी. यह भारत में दंगे फैलाने की एक साजिश थी. मैं देशवासियों का आभार व्यक्त करता हूं कि देश ने एकजुट होकर उस साजिश को नाकाम कर दिया. उन्होंने कहा कि मैं इस सदन के समक्ष भारत का पक्ष रखने के लिए यहां खड़ा हूं. जो लोग भारत का पक्ष नहीं देखते, मैं उन्हें आईना दिखाने के लिए यहां खड़ा हूं.

मोदी ने कहा, दुनिया के किसी भी नेता ने ऑपरेशन सिंदूर रोकने को नहीं कहा. अमेरिका के उपराष्ट्रपति ने मुझे फोन पर बताया कि पाकिस्तान बहुत बड़ा हमला करने वाला है और मेरा जवाब था कि अगर पाकिस्तान का ये ईरादा है, तो उनको बहुत महंगा पड़ेगा. मोदी ने कहा, ये 9 तारीख की बात है. और 9 तारीख रात और 10 तारीख सुबह हमने पाकिस्तान की सैन्य शक्ति को तहस-नहस कर दिया था. यही हमारा जवाब था और यही हमारा जज्बा था. उन्होंने कहा कि नौ मई की मध्य रात्रि और दस मई की सुबह हमारी मिसाइलों ने पाकिस्तान के कोनों में प्रहार किया और पाकिस्तान को घुटनों पर आने के लिए मजबूर किया. पीएम मोदी ने कहा, जब पाकिस्तान पर कड़ा प्रहार हुआ, तो पाकिस्तान ने फोन करके डीजीएमओ के सामने फोन करके गुहार लगाई कि बस करो बहुत मारे. अब ज्यादा मार झेलने की ताकत नहीं है. प्लीज हमला रोक दो. भारत ने तो पहले दिन ही कह दिया था कि हमने हमारा लक्ष्य पूरा कर दिया है. अगर अब कुछ करोगे, तो महंगा पड़ेगा.

पाकिस्तान ने दुस्साहस किया, तो देंगे करारा जवाब

पीएम मोदी ने कहा, पाकिस्तान ने दुस्साहस की अगर कल्पना की, तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा. आज का भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ है. देश देख रहा है कि भारत आत्मनिर्भर बनता जा रहा है. लेकिन कांग्रेस मुद्दों के लिए पाकिस्तान पर निर्भर होती जा रही है. 22 अप्रैल के बाद मैंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि यह हमारा संकल्प है कि हम आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे. सजा उनके आकाओं को भी मिलेगी और ऐसी सजा मिलेगी जो कल्पना से भी बड़ी होगी. 22 अप्रैल को मैं विदेश में था. वहां से लौटने के तुरंत बाद मैंने बैठक बुलाई. उस बैठक में मैंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आतंकवाद को करारा जवाब देना होगा, और यह हमारा राष्ट्रीय संकल्प है. सेना को कार्रवाई की खुली छूट दी गई. यह भी कहा गया कि सेना को यह तय करना चाहिए कि कब, कहां, कैसे और किस तरीके से कार्रवाई करनी है. ये सारी बातें उस बैठक में स्पष्ट रूप से कही गईं. हमें गर्व है, आतंकियों को वो सजा दी कि आज भी आतंक के उन आकाओं की नींद उड़ी हुई है.

राहुल ने पूछा- पीएम मोदी झूठ बोल रहे या ट्रंप, इसे स्पष्ट करे सरकार

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर हमला बोला. उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे का हवाला दिया जिसमें ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने भारत-पाक युद्ध रुकवाया. राहुल ने कहा, ट्रंप ने 29 बार कहा है कि हमने भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवाया. अगर मोदी में हिम्मत है तो सदन में खड़े होकर कहें कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं. उन्होंने दावा किया कि भारत ने पाकिस्तान के सामने 35 मिनट में ही सरेंडर कर दिया. उन्होंने रक्षा मंत्री के उस बयान पर भी सवाल खड़े किए जिसमें कहा गया था कि हमने रात 1:35 बजे पाक को सूचना दी कि हमला आतंकी ठिकानों पर था और यह एस्केलेटरी नहीं था. सरकार ने पायलट्स के हाथ-पांव बांध दिए. अगर पीएम में इंदिरा जैसा 50% भी दम है, तो कहें कि ट्रंप ने युद्ध नहीं रुकवाया था. भारत का एक भी फाइटर जेट नहीं गिरा, लेकिन सरकार ने बिना दबाव के पीछे हटने जैसा कदम उठाया. उन्होंने इसे एक तरह का राजनीतिक आत्मसमर्पण बताया.

खरगे का मोदी पर हमला, आप बिना बुलाए जाकर गले मिलते हैं

राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने 2015 में पीएम मोदी की औचक पाक यात्रा पर तंज कसा. कहा कि हम पाक की निंदा करते रहे हैं, पर हम इधर निंदा करते हैं और आप जाकर उनकी दावत में उन्हें गले लगा लेते हैं. हमारी पार्टी का देश के विकास में बड़ा योगदान है, लेकिन आपके पास एक भी ऐसी उपलब्धि नहीं है. आप नेहरू को बहुत कोसते हैं. गृह मंत्री पहलगाम हमले से पहले वहां हालात की समीक्षा करने गए थे और कहा था कि कश्मीर में सुरक्षा ट्रिपल कर दी गई है, अगर ऐसा है तो पहलगाम में आतंकी कहां से आए? उन्होंने कहा कि हमले से सिर्फ तीन दिन पहले प्रधानमंत्री ने अपना कश्मीर दौरा रद्द कर दिया था. मैंने पहले भी पूछा था, लेकिन जवाब नहीं मिला कि क्या आपके पास आतंकी हमले की सूचना थी? 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हमला हुआ, लेकिन सरकार कह रही है कि जो कुछ हमने किया, वो सही किया. खरगे ने कहा कि सरकार को बहुत अहंकार है. जवाब देने की फुर्सत नहीं है,

जेपी नड्डा के बयान पर मचा बवाल, खरगे से मांगी माफी

खरगे के बाद राज्यसभा में जेपी नड्डा ने बोलना शुरू किया. नड्डा ने कहा कि विपक्ष के नेता ने लंबा वक्तव्य दिया, लेकिन उनके कद के हिसाब से जिन शब्दों का इस्तेमाल किया गया, वो उनके स्तर के नहीं थे. जिस तरह से उन्होंने प्रधानमंत्री पर टिप्पणी की. मैं उनकी तकलीफ समझ सकता हूं कि प्रधानमंत्री ने उन्हें 11 साल से विपक्ष में बिठाए रखा है. लेकिन आपकी चिंता पार्टी के लिए इतनी है कि उसमें देश का विषय भी गौण हो जाता है. आप मानसिक संतुलन खोकर ऐसी टिप्पणियां करते हैं. इसके बाद सदन में हंगामा हो गया और कांग्रेस सांसदों ने मानसिक संतुलन खराब होने के शब्द पर कड़ी आपत्ति जताई. इस पर नड्डा ने ये शब्द कार्यवाही से हटाने की अपील की. खरगे ने बयान को लेकर नड्डा से माफी की मांग की. इस पर नड्डा ने कहा कि आपको अगर ठेस पहुंची, तो मैं माफी मांगता हूं, लेकिन आप भी भावावेश में इतना बह गए कि प्रधानमंत्री की गरिमा का भी ध्यान नहीं रख पाए.

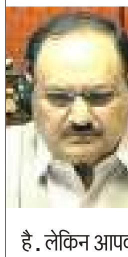

ब्रीफ न्यूज

अभद्र टिप्पणी करने वाले रशीदी की पिटाई

नयी दिल्ली। सपा सांसद डिंपल यादव पर अभद्र टिप्पणी करने वाले ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी की पिटाई हो गई. रशीदी का वीडियो वायरल हो रहा है. इसमें एक युवक न्यूज चैनल के स्टूडियो में मौलाना के पास पहुंचा और थप्पड़ मारने शुरू कर दिए. बता दें हाल में डिंपल यादव साड़ी पहनकर मस्जिद में गईं थीं, जिसके बाद मौलाना ने उन पर अशोभनीय टिप्पणी की थी.

सुकमा में मुठभेड़, दो जवान ब्लॉस्ट में घायल

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा की गोंगुंडा के पहाड़ी में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में एक नक्सली के मारे जाने की सूचना है. हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि बाकी है जबकि ऑपरेशन के लिए निकले दो जवान आईईडी ब्लास्ट के चपेट में आने से घायल हो गए हैं. डीआरजी के घायल जवान माड़वी मुकेश, बारसे रामा को सुकमा जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार करने के बाद सुकमा पुलिस लाइन से एयरलिफ्ट कर रायपुर भेजा गया है.

दूसरे दिन भी मिसाइल 'प्रलय' का परीक्षण

नयी दिल्ली। भारत ने मंगलवार को लगातार दूसरे दिन 'प्रलय' मिसाइल प्रणाली की अधिकतम और न्यूनतम सीमा क्षमता का सत्यापन करने के लिए दो उड़ान परीक्षण किए. नई पीढ़ी की सतह से सतह पर मार करने वाली कम दूरी की इस मिसाइल का परीक्षण ओडिशा तट के कलाम द्वीप से किया गया. मिसाइलों ने निर्धारित प्रक्षेप पथ का सटीक अनुसरण किया और सभी परीक्षण उद्देश्यों को पूरा करते हुए सटीक सटीकता के साथ लक्ष्य बिंदु पर पहुंची.

देवघर के जमुनिया में बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर

छह कांवड़ियों की मौत 23 घायल, कई गंभीर

शुभम संदेश। रांची/देवघर

जिले के मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया के पास मंगलवार सुबह कांवड़ियों की बस और गैस सिलेंडर लदे ट्रक के बीच टक्कर में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई. जबकि 23 लोग घायल हैं, जिनमें आठ की हालत गंभीर है. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

मृतकों में सुभाष तुरी (40) निवासी गांव चकरमा थाना मोहनपुर जिला देवघर (बस चालक), दुर्गावती (45) पति गामा धांगर निवासी गांव मतराजी थाना लोकरिया जिला पश्चिम चंपारण, सुमन कुमारी (30) पति सुनील दास निवासी गांव सनोरा थाना पड़ैया जिला गयाजी, समदा देवी (40) पति देवकी प्रसाद निवासी तरेगना थाना धनरूआ जिला पटना, पीयूष (15) निवासी गांव महनार जिला वैशाली और बिहार के ही पटना के धनरूआ थाना क्षेत्र के तरेगना निवासी देवकी प्रसाद शामिल हैं. देवकी प्रसाद की एम्स ले जाने के क्रम में मौत हो गयी.

जिले के एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग ने बताया कि हादसे में छह लोगों की मौत हुई है. 23 लोग घायल हैं. आठ की हालत गंभीर है. एसडीओ रवि कुमार ने बताया कि श्रद्धालु बाबा धाम मंदिर से दर्शन कर बासुकिनाथ धाम जा रहे थे. इसी बीच चालक को झपकी आयी और बस अनियंत्रित होकर गैस सिलेंडर लदे एक ट्रक से जा टकरायी. इसके बाद बस कुछ दूर आगे गयी और ईंट रखे ढेर से टकरा गयी.

मृतकों के परिजनों को 1 लाख मुआवजा: घटना पर दुःख जताते हुए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने मृतक के परिवार को 1-1 लाख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया है. साथ ही मंदिर प्रबंधन कल्याण कोष से घायलों को 20-20 हजार मुआवजा देने की घोषणा की गयी है.

घायलों का मुफ्त इलाज: स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने मुआवजा देने की घोषणा करने के साथ ही कहा कि सभी घायलों का मुफ्त इलाज कराया जा रहा है. सभी तरह के जांच, दवा और इलाज की मुफ्त व्यवस्था करायी की व्यवस्था भी जिला प्रशासन करेगी.

हादसे की होगी जांच: देवघर डीसी इस बीच, देवघर उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा ने घटना के संबंध में कहा कि कमेटी का गठन आकर हादसे की जांच की जाएगी. अगर जांच में कोई गड़बड़ी मिलेगी, तो उस अनुरूप कार्रवाई होगी. साथ ही उन्होंने कहा मेला क्षेत्र में चलने वाली सभी बस सहित अन्य गाड़ियों और उसके चालकों की भी जांच कराई जाएगी. ताकि भविष्य में आगे कभी इस तरह की घटना दोबारा न घटे.

राज्य सरकार ने की मुआवजे की घोषणा, सभी घायलों का होगा मुफ्त इलाज

प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने जताया दुख

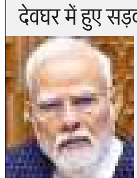

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देवघर में हुए सड़क हादसे में छह लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया है. उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की. पीएमओ ने एक्स पर लिखा कि देवघर में हुआ सड़क हादसा अत्यंत दुखद है. इस हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिजनों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं.

राज्यपाल संतोष गंगवार ने बस दुर्घटना में श्रद्धालुओं की मौत पर शोक जताया है. एक्स पर उन्होंने कहा कि देवघर से बासुकीनाथ जा रही कांवड़ियों की बस दुर्घटना में कई श्रद्धालुओं के निधन का समाचार अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है. मैं शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं तथा बाबा भोलेनाथ से घायल श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने श्रद्धालुओं की मौत पर दुख जताते हुए एक्स पर लिखा कि देवघर में बस दुर्घटना में श्रद्धालुओं की मृत्यु की दु:खद सूचना मिली है. प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य के साथ घायलों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया जा रहा है. बाबा बैद्यनाथ दुर्घटना में मरने वाले श्रद्धालुओं की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दु:ख की घड़ी सहन करने की शक्ति दे.

18 श्रद्धालुओं की मौत का दावा!

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और सांसद निशिकांत दुबे ने 18 श्रद्धालुओं के मारे जाने का दावा करते हुए दुर्घटना पर दुख जताया है. मरांडी ने एक्स पर लिखा कि देवघर-बासुकीनाथ मुख्य सड़क पर हुए भीषण सड़क हादसे में 18 कांवरियों के मृत्यु की दुखद घटना से मन अत्यंत व्यथित है. प्रशासन दुर्घटना में घायल श्रद्धालुओं के बेहतर इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करे. बाबा बैद्यनाथ दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति दें. सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं. गोड्डा के सांसद निशिकांत दूबे ने एक्स पर लिखा, मेरे क्षेत्र में कांवर यात्रा के दौरान हादसे में 18 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है. बाबा बैद्यनाथ जी उनके परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करें.

बिहार में एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट 12 और 13 अगस्त को करेगा सुनवाई, कहा

कोई गड़बड़ी निकली तो हम हस्तक्षेप करेंगे

एजेंसियां। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बिहार में निर्वाचन आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को चुनौती देनेवाली याचिकाओं पर विचार करने के लिए समयसीमा तय करते हुए कहा कि इस मुद्दे पर सुनवाई 12 और 13 अगस्त को होगी. न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाया बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देनेवाले याचिकाकर्ताओं से 8 अगस्त तक अपनी लिखित दलीलें दाखिल करने को कहा है. कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को चेतावनी भी दी है कि यदि इस प्रक्रिया में कोई भी अनियमितता या गड़बड़ी पाई गई, तो वह हस्तक्षेप करने से नहीं हिचकेगा.

मतदाता सूची से बाहर हो रहे लोग: याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और प्रशांत भूषण ने आरोप लगाया कि एक अगस्त को प्रकाशित की जाने वाली ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में बड़ी संख्या में लोगों के नाम अनावश्यक रूप से हटाए जा रहे हैं, जिससे उनके मतदान के अधिकार का हनन हो रहा है. सुप्रीम कोर्ट ने जवाब में कहा कि अगर ऐसा हो रहा है, तो याचिकाकर्ता सबूत पेश करें. पीठ ने सिब्बल और भूषण से कहा, आप उन 15 लोगों को अदालत के सामने लाएं, जिन्हें मृत दिखाया गया हो, जबकि वे जीवित हैं, हम इसपर गौर करेंगे. कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं और चुनाव आयोग की ओर से नोडल अधिकारी नियुक्त कर तथ्यों को समन्वयित करने का निर्देश दिया.

आधार और वोटर आईडी को माने प्रामाणिक दस्तावेज

इससे पहले सोमवार को कोर्ट ने वोटर लिस्ट के प्रकाशन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था. सुप्रीम कोर्ट ने आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र को प्रामाणिक दस्तावेज मानते हुए चुनाव आयोग से इन्हें मान्य दस्तावेज की तरह स्वीकार करते रहने को कहा. कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राशन कार्ड की तुलना में आधार और वोटर आईडी अधिक विश्वसनीय हैं.

ट्रेन में कंबल या चादर ले गए तो भुगतना पड़ेगा अंजाम!

नयी दिल्ली। ट्रेन यात्रा के दौरान एसी कोच में मिलने वाला बेड रोल, जिसमें कंबल, चादर-तकिया-टॉवेल यात्रा के बाद लेकर जानेवालों को लिए बड़ी खबर है. ये आइटम्स अपने साथ ले जाना पूरी तरह से गैरकानूनी है. यह रेलवे की संपत्ति है. इसका चोरी होना दंडनीय अपराध है. यदि कोई यात्री चादर, कंबल, टॉवेल या तकिया साथ ले जाता है और पकड़ा जाता है, तो उसे 1000 का जुर्माना देना पड़ सकता है. वहीं अगर कोई जुर्माना नहीं भरता है, तो उसे 1 साल की जेल भी हो सकती है. इस प्रकार की चोरी रेलवे अधिनियम, 1966 के तहत आती है. पहली बार अपराध करने पर 1000 रुपए जुर्माना या 1 साल की जेल का प्रावधान है. लेकिन यदि कोई व्यक्ति बार-बार ऐसा करता है या गंभीर रूप से दोषी पाया जाता है, तो सजा 5 साल की जेल व अतिरिक्त जुर्माने तक बढ़ सकती है. इसलिए अगर आप थर्ड, सेकेंड या फर्स्ट एसी में सफर कर रहे और आपको बेडरोल मिल रहा है, तो उसे यात्रा के बाद वहीं छोड़ना आपकी कानूनी जिम्मेदारी है.

रिपोर्ट: ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग नौकरियों में 42 फीसदी की वृद्धि

जून 2025 में नियुक्ति गतिविधि में आया जोरदार उछाल

शुभम संदेश डेस्क

ऑर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग से जुड़ी नौकरियों में सालाना आधार पर 42 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा जारी मासिक आर्थिक समीक्षा में यह जानकारी दी गई है. रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) में भी नियुक्ति में 9 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई है. यह वैश्विक सेवा वितरण में भारत की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है. इसमें आगे बताया गया कि जून 2025 मे फ्रेशर हायरिंग में 11 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है. यह नए प्रवेशकों के लिए बेहतर रोजगार अवसरों की ओर इशारा करती है.

व्हाइट कॉलर नियुक्तियों में आया मजबूत उछाल: समग्र श्रम बाजार स्थिर रहा और व्हाइट कॉलर नियुक्तियों में मजबूत उछाल आया. इसे वार्षिक आधार पर दोहरे अंकों की वृद्धि का समर्थन प्राप्त हुआ. वहीं औपचारिक रोजगार सृजन में तेजी जारी रही। विभाग ने नौकरी जॉबस्पीक जून 2025 रिपोर्ट का भी हवाला दिया. इसमें भारत के व्हाइट कॉलर जॉब बाजार में पुनरुद्धार की पुष्टि की गई है.

जून 2025 में नियुक्ति सूचकांक बढ़कर 2,854 हो गया. इससे विभिन्न क्षेत्रों, शहरों और अनुभव स्तरों में नियुक्ति गतिविधि में 10.5 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई.

ईपीएफओ ने मई में 20 लाख नए सदस्य जोड़े : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने मई 2025 के दौरान शुद्ध सदस्य जोड़ने में सर्वकालिक उच्च रिकॉर्ड दर्ज किया. ईपीएफओ ने मई में 20.06 लाख सदस्य जोड़े. यह अप्रैल 2018 में पेरोल डेटा पर नजर रखने के बाद से उच्चतम मासिक आंकड़ा है.

ईपीएफओ में 59.5 प्रतिशत 25 साल से कम आयु के नए सदस्य जुड़े: मई 2025 के लिए ईपीएफओ के नए ग्राहक आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि 59.5 प्रतिशत नए सदस्य 18-25 आयु वर्ग के थे. वहीं 22.8 प्रतिशत 26-35 आयु वर्ग के थे, और 16.6 प्रतिशत 35 से अधिक आयु के थे. इससे पता चलता है कि संगठित कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा युवा वयस्कों से बना है, जो मुख्य रूप से पहली बार नौकरी की तलाश कर रहे हैं.

बीमा क्षेत्र में हुई सबसे अधिक वृद्धि

भार्ती में बढ़तरी का नेतृत्व बीमा क्षेत्र ने किया. इसमें सालाना आधार पर 32 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई. इसके बाद आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र में 21 प्रतिशत, बीपीओ और आईटीईएस में 19 प्रतिशत, रियल एस्टेट में 16 प्रतिशत, तेल एवं गैस/बिजली में 15 प्रतिशत, स्वास्थ्य सेवा में 11 प्रतिशत और शिक्षा व एफएमसीजी में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई. भारत के विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों ने भी रोजगार सृजन में योगदान जारी रखा. क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) का रोजगार उप-सूचकांक लगातार 16वें महीने विस्तार क्षेत्र में रहा. वहीं विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि हुई, सेवा क्षेत्र में मई 2025 में प्राप्त रिकॉर्ड स्तर से थोड़ी राहत देखी गई.

ऑपरेशन सिंदूर: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मदद के लिए बढ़ाया हाथ

पाकिस्तान के अटैक में मारे गए लोगों के 22 बच्चों को गोद लेंगे

एजेंसियां। नयी दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी. इस हमले के बाद भारतीय सेना ने बदला लेने के लिए ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत की थी. इसके बाद लगभग 4 दिनों तक दोनों देशों में संघर्ष देखने को मिला था.

इस संघर्ष के दौरान कई लोगों की मौत हुई थी. 22 ऐसे बच्चे थे जिन्होंने या तो अपने परिजनों को खोया या फिर परिवार के एकमात्र सदस्य को खो दिया. अब इन बच्चों को राहुल गांधी ने गोद लेने का फैसला किया है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष तारिक हमीद करा ने बताया कि राहुल गांधी इन 22 बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का पूरा खर्च उठाएंगे. ये ऐसे बच्चे हैं जिनके परिवार में अब कोई कमाने वाला नहीं बचा है. बच्चों को बुधवार को राहुल गांधी की तरफ से पहली किस्त दी जाएगी. कांग्रेस नेता की मानें तो ये हेल्फ तक तक जारी रहेगी जब तक कि बच्चे ग्रेजुएशन पूरा नहीं कर लेते हैं. ऑपरेशन सिंदूर और भारत पाकिस्तान संघर्ष के बाद राहुल गांधी पुंछ दौरे पर गए थे. यहां उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ मुलाकात की थी. पार्टी नेताओं ने बताया कि सर्वे और सरकारी रिकॉर्ड की जांच के बाद बच्चों के नाम तय किए गए हैं. बता दें कि इससे पहले राहुल गांधी ने निर्भया के भाई की देखभाल का भी पूरा खर्च उठाया था.

राहुल गांधी ने मई में क्राइस्ट पब्लिक स्कूल का भी दौरा किया था, जहां 12 साल के जुड़वां बच्चे उरबा फातिमा और जैन अली भी हताहत हुए थे. राहुल ने बच्चों से कहा, मुझे तुम पर बहुत गर्व है. तुम्हें अपने दोस्तों की याद आती है. मुझे इसका बहुत दुख है. लेकिन चिंता मत करो, सब कुछ सामान्य हो जाएगा. तुम्हारा तरीका यह होना चाहिए कि तुम खूब पढ़ाई करो, खूब खेलो और स्कूल में ढेर सारे दोस्त बनाओ.

राजभवन : मदरा मुंडा अतिथिशाला के प्रत्येक कमरे के रख-रखाव पर प्रति माह खर्च होगा एक लाख रुपए

शुभम संदेश। रांची

राजभवन के वीआईपी अतिथियों के लिए बनाए गए गेस्ट हाउस (मदरा मुंडा राजकीय अतिथिशाला) के प्रत्येक कमरे के रख-रखाव पर प्रति माह लगभग एक लाख रुपए की राशि खर्च होगी. इस तरह एक कमरे के रख रखाव पर प्रतिदिन लगभग 3.33 हजार रुपए खर्च होंगे. राजभवन ने इस अति विशिष्ट अतिथिशाला के रखरखाव संबंधी काम देने के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा है. नीचे से दिए गए प्रस्ताव में अतिथिशाला के मेंटेनेंस की जिम्मेवारी टेंडर के माध्यम से तय करने का सुझाव था. लेकिन ऊपर के स्तर से इस अतिथिशाला के रख रखाव का काम नोमिनेशन के आधार पर दिल्ली की कंपनी बीवीजी इंडिया लिमिटेड को देने का प्रस्ताव है. राजभवन ने इस प्रस्ताव को कैबिनेट की स्वीकृति के लिए राज्य सरकार को भेज दिया है. मालूम हो कि नोमिनेशन पर काम देने का अधिकार कैबिनेट को ही है.

प्रस्ताव में मेंटेनेंस की राशि लगभग 10 लाख रुपए बतायी गयी है. अर्थात वर्ष में लगभग एक करोड़ 20 लाख रुपए की राशि खर्च होगी. राजभवन के इस अति विशिष्ट अतिथिशाला में दो सुईट और नौ कमरे हैं. कुल 11 कमरे हैं. इन 11 कमरों वाले अतिथिशाला के मेंटेनेंस पर प्रति माह 10 लाख रुपए की राशि खर्च होगी. क्योंकि प्रस्ताव में कंपनी की ओर से यह जानकारी दी गयी है कि अतिथिशाला के रख रखाव के लिए लगभग 36 कर्मी रखने होंगे. उसमें मैनेजर से लेकर रसोईया, स्वीपर, माली सहित कई अन्य तरह के कर्मी. इन कर्मियों के वेतन के आलावा अन्य मदों पर होनेवाले खर्च की राशि प्रतिमाह 10 लाख रुपए तक पहुंचती है. वैसे बीवीजी इंडिया लिमिटेड देश की नामी-गिरामी सेवा प्रदाता कंपनी है. यह कंपनी देश के कई प्रमुख संस्थानों को अपनी सेवा प्रदान कर रही है.

जनता की गाढ़ी कमाई का हो रहा है दुरुपयोग

दो वर्ष से कोई बैठक नहीं, लेकिन कई करोड़ खर्च हो गए, राज्य समन्वय समिति बनी राजनीतिक उपहार योजना: प्रतुल शाहदेव

शुभम संदेश। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने राज्य सरकार पर पड़ा हमला करते हुए झारखंड राज्य समन्वय समिति को पूरी तरह से औचित्यहीन और निष्क्रिय बताया है. कहा कि इस समिति का गठन विकास कार्यों में समन्वय के नाम पर किया गया था, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह महज सत्ताधारी दलों के नेताओं को राज्य मंत्री का दर्जा देकर उपकृत करने का एक राजनीतिक उपहार योजना बनकर रह गयी है. शाहदेव ने कहा कि 2022 के अंत में इस समिति का गठन बड़े उद्देश्य और दावों के साथ किया गया था. लेकिन आज ढाई वर्ष से अधिक समय बीतने के बावजूद समिति की केवल एक औपचारिक बैठक, 10 जून 2023 को हुई है. वर्ष 2024 और अब 2025 में कोई भी बैठक नहीं हुई है. ऐसे में इस समिति के अस्तित्व का क्या औचित्य रह जाता है? प्रतुल ने कहा समिति की बैठक नहीं हो रही, लेकिन समिति के नाम पर राजनीतिक रेवड़ियां बांटना जारी है. 9 अक्टूबर 2024 को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश को भी इस समन्वय समिति का सदस्य बना कर राज्यमंत्री का दर्जा दे दिया गया.

शाहदेव ने कहा कि जब बैठकें ही नहीं हो रही हैं, तो क्या राज्य सरकार यह बताएगी कि समिति के सदस्यों को राज्य मंत्री का दर्जा देने के नाम पर अब तक जनता के गाढ़ी कमाई के कई करोड़ रुपये फूंकने का क्या औचित्य है? प्रतुल ने कहा इस समन्वय समिति में कुल नौ सदस्य हैं और अधिकांश को राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त है. यह समिति जनता की भलाई के लिए ना बन कर सिर्फ राजनीतिक समझौतों की पूर्ति के लिए बनी है.

रांची सीआईडी की बड़ी कार्रवाई

सहारा फर्जीवाड़ा मामले में जोनल मैनेजर संजीव कुमार को किया गिरफ्तार

रांची। रांची सीआईडी ने करोड़ों रुपये के सहारा समूह फर्जीवाड़ा मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए सहारा के पूर्व जोनल मैनेजर संजीव कुमार को गिरफ्तार किया है. पटना जिले के बाढ़ स्थित चोंदी मुहल्ले से संजीव को रविवार देर रात गिरफ्तार किया गया. सोमवार को अदालत में पेशी के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.इस मामले में 30 नवंबर 2024 को सीआईडी थाना, रांची में प्राथमिकी दर्ज की गई थी. प्राथमिकी में सहारा समूह के प्रमुख सुब्रत रॉय (अब दिवंगत), उनकी पत्नी स्वप्ना रॉय, भाई जयब्रत रॉय, बेटे सुशांतो रॉय और सीमान्तो रॉय, साथ ही ओम प्रकाश श्रीवास्तव, देवेंद्र श्रीवास्तव, नीरज पाल और सुंदर झा को भी आरोपी बनाया गया है. इसके अलावा, सहारा समूह की कई कंपनियां भी इस घोटाले में आरोपी हैं. रिपोर्ट के अनुसार, सहारा प्रमुख की पत्नी स्वप्ना रॉय और दोनों बेटे सुशांतो व सीमांतो रॉय ने अब मैसेडोनिया की नागरिकता प्राप्त कर ली है, जो उन्होंने निवेश के आधार पर ली है. चूंकि भारत और मैसेडोनिया के बीच प्रत्यर्पण संधि नहीं है, इस कारण ये आरोपी फिलहाल भारतीय कानून की गिरफ्त से बाहर हैं. सीआईडी इस मामले में आगे की जांच तेज़ी से कर रही है और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास भी जारी हैं.

झारखंड में सहयोग व निवेश पर मुख्य सचिव के साथ अमेरिकी काउंसलेट जेनरल की बैठक

झारखंड के कई क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावना : मुख्य सचिव अलका तिवारी

- अमेरिका झारखंड में निवेश और सहयोग के लिए इच्छुक : कैली जाइल डियाज

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग और निवेश को लेकर मंगलवार को मुख्य सचिव अलका तिवारी के साथ अमेरिकी काउंसलेट जेनरल की विस्तृत बातचीत हुई. इस दौरान खनन, पर्यटन, कृषि, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संतुलन, श्रम शक्ति इत्यादि क्षेत्रों में सहयोग और निवेश की संभावनाएं तलाशी गईं.

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अमेरिकी विश्वविद्यालयों के साथ संभावनाओं पर हुई चर्चा: मुख्य सचिव अलका तिवारी ने कहा कि झारखंड के कई क्षेत्रों में निवेश और सहयोग की अपार संभावनाएं हैं. उन्होंने राज्य के प्राकृतिक संसाधनों के बारे में विस्तार से बताया. साथ ही यहां की श्रम शक्ति को हुनरमंद बनाकर कैसे योजनाओं के माध्यम से वृहद आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है, उस पर प्रकाश डाला. महिला सुरक्षा और सशक्तीकरण में आये बड़े बदलाव को रेखांकित किया. उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे मुख्यमंत्री की पहल से मंईयां सम्मान योजना से महिलाओं का आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तीकरण से लेकर श्रम का पलायन रोक कर झारखंड की आर्थिक-सामाजिक परिदृश्य को बदला जा रहा है. उन्होंने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अमेरिकी विश्वविद्यालयों के साथ संभावनाओं पर भी चर्चा की.

खनिजों के खनन व उपकरण कारखाना की स्थापना में ज्वाइंट वेंचर की अपार संभावनाएं

खान सचिव राहुल कुमार सिन्हा ने अमेरिकी काउंसलेट जेनरल को बताया कि खनन के क्षेत्र में कोयला समेत विभिन्न खनिजों के खनन, खनन उपकरण कारखाना स्थापना में ज्वायंट वेंचर की अपार संभावनाएं हैं. वहीं लिथियम, ग्रेफाइट और टेटानियम के प्रसंस्करण में भी आपसी सहयोग से आगे बढ़ा जा सकता है. टास्क फोर्स–सस्टनेबल जस्ट ट्रांजिशन के चेयरमैन एके रस्तोगी ने पर्यावरण संरक्षण में सहयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला. बताया कि झारखंड पूरे भारत में सर्वाधिक 33 प्रतिशत वन क्षेत्र वाला राज्य है. उन्होंने कहा कि कार्बन क्रेडिट के क्षेत्र में आपसी सहयोग की बड़ी संभावना है. इसके अतिरिक्त झारखंड के पर्यटन स्थलों का उल्लेख करते हुए बताया कि इस क्षेत्र में भी निवेश और सहयोग की प्रचुर संभावना है. राज्य में लगभग 70 प्रतिशत लोग कृषि कार्य से जुड़े हैं, यह क्षेत्र भी सहयोग और निवेश के लिए आकर्षक क्षेत्र है.

अमेरिकी काउंसलेट जेनरल कैली जाइल डियाज ने चर्चा के दौरान चिह्नित क्षेत्रों में आगे बढ़ने की प्रक्रिया शुरू करने पर बल दिया.

अमेरिकी काउंसलेट जेनरल के साथ बैठक के दौरान मुख्य सचिव के अतिरिक्त टास्क फोर्स-सस्टनेबल जस्ट ट्रांजिशन के चेयरमैन एके रस्तोगी, खान सचिव राहुल कुमार सिन्हा और अमेरिकी काउंसलेट जेनरल की सहयोगी संगीता डे चंदा उपस्थित थे.

राज्यपाल से अमेरिकी काउंसलेट जेनरल कैली डियाज ने की मुलाकात

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास, कोलकाता की महावाणिज्य दूत कैली जाइल डियाज़ ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की. इसमें विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई. राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कैली जाइल डियाज़ को झारखंड की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक विशेषताओं से अवगत कराया. कहा कि इस राज्य में प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा उपलब्ध है. भेंट के दौरान उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि झारखंड में अनेक विश्वप्रसिद्ध धार्मिक स्थल हैं, जो राज्य की आध्यात्मिक समृद्धि के प्रतीक हैं. राज्यपाल ने बताया कि वर्तमान में सावन के पावन महीने में देश के कोने–कोने से लाखों श्रद्धालु श्रद्धा और भक्ति के साथ कांवर यात्रा कर देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम और दुमका स्थित बासुकीनाथ मंदिर पहुंच रहे हैं.

भाजपा का इंडी गठबंधन पर तीखा वार प्रदेश प्रवक्ता अजय साह बोले

तुष्टिकरण में डूबे गठबंधन ने नारी सम्मान और न्याय की बलि चढ़ाई

शुभम संदेश। रांची

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने मंगलवार को इंडी गठबंधन पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यह गठबंधन मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति में इतना लिप्त हो चुका है कि उसे नारी सम्मान और न्याय व्यवस्था की कोई परवाह नहीं रह गई है. उन्होंने आरोप लगाया कि वोट बैंक की राजनीति में गठबंधन के नेता मर्यादाओं को पार कर रहे हैं.

साह ने समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों का हवाला देते हुए पूछा कि जब एक हिंदू महिला सांसद के पारंपरिक वस्त्रों पर अभद्र टिप्पणी की जाती है, तब अखिलेश यादव और इंडी गठबंधन चुप क्यों रहते हैं. उन्होंने इसे महिला गरिमा का सीधा अपमान बताया.

झारखंड में कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए साह ने कहा कि जिन मामलों में हिंदू बेटियों को जलाया या बेरहमी से मारा गया, उन पर सरकार चुप रही, लेकिन दुष्कर्म के आरोपी आफताब अंसारी की मौत पर जांच कमेटी गठित कर दी गई. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कुछ नेता सिर्फ एक खास समुदाय की चिंता करते हैं और हर बार मुस्लिम नाम सामने आते ही सबसे पहले प्रतिक्रिया देने पहुंच जाते हैं.साह ने कहा कि आज का इंडी गठबंधन एक "तुष्टिकरण गठबंधन" बन गया है, जो न्याय, संविधान और सामाजिक संतुलन की बलि देकर केवल वोटबैंक की राजनीति कर रहा है.

युवा कांग्रेस को सशक्त बनाने के लिए रियाज अंसारी पर्यवेक्षक नियुक्त

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने झारखंड में युवा कांग्रेस को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण कदम उठाया है. इसी क्रम में रियाज़ अंसारी को झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है. यह नियुक्ति राज्य के सभी जिलों और प्रखंडों में युवा कांग्रेस की पहुंच को और व्यापक बनाने तथा समाज के सभी वर्गों, विशेषकर हाशिए पर रहने वाले तबकों के युवाओं को नेतृत्व में आगे लाने के उद्देश्य से की गई है. प्रदेश अध्यक्ष ने निर्देशित किया है कि जिला कांग्रेस समितियां (और प्रखंड कांग्रेस समितियां पूर्ण सहयोग प्रदान करें, ताकि संगठनात्मक ढांचे को जमीनी स्तर तक मजबूत किया जा सके. यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू मानी जाएगी. यह जानकारी झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मिडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पौल मुजनी ने दी.

सीएम हेमंत सोरेन आज दिल्ली से रांची लौटेंगे, गुरुजी के स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव

शुभम संदेश। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 30 जुलाई यानी बुधवार को दिल्ली से रांची लौटेंगे. आधिकारिक जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री बुधवार की शाम रांची आएंगे. रांची आने के बाद वह अगले दिन 31 जुलाई को रांची आ रही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का हवाई अड्डे पर स्वागत करेंगे. साथ ही सत्ताधारी गठबंधन के विधायकों के साथ अपने आवास पर बैठक करेंगे. विधानसभा के मानसून सत्र से पहले होनेवाली इस बैठक में सत्ता पक्ष अपनी रणनीति को अंजाम देगा. मालूम हो कि विधानसभा के मानसून सत्र में विपक्ष भी सत्ता पक्ष को घेरने की तैयारी में जुट गया है. इसके लिए विपक्ष की भी जल्द बैठक होगी.

इधर आधिकारिक जानकारी के अनुसार गुरुजी के इलाज और सेवा को लेकर दिल्ली में जमें मुख्यमंत्री के इस बार कुछ दिनों तक रांची में रहने की संभावना है. क्योंकि विधानसभा सत्र को लेकर मुख्यमंत्री का रांची में रहना आवश्यक माना जाता है. सूत्रों के अनुसार दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में इलाजरत शिबू सोरेन के स्वास्थ्य में लगातार उचार-चढ़ाव हो रहा है. सोमवार को उनके स्वास्थ्य में थोड़ा सुधार देखा गया. चिकित्सक उनके स्वास्थ्य पर गंभीरता से नजर रखे हुए हैं. स्वास्थ्य में तेजी से सुधार के प्रयास कर रहे हैं. लेकिन बीच बीच में गुरुजी के स्वास्थ्य में गिरावट आ जा रही है.

झारखंड जनजातीय महोत्सव की देशभर में गूंज, 15 शहरों में होगा आयोजन

रांची। इस बार विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर झारखंड जनजातीय महोत्सव की गूंज पूरे देश में सुनाई देगी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने निर्देश दिया है कि देश के सभी प्रमुख शहरों में झारखंड जनजातीय महोत्सव 2025 का आयोजन किया जाए. इसके तहत पोर्ट ब्लेयर से लेकर दिल्ली तक आयोजन होगा. नौ अगस्त को झारखंड के सभी 24 जिलों में झारखंड जनजातीय महोत्सव का आयोजन होगा. यह महोत्सव नौ अगस्त 2025 को एक साथ देश के 15 प्रमुख शहरों में आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य झारखंड की समृद्ध जनजातीय विरासत को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करना है. यह महोत्सव राज्य की पारंपरिक – संस्कृति, लोक कला, नृत्य, संगीत,खानपान, हस्तशिल्प और पर्यटन स्थलों को देशभर के लोगों के समक्ष प्रस्तुत करेगा. रांची के मोरहाबादी मैदान में यह तीन दिवसीय झारखंड जनजातीय महोत्सव का आयोजन किया जाएगा. यह 9 अगस्त से आरंभ होगा 11 अगस्त को समापन होगा. महोत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे. इस आयोजन में बॉलीवुड के कई कलाकारों के आने की उम्मीद है.

नागरिक समाज संपर्क विभाग (रचनात्मक कांग्रेस) का गठन

दयामनी बरला को प्रदेश पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) ने राज्य में पार्टी की जनपहुंच को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से नागरिक समाज संपर्क विभ ाग (रचनात्मक कांग्रेस) के गठन की घोषणा की है. यह निर्णय प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में लिया गया है. इस नवगठित विभाग का उद्देश्य झारखंड में सक्रिय जनसरोकारों, नागरिक समाज संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस पार्टी के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करना है, ताकि जनहित के मुद्दों पर मिलकर कार्य किया जा सके. विभाग की पहली नियुक्ति के तहत दयामनी बरला को नागरिक समाज संपर्क विभाग का प्रदेश पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है. उन्हें पीसीसी एवं डीसीसी स्तर पर विभाग के गठन की जिम्मेदारी सौंपी गई है.

मिलन समारोह : आजसू छात्र संघ में शामिल हुए झारखंड छात्र मोर्चा के दर्जनों सदस्य

सुदेश महतो का आरोप : राज्य सरकार राज्यपाल के अधिकारों पर कर रही प्रहार

शुभम संदेश। रांची

आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि हेमंत सरकार का मुख्य उद्देश्य राज्य में शिक्षा का सुधार नहीं, बल्कि राजनीतिक स्वार्थ है. उनका आरोप है कि राज्यपाल के अधिकारों पर हमले किए जा रहे हैं, जो लोकतांत्रिक परंपराओं और संविधान के खिलाफ हैं.आजसू पार्टी कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह को संबोधित करते हुए महतो ने कहा कि झारखंड की सरकार ने युवाओं और छात्रों को ठगा है. राज्य में बेरोजगारी चरम पर है और नौकरियां केवल कागजों तक सीमित हैं. सरकार की प्राथमिकता शराब की दुकानों का समय तय करना है, न कि युवाओं के भविष्य पर ध्यान देना. उन्होंने कहा कि कुलपति के चयन का अधिकार अब राज्य सरकार को सौंपा जा रहा है, जो युवाओं के अधिकारों का उल्लंघन है. साथ ही, जनजातीय सलाहकार परिषद के मामलों में भी राज्यपाल के अधिकारों में कटौती की गयी है.

आजसू के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने पार्टी के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि आजसू ने संघर्ष कर झारखंड राज्य की स्थापना की थी. उन्होंने कहा कि आजसू हमेशा छात्रों, युवाओं और हर वर्ग के लिए संघर्ष करती रही है. हम सरकार के खिलाफ मजबूती से लड़ेंगे और हमारा लक्ष्य झारखंड को समृद्ध बनाना है. झारखंड छात्र मोर्चा के प्रमुख प्रताप सिंह के नेतृत्व में रांची, बोकारो, देवघर, चतरा और गिरिडीह जिलों से कई छात्र आजसू में शामिल हुए. प्रताप सिंह ने कहा कि आजसू कोई संगठन नहीं, बल्कि एक सोच है. यह वीर योद्धाओं की पार्टी है, जो झारखंड को सुनहरा बनाने के लिए प्रतिबद्ध है.

छात्र आजसू में रांची से प्रताप सिंह, विद्यानंद राय, ऋषभ सिंह, अरुण चौहान, राहुल पासवान, पृथ्वी एक्का, राजा चौहान, सिकंदर मुंडा, अनुराग ठाकुर, रोहन चौहान, बोकारो से कार्तिक गुप्ता, अरुण जायसवाल, हर्षवर्धन सिंह, गौरव कुमार, देवघर से सचिन सिंह, आयुष सिंह, चतरा से शुभम तिवारी, रोशन कुमार, प्रभाकर चौहान, गिरिडीह से किशोर मंडल शामिल हुए.

मिलन समारोह में दीपक महतो, संजय मेहता, बसंत महतो, कुमुद वर्मा, परवाज खान, ऋतुराज शाहदेव, ओम वर्मा, ज्योत्सना केरकेट्टा, मोहसिन खान, अभिषेक सहित अन्य पार्टी सदस्य उपस्थित थे. आजसू ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि उनका उद्देश्य झारखंड के हर नागरिक का उत्थान करना है.

भाकपा सचिव पाठक बोले : नियम ताक पर रख हो रहा काम, गुणवत्ता की अनदेखी, गुस्से में जनता

रामगढ़-हजारीबाग में ग्रामीण विकास विभाग में बड़ा टेंडर घोटाला, भाकपा ने सीबीआई जांच की मांग की

शुभम संदेश। रामगढ़/हजारीबाग

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के प्रदेश सचिव महेंद्र पाठक ने झारखंड सरकार से ग्रामीण विकास विभाग में बड़े स्तर पर हुए टेंडर घोटाले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है. उन्होंने आरोप लगाया कि रामगढ़ ग्रामीण विकास प्रमंडल द्वारा विधानसभा चुनाव से ठीक पहले निकाले गए 9 टेंडरों में से 8 टेंडर एक ही ठेकेदार विंध्याचल कंस्ट्रक्शन को दिए गए. कहा कि यह टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह पक्षपातपूर्ण और भ्रष्टाचार से भरी है. उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, ग्रामीण विकास मंत्री और विभाग के चीफ इंजीनियर को पत्र लिखकर पूरे मामले की गहन जांच करा कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है.

क्या-क्या आरोप

- रामगढ़ ग्रामीण विकास प्रमंडल पर एक ही ठेकेदार को लगातार टेंडर देने का गंभीर आरोप
- नौ में से आठ टेंडर विंध्याचल कंस्ट्रक्शन को ही दिए जाने पर उठ रहे सवाल
- सीएम हेमंत सोरेन, ग्रामीण विकास मंत्री और विभाग के चीफ इंजीनियर को लिखा पत्र, जांच की मांग की
- हजारीबाग के विष्णुगढ़ प्रखंड में भी साल भर से टेंडर लटका, मनपसंद ठेकेदार के इंतजार का आरोप

उन्होंने यह भी बताया कि हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ प्रखंड में चटकारी से उचरिंगा भैया रोहनियाटांड़ तक पीसीसी पथ निर्माण के लिए एक साल पहले टेंडर निकाला गया था, जिसमें दस ठेकेदारों ने हिस्सा लिया है. बावजूद इसके, विभाग अभी तक टेंडर खोलने से कतरा रहा है. आरोप है कि अधिकारी सबसे अधिक बोली लगाने वाले 'मनचाहे' ठेकेदार का इंतजार कर रहे हैं, जो नियमों के पूरी तरह खिलाफ है.

भाकपा के प्रदेश सचिव पाठक ने चेताया कि एक ही ठेकेदार को सारे बड़े काम सौंपने से काम की गुणवत्ता बुरी तरह प्रभावित हो रही है और आम जनता में भारी असंतोष है. उन्होंने कहा कि 2024 में भी इसी तरह क्लासिक कंस्ट्रक्शन को मनमाने ढंग से ठेके दिए गए थे. उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि पूरे झारखंड, खास कर रामगढ़ और हजारीबाग जिले में चल रहे टेंडर प्रकरण की सीबीआई से जांच कराई जाए और दोषियों को सख्त सजा दी जाए, ताकि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगे और विकास कार्यों की गुणवत्ता सुधरे.

होमगार्ड नियुक्ति के विरुद्ध हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई

रांची। झारखंड के चाईबासा जिले में हो रही होम गार्ड बहाली के विरुद्ध झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है.

झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव राजीव कुमार तिवारी ने झारखंड गृह रक्षक स्वयंसेवक नियमावली 2014 के कंडिका 4 के नोट 1 एवं 2 के खिलाफ याचिका दायर की है. इस वाद में राजीव कुमार तिवारी के अलावा चाईबासा जिला के अध्यक्ष चरण चातर, सरायकेला-खरसावां के जिला अध्यक्ष प्रकाश पुर्ति एवं सरायकेला के 3 अभ्यर्थी प्रार्थी हैं. याचिका में झारखंड के सभी उपायुक्त, होमगार्ड डिजी, गृह सचिव, जिला समादेष्टा चाईबासा एवं पुलिस अधीक्षक को पार्टी बनाया गया है.

अपना ही केस साबित नहीं कर पाई पुलिस

कोर्ट ने कल्लू बंगाली समेत अन्य को किया बरी

शुभम संदेश। रांची

रांची सिविल कोर्ट ने कुख्यात हिस्ट्रीशीटर कल्लू बंगाली उर्फ समीर बागची, अभिजीत सिंह उर्फ सेंटी सिंह, जगत कुमार उर्फ लक्की और शिवनारायण महतो को पर्याप्त साक्ष्य के आभाव में बरी कर दिया है. सिविल कोर्ट ने उक्त आरोपियों को जिस मामले में बरी किया है, वह आर्म्स एक्ट और लूट की योजना बनाने से संबंधित था.

8 पुलिस वालों के बयान हुए दर्ज, पर आरोप साबित नहीं कर पाई पुलिस : उक्त सभी लोगों पर आरोपों को साबित करने के लिए 8 पुलिस वालों के बयान भी कोर्ट में दर्ज हुए. लेकिन ट्रायल के दौरान पुलिस अपने ही लगाए गए आरोपों को साबित नहीं कर पाई. जिसके बाद अपर न्यायायुक्त संजीव झा की कोर्ट ने सभी आरोपियों को पर्याप्त साक्ष्य के आभाव में बरी कर दिया. आरोपियों की ओर से अधिवक्ता अमन कुमार राहुल ने बहस की.

सभी पर आर्म्स एक्ट और लूट की योजना बनाने का आरोप

पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी में यह आरोप लगाया गया था कि कल्लू बंगाली, अभिजीत सिंह, जगत कुमार और शिवनारायण महतो डकैती की योजना बना रहे थे. कल्लू बंगाली के पास से एक लोडेड रिवॉल्वर और एक पिस्टल भी बरामद हुआ था. इस संबंध में रांची के चुटिया थाना में कांड संख्या 128/2020 दर्ज की गई थी.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, बुधवार 30 जुलाई 2025 I श्रावण शुक्ल पक्ष 06, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 113 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

रामगढ़ में पुलिस ने जब्त किया 25 लाख का डोडा, दो गिरफ्तार

शुभम संदेश I रामगढ़

डोडा तस्करों ने एक बार फिर रामगढ़ जिले को अपना कॉरिडोर बनाने का प्रयास किया. एसपी अजय कुमार की सतर्कता से डोडा तस्करों पर बड़ी कार्रवाई हुई. पुलिस ने 25 लाख का डोडा जब्त किया है. साथ ही दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है. इस मामले की जानकारी एसपी अजय कुमार ने मंगलवार को प्रेस वार्ता में दी. उन्होंने बताया कि सोमवार की रात उन्हें गुप्त सूचना मिली थी की पिकअप वैन से डोडा की तस्करी की जा रही है. रामगढ़ से निकलकर बोकारो की तरफ पिकअप वैन जा रही है. इस सूचना के आधार पर उन्होंने तत्काल रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद और रजरप्पा थाना प्रभारी कृष्ण कुमार को कार्रवाई करने का निर्देश दिया. टीम ने रजरप्पा थाना क्षेत्र के बोरोबिंग चेकनाका के पास जांच अभियान शुरू किया. इसी दौरान ब्लू रंग का पिकअप वैन बोरोबिंग गांव की तरफ आता दिखाई दिया. पुलिस ने उसे रूकने का इशारा किया तो चालक तेजी से गाड़ी को भगाने लगा. पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ा.

18 बोरियों में बंद था 80 किलो डोडा

पुलिस ने पिकअप वैन जेएच 10 सीडब्ल्यू 7235 के चालक गिरिडीह जिले के तीसरी गांव निवासी संदीप रजक और गांवा निवासी संतोष राम को गिरफ्तार किया. तलाशी के दौरान पिकअप वैन पर 18 बोरियों में बंद कुल 480 किलोग्राम डोडा पुलिस ने जब्त किया है. एसपी ने बताया कि इस डोडा की बाजार में कीमत लगभग 25 लाख रुपए होगी. एसपी ने बताया कि डोडा की तस्करी में गाड़ी मालिक, चालक, सहचालक और अन्य तस्कर शामिल हैं. यह डोडा भी तस्करों ने पिठोरिया के जंगल क्षेत्र से लोड किया था। इसे गिरीडीह की तरफ ले जाया जा रहा था. तस्करों ने मुख्य मार्ग को छोड़कर पिठोरिया से पतरातु और फिर रामगढ़ शहर से निकलकर बोकारो होते हुए गिरिडीह जाने की योजना बनाई गई थी. लेकिन उनकी मंसा सफल नहीं हो पाई.

ब्रीफ न्यूज

दादी ने पोती को पिला दी महुआ शराब, बिगड़ी हालत

गुमला। धान रोपनी का दौर चल रहा है. रोपनी कार्य में सहयोग करने वालों को ग्रामीण क्षेत्रों में महुआ से बनी शराब से स्वागत सम्मान करने की परंपरा है. बीते रविवार को सुरसांग में धान रोपनी को लेकर घर में बनी शराब को वृद्ध महिला ने पी और अपने नाबालिग पोती को भी थोड़ा सा पीला दी. नाबालिग पोती शराब के नशे में आ गई और वहीं बेसुध हो गई. वह कुछ बोल नहीं पा रही थी. परिवार के सदस्य कीटनाशक खाने की आशंका को लेकर इलाज के लिए सदर अस्पताल लाए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जब किशोरी को होश आया तो बताया कि दादी ने उसे शराब पिला दी थी.

कल्याण विभाग के क्लर्क ने की आत्महत्या

सरायकेला। सरायकेला जिला कल्याण विभाग में कार्यरत क्लर्क प्रेम चौधरी ने सोमवार की देर रात आत्महत्या कर ली. मंगलवार की सुबह घर के छत की कड़ी से लटका क्लर्क का शव देख पुलिस को इसकी सूचना दी गयी. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारा और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सरायकेला भेज दिया.घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार प्रेम चौधरी जिला कल्याण विभाग में क्लर्क के पद पर कार्यरत थे. वे गेस्ट हाउस कॉलोनी में सरकारी क्वार्टर में रहते थे. उनकी एक पुत्री और एक पुत्र है, जो कहीं बाहर रहकर पढ़ाई करते हैं.

पुलिस ने 48 घंटे में सामान के साथ आरोपी को पकड़ा

गिरिडीह। पचंबा थाना क्षेत्र के तेलोडीह पंचायत सचिवालय में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है. मामले में पुलिस ने तेलोडीह निवासी असगर अंसारी को गिरफ्तार किया है. वहीं चोरी की गई पंचायत सचिवालय की संपत्ति-सीपीयू, मॉनिटर, की-बोर्ड, माउस और प्रिंटर को भी बरामद कर लिया गया है. इस संबंध में पचंबा थाना परिसर में आयोजित प्रेसवार्ता में इंस्पेक्टर मंटू कुमार और थाना प्रभारी राजीव कुमार ने संयुक्त रूप से जानकारी दी. बताया गया कि बीते 27 जुलाई की रात पंचायत सचिवालय में चोरी की वारदात हुई थी. इस मामले में स्थानीय मुखिया सब्बीर आलम ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी.

हजारीबाग के गोरहर थाना क्षेत्र में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

उत्तम यादव गिरोह के चार सदस्य हथियारों के साथ गिरफ्तार

शुभम संदेश I हजारीबाग

जिले के गोरहर थाना क्षेत्र में पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. कुख्यात अपराधी उत्तम यादव के संगठन से जुड़े चार अपराधियों को पुलिस ने हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है. ये सभी अपराधी ठेकेदारों और व्यापारियों से लेवी वसूली व धमकी देने की नीयत से निकले थे. पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि उत्तम यादव गिरोह के अपराधी एक बिना नंबर प्लेट की कार से बंडासिंगा-खैरा रोड होते हुए इचाक की ओर जा रहे हैं. सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही के नेतृत्व में गोरहर थाना प्रभारी व अन्य पुलिसकर्मियों की एक विशेष टीम बनाई गई.

चामुदोहर के पास वाहन चेकिंग अभियान के दौरान बिना नंबर की बेलोनो कार को रोका गया. पुलिस को देख कार में बैठे चारों अपराधी भागने लगे, लेकिन पुलिस टीम ने पीछा कर सभी को धर-दबोचा. तलाशी के क्रम में दो अपराधियों – नितेश वर्मा उर्फ संटू और बिट्टू वर्मा उर्फ बिट्टू सोनी के पास से दो लोडेड देसी कट्टे और 315 बोर के दो जिन्दा कारतूस बरामद हुए.

गिरफ्तार अपराधियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे उत्तम यादव के संगठन के लिए काम करते हैं और जिले के विभिन्न क्षेत्रों में ठेकेदारों व अन्य व्यवसायियों से लेवी वसूलने का काम करते हैं. पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ गोरहर थाना में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है.

पुलिस के द्वारा गिरफ्तार आरोपियों की पहचान की गई है जिसमें सभी चतरा के निवासी हैं. आरोपियों में नितेश वर्मा उर्फ संटू पिता राजेश प्रसाद, बिट्टू वर्मा पिता स्व. बिनोद प्रसाद, जटाधारी यादव उर्फ गोदी पिता जोधी यादव, सुनील कुमार पिता स्व. जवाहर राम शामिल हैं.

वहीं अपराधियों के पास से कई सामग्री बरामद की गई हैं जिसमें, दो लोडेड देसी कट्टा, 315 बोर के दो जिन्दा कारतूस, चार मोबाइल फोन और एक बिना नंबर प्लेट की बलेनो कार शामिल हैं.

डाकघर घोटाला

पीड़ितों को तीन माह में लौटाई जाएगी राशि

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा डाकघर में करोड़ों रुपये की फर्जी फिक्स्ड डिपॉजिट घोटाले ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है. अब तक 10 खाताधारकों से 48.81 लाख की ठगी की पुष्टि हो चुकी है, जबकि वास्तविक आंकड़ा इससे कहीं अधिक हो सकता है. घोटाले की गंभीरता को देखते हुए रांची से सिंहभूम प्रमंडल के वरीय डाक अधीक्षक उदय भान सिंह सोमवार को गुवा पहुंचे और प्रारंभिक जांच की. उन्होंने पीड़ित खाताधारकों से मुलाकात कर आश्वासन दिया कि विभागीय प्रक्रिया के तहत तीन माह के भीतर सभी की राशि लौटाई जाएगी. मंगलवार को क्लेम फॉर्म भरवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है ताकि समय पर मुआवजा मिल सके. इस घोटाले का मुख्य आरोपित तत्कालीन पोस्टमास्टर विकास चंद्र कुईला है, जिसने 2021 से 2024 के बीच फर्जी एफडी के जरिए करोड़ों रुपये हड़प लिए और 20 जून को ट्रांसफर के बाद से फरार है. स्थानीय लोगों ने आरोपित की जल्द गिरफ्तारी, ब्याज सहित राशि वापसी और अन्य अधिकारियों की जांच की मांग की है. वरिष्ठ अधीक्षक ने कहा कि डाक विभाग पर जनता का भरोसा सर्वोपरि है और पीड़ितों को हर हाल में न्याय मिलेगा.

इंटरमीडिएट सहायक आचार्य भर्ती 2023

शॉर्टलिस्टेड अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन 31 से

शुभम संदेश I रांची

प्रारंभिक विद्यालय सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 के आधार पर इंटरमीडिएट प्रशिक्षित सहायक आचार्य (कक्षा 1 से 5) पद के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन (प्रमाण पत्रों की जांच) 31 जुलाई से शुरू होगा, जो 5 अगस्त तक चलेगा. झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया है.

दो पालियों में होगी जांच, समय से एक घंटा पहले पहुंचना अनिवार्य

जेएसएससी द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, प्रमाण पत्रों की जांच आयोग के कार्यालय में दो पालियों में की जाएगी. पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 02:30 बजे से शाम 06:00 बजे तक होगी. उम्मीदवारों को पाली शुरू होने से 1 घंटा पहले जांच स्थल पर पहुंचना अनिवार्य है.

अभ्यर्थियों के लिए जरूरी निर्देश : प्रत्येक उम्मीदवार को अपने साथ नीचे दिए गए दस्तावेज लाने होंगे. अगर कोई अभ्यर्थी निर्धारित समय पर प्रमाण पत्रों की जांच के लिए उपस्थित नहीं होता है, या जरूरी दस्तावेज नहीं लाता है, तो उसे अलग से मौका नहीं दिया जाएगा. ऐसे मामलों में आयोग उसका दावा निरस्त कर सकता है.

- ऑनलाइन आवेदन में दी गई जानकारियों से जुड़े सभी मूल प्रमाण पत्र
- सभी प्रमाण पत्रों की स्व-हस्ताक्षरित फोटो कॉपी
- हाल ही में खिंचवाया गया एक पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो

आवश्यक दस्तावेजों की सूची :

- लिखित परीक्षा का प्रवेश पत्र (सभी पेपर्स का)
- शैक्षणिक प्रमाण पत्र और अंक पत्रः
- 10वीं / मैट्रिक
- इंटरमीडिएट / 12वीं
- स्नातक (असभी वर्षों का मार्कशीट, जहां लागू हो)
- J-TET पास प्रमाण पत्र
- आरक्षण और स्थानीयता से संबंधित प्रमाण पत्र
- दिव्यांग/खेलकूद कोटा/पारा शिक्षक आदि से संबंधित प्रमाण पत्र (यदि लागू हो)

लातेहार में डिजिटल अरेस्ट कर 3.9 लाख रु की ठगी, एक गिरफ्तार

- राजस्थान से साइबर अपराधी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

शुभम संदेश I लातेहार

जिले के टोरी रेलवे स्टेशन के रेलवे कर्मचारी से डिजिटल अरेस्ट कर 3.9 लाख रुपए की ठगी करने वाले साइबर अपराधी को लातेहार पुलिस ने गिरफ्तार कर मंगलवार को जेल भेज दिया है. गिरफ्तार साइबर अपराधी सुरेंद्र खोजा राजस्थान के निंबी जोधा, कुचामन का रहने वाला है. उसे उसके घर से गिरफ्तार किया गया. पुलिस ने उसके पास से साइबर ठगी में उपयोग किया गया मोबाइल भी बरामद कर लिया है. इसकी जानकारी मुख्यालय डीएसपी संजीव मिश्रा ने प्रेस वार्ता में दी. उन्होंने बताया कि पीड़ित रेलवे कर्मी रविशंकर केसरी को एक सप्ताह तक डिजिटल अरेस्ट करके 3,90,000 रुपए की ठगी की गई थी. इस मामले में साइबर थाना कांड संख्या 01/25 दर्ज किया गया था. पुलिस ने टेक्निकल सेल और साइबर पदाधिकारी की मदद से साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया. डीएसपी ने आगे बताया कि साइबर अपराधी सुरेंद्र खोजा ने एक लाख रुपए अपने अकाउंट 1102110120073619 में जमा कराए थे. शेष तीन अन्य अकाउंट में दो लाख 90 हजार रुपए ट्रांसफर कराया था. उन्होंने आगे बताया कि 12 दिसंबर 2024 को अज्ञात नंबर से टेलीकॉम विभाग के पदाधिकारी बनकर पीड़ित से संपर्क किया गया.उसे बताया गया कि दिल्ली में उसके नाम से अवैध सिम लिया गया है और अपराध किया जा रहा है. फिर उसे दिल्ली पुलिस से जोड़ा गया और बताया गया कि उस पर मनी लॉन्ड्रिंग का भी केस चल रहा है. इसके बाद फर्जी सीबीआई अधिकारी बनकर कॉल करके धमकाया गया. 10 मिनट के भीतर पूरे परिवार को जेल भेज देने की बात कह कर डिजिटल अरेस्ट किया गया. इस छापेमारी अभियान में साइबर थाना के एसआई पिंटू कुमार, एएसआई जितेंद्र कुमार और आरक्षी वीरेंद्र पासवान शामिल थे.

हाथियों ने महिला को पटक कर मार डाला

शुभम संदेश I मेदिनीनगर

जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत मनिका वन क्षेत्र में रबदा पंचायत के सलैया गांव में हाथियों के झुंड ने मंगलवार को बकरी चरा रही एक अधेड़ विधवा महिला को पटक पटक कर मार डाला. एक अन्य महिला ने किसी तरह मौके से भाग कर अपनी जान बचायी. मृतक महिला की पहचान समुद्री कुंवर (52) के रूप में हुई है. घटना की जानकारी मिलने पर मनिका वन विभाग के रेंजर ठाकुर पासवान ने मृतका के पुत्र को दाह संस्कार के लिए 50 हजार रुपए की आर्थिक मदद दी. रेंजर ने बताया कि आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद साढ़े तीन लाख रुपये और मुआवजा दिया जाएगा. जानकारी के अनुसार समुद्री कुंवर और वार्ड सदस्य बबलू परहिया की मां पानो कुंवर अपने घर के पास में ही बकरी चरा रही थी. अचानक वहां दो बड़े हाथी और एक बच्चा पहुंचा एवं समुद्री कुंवर को घेर लिया. महिला जान बचाने के लिए पानी के एक नाले में कूद गई, लेकिन हाथियों ने पानी में घुसकर उसे पटक पटक कर मार डाला. हाथियों के हमले को देखकर साथ में बकरी चरा रही पानो कुंवर चिल्लाने लगी और जान बचाकर मौक से भागी. महिला ने घटना की जानकारी ग्रामीणों को दी. ग्रामीण एकजुट होकर मौके पर पहुंचे. इसी क्रम में हल्ला सुनकर हाथी औरंगा नदी पार करके जंगल में चले गए.

हाथियों के आतंक से हैं परेशानः धीरज

सामाजिक कार्यकर्ता धीरज कुमार ने बताया कि क्षेत्र में हाथियों का आतंक सालों भर रहता है। बेतला नेशनल पार्क से सटे होने के कारण हाथी उत्पात मचाकर चले जाते हैं. जान माल की क्षति हम लोगों को उठानी पड़ती है. बेतला नेशनल पार्क के अधिकारियों को सूचना देने के बाद भी किसी भी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं होती है.

जानमाल की हानि हमेशा होती हैः शंभू

पूर्व मुखिया शंभू उरांव ने बताया कि हाथियों की ओर से इस क्षेत्र में हमेशा जान माल की हानि की जाती है. रबदा पंचायत के रांकी खुर्द, सलैया, रबदा के फुलवरिया, अमझरिया, कुकुरबंधवा, डम्हवा में हाथियों का झुंड आ धमकता है और लोगों को कुचलकर चला जाता है. इसके कारण हमेशा लोग भयभीत रहते हैं.

देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में अबतक 33.11 लाख श्रद्धालुओं ने किया जलार्पण

शुभम संदेश I देवघर

सावन माह में देवघर के विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में लगातार श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ रहा है. तीसरे सोमवार को सुबह 04:09 से मंदिर का पट खुलते ही जलार्पण शुरू हो गया. बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में शिवभक्तों की गूंज से पूरा रूट लाइन गुंजायमान रहा. सभी कांवरिया कतारबद्ध होकर बाबा का जयघोष करते हुए जलार्पण कर रहे थे. कांवरिया सुल्तानगंज से जल लेकर 105 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम पहुंचकर जलार्पण करते हैं. जिला प्रशासन के अनुसार सावन मेला में अब तक कुल 33 लाख 11 हजार 291 श्रद्धालुओं ने बाबा बैद्यनाथ पर जर्लापण किया है. जलार्पण शुरू होते ही पूरा मंदिर परिसर बोल-बम के नारों से रात तक गुंजयमान रहा. देश के हर कोने और विदेश से भी भक्त भोलेनाथ को जलार्पण कर रहे हैं.

शिवलोक परिसर से भव्य ड्रोन शो का आयोजन

उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा की उपस्थिति में शिवलोक परिसर में तीसरी सोमवारी को एक बार फिर शिव गाथा थीम पर ड्रोन शो का आयोजन किया गया. साथ ही बाबा मंदिर की परिधि से पांच किलोमीटर तक के दायरे में ये अद्भुत नजारा श्रद्धालुओं को शाम 08 बजे के बाद आकाश में देखने को मिला, जिसकी सभी ने जमकर तारीफ की. इसके अलावा ड्रोन शो के माध्यम से बाबा बैद्यनाथ मंदिर से जुड़ी विभिन्न पौराणिक महत्व, मेला एवं ज्योतिर्लिंग से जुड़ी जानकारी को प्रदर्शित किया गया. साथ ही शिवलोक परिसर में करीब 20 से 25 मिनट का ड्रोन शो का आयोजन किया गया.

आतंक : हजारीबाग शहर में आवारा कुत्तों ने मचाया कहर, पूरे इलाके में दहशत

अब तक 20 से अधिक लोगों को काटा, कई हुए गंभीर

शुभम संदेश I हजारीबाग

हजारीबाग शहर में आवारा कुत्तों ने 20 से अधिक लोगों को काट दिया है. जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत है और लोग कुत्तों से बचने के लिए भागते दिख रहे हैं. दरअसल कुत्तों का झुंड हजारीबाग के रोमी से लोगों को काटते हुए पैगोडा चौक तक पहुंच गया. इस दौरान 20 से अधिक लोग जख्मी हुए हैं. सभी का इलाज शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में किया गया है. जिसमें एक बच्चे को कुत्ते ने सबसे अधिक घायल किया है. हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र में कुत्तों का आतंक कुछ इस कदर है कि लोग भय के वातावरण में जी रहे हैं. कुत्ते के काटने का कई मामला सामने आते हैं. और अब आलम यह रहा की कुत्तों के झुंड ने लगभग शहर के 20 लोगों को अपना शिकार बना लिया. कई लोगों को कुत्ते ने इस कदर काटा की वह अपनी जान बचाते हुए नजर आए. वहीं कुछ लोग दुकान और प्रतिष्ठा में छुपते हुए नजर आए. बताया जाता है कि कुत्ता रोमी से लोगों को अपना निशाना बनाना शुरू किया और काटते काटते पैगोडा चौक तक पहुंच गया.

घायल मरीज अरमान ने बताया कि अचानक से कुत्ता उसके ऊपर झपट मार दिया. जैसे तैसे बच कर उसनें अपनी जान बचाई. पास में ही उनका भाई मोहम्मद रिजवान था उस पर भी कुत्ते ने हमला कर दिया और वह भी घायल हो गया. पगोडा चौक के पास एक व्यक्ति फल की दुकान चलाता है उसने बताया कि वह दुकान बंद कर घर वापस जा रहा था इसी दौरान 20 से अधिक लोगों को कुत्ते ने अपना शिकार बनाया.

जैसे ही यह बात आग की तरह शहर में फैली तो स्थानीय समाजसेवी रोहित बजाज भी घटना की जानकारी लेने के लिए अस्पताल पहुंचे. उन्होंने बताया कि अस्पताल की स्थिति देखने से ही भयभीत लग रहा है. कुत्ते ने कई लोगों को अपना निशाना बना लिया था. उन्होंने नगर निगम से मांग किया है कि जल्द से जल्द आवारा कुत्तों पर नकेल कसा जाए. उन्होंने बताया कि उनके पड़ोसी को कुत्ते ने अपना शिकार बना लिया था और वे जानकारी लेने के लिए पहुंचे थे.

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर के नोडल ऑफिसर डॉक्टर अभिषेक कुमार ने जानकारी दिया कि 20 से अधिक लोगों को कुत्ते ने अपना निशाना बनाया था. सभी घायलों को रेबीज का इंजेक्शन दे दिया गया है. उन्होंने बताया कि कुत्ते काटने की कई घटना प्रकाश में आती है. लेकिन इस तरह से पहली बार हुआ है कि 20 से अधिक घायल अस्पताल पहुंचे हों.

झारखंड के सात जिलों में आज भारी बारिश के आसार

शुभम संदेश I रांची

झारखंड के सात जिलों में बुधवार को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की आशंका मौसम विभाग ने जताई है.

इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है. राज्य के जिन जिलों में भारी बारिश होने की आशंका व्यक्त की गई है. उनमें देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, साहिबगंज, पाकुड़ और गिरिडीह शामिल है.

वहीं, राज्य के तीन जिलों को छोड़कर शेष हिस्सों में भारी बारिश हो रही है. दक्षिणी-पश्चिमी मानसून के राज्य में 17 जून को प्रवेश करने के पूर्व से ही राज्य में भारी बारिश हो रही है. एक जून से 28 जुलाई तक राज्य में सामान्य से 53 प्रतिशत अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई है. झारखंड में इस दौरान 478.3 की तुलना में 732.7 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई है. मंगलवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बादल छाए रहे और तापमान में कमी दर्ज की गई. इससे हल्की ठंड का एहसास हुआ. रांची में अधिकतम तापमान 27.6 डिग्री, जमशेदपुर में 30.4, डाल्टेनगंज में 30.2, बोकारो में 30.1 व चाईबासा में तापमान 29.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया.

ग्रामीण क्षेत्रों के लिए परेशानी का सबब बनी बारिश, कई कच्चे मकान गिर गए

रांची/खूंटी। रांची और खूंटी जिलों समेत पूरे राज्य् में पिछले डेढ़ महीने से हो रही लगातार और मूसलाधार पानी अब लोगों के लिए जंजाल बनती जा रही है. भारी बारिश के कारण पूरे इलाके में सैकडों कच्चे मकान ध्वस्त हो गए, वहीं दूसरी ओर घरों में बरसात का पानी घुस जाने से कई परिवारों को घर छोड़ कर दूसरे के घरों में सहारा लेना पड़ रहा है. गांवों की कई सड़के तालाब बन गई हैं. लोग मोटर पंप से पानी निकाल रहे हैं. जगह-जगह जल जमाव होने से कई तरह की बीमरियों के फैलने की आशंका बढ़ती जा रही है.

ऐसा ही नजारा मंगलवार को तोरपा प्रखंड के अम्मा पकना गांप में देखने को मिला, जहां लगातार हो रही बारिश से गांव के लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई है. अम्मा पकना गांव की पुनिया देवी सहित कई लोगों के घर गिर गये हैं. गांव के जागरूक किसान और भाजपा नेता रामानंद साहू कहते हैं कि ऐसी विनाशकारी बारिश उन्होंने कभी नहीं देखी थी.

राष्ट्रपति दौरे को लेकर रांची की ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव, जानें दो दिनों का पूरा रूट प्लान

शुभम संदेश। रांची

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 31 जुलाई से दो दिवसीय दौरे पर झारखंड आ रही हैं. इस दौरान वे देवघर और धनबाद में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल होंगी. राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए झारखंड पुलिस की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं. रांची, धनबाद और देवघर तीनों जिलों की पुलिस अलर्ट पर है. दूसरी तरफ रांची पुलिस ने भी राष्ट्रपति दौरे को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था में व्यापक बदलाव किए हैं.

एयरपोर्ट जाने वालों के लिए विशेष निर्देश : 31 जुलाई को जिन यात्रियों की फ्लाइट 5 बजे से 6:30 बजे के बीच है, वे शाम 4:30 बजे तक एयरपोर्ट पहुंच जाएं. 1 अगस्त को जिनकी फ्लाइट 8 से 10 बजे के बीच है, वे सुबह 7:30 बजे तक एयरपोर्ट पहुंच जाएं.

देवघर एम्स और धनबाद आईआईटी-आईएसएम के दीक्षांत समारोह में होंगी शामिल : राष्ट्रपति मुर्मू के यात्रा कार्यक्रम के अनुसार, वे 31 जुलाई को रांची आयेंगी. इसके बाद एक अगस्त को देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में शिरकत करेंगी. इसके अलावा धनबाद में 99 साल पुराने आईआईटी इंडियन स्कूल ऑफ माइंस (आईएसएम) के 45वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगी.

31 जुलाई को रांची में इस प्रकार रहेगी यातायात व्यवस्था

- सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक पूरे शहर में भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा.
- शाम 3 बजे से रात 8 बजे तक शहर में छोटे मालवाहक वाहनों पर भी रोक.
- शाम 4 से 7 बजे तक, कांके, रातु, काठीटांड, कटहल मोड़ जाने वाले वाहन मेन रोड,लालपुर रोड,कांटाटोली फ्लाई ओवर, बुटी मोड़ होते हुए रिंग रोड से अपने गंतव्य तक जा सकेंगे.
- कांके रोड, रातु रोड, कटहल मोड़, काठीटांड की ओर से आने वाले वाहन भी कांके रिंग रोड, बोडेया रोड, बुटी मोड़, कांटाटोली फ्लाई ओवर होते हुए शहर में प्रवेश कर सकेंगे.
- शाम चार बजे से रात सात बजे तक एयरपोर्ट रोड, हिनू चौक, बिरसा चौक, अरगोड़ा चौक, सहजानंद चौक, बाईपास रोड (किशोरगंज चौक), न्यू मार्केट चौक, हॉटलिप्स चौक, और राजभवन मोड़ तक की सड़कों का कम से कम उपयोग करें.
- अरगोड़ा चौक से हॉटलिप्स चौक तक ऑटो और टोटो प्रतिबंधित रहेंगे.
- आवश्यकतानुसार अन्य मार्गों को भी थोड़े समय के लिए डायवर्ट या रोका जा सकता है.

एक अगस्त को रांची में ऐसी रहेगी यातायात व्यवस्था

- सुबह 6 बजे से रात 9 बजे तक शहर में भारी वाहनों का प्रवेश और परिचालन वर्जित रहेगा.
- सुबह सात बजे से 11 बजे तक शहर में छोटे मालवाहक वाहनों पर प्रतिबंध रहेगा.
- कांके रोड, रातु रोड, कटहल मोड़, काठीटांड की ओर से आने वाले वाहन भी कांके रिंग रोड, बोडेया रोड, बुटी मोड़, कांटाटोली फ्लाई ओवर होते हुए शहर में प्रवेश कर सकेंगे.
- शाम चार बजे से रात सात बजे तक एयरपोर्ट रोड, हिनू चौक, बिरसा चौक, अरगोड़ा चौक, सहजानंद चौक, बाईपास रोड (किशोरगंज चौक), न्यू मार्केट चौक, हॉटलिप्स चौक, और राजभवन मोड़ तक की सड़कों का कम से कम उपयोग करें.
- अरगोड़ा चौक से हॉटलिप्स चौक तक ऑटो और टोटो प्रतिबंधित रहेंगे.
- आवश्यकतानुसार अन्य मार्गों को भी थोड़े समय के लिए डायवर्ट या रोका जा सकता है.

एक नजर

दक्षिणी छोटानागपुर बस मालिक समन्वय समिति ने आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

रांची। दक्षिणी छोटानागपुर बस मालिक समन्वय समिति के प्रतिनिधिमंडल ने संयोजक किशोर मंत्री के नेतृत्व में प्रमंडलीय आयुक्त अंजनी कुमार मिश्रा को एक ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में समिति ने बसों की समयसारणी पर ध्यान देने की मांग की, जिसमें बड़ी बसों के लिए 10 मिनट और छोटी बसों के लिए 5 मिनट का अंतराल रखने का अनुरोध किया गया. इसके अलावा, समिति ने वर्ष 2016 में निर्धारित मार्गों की समीक्षा कर नए मार्गों के निर्धारण की आवश्यकता जताई, क्योंकि कई नई सड़कों का निर्माण हो चुका है. प्रतिनिधिमंडल ने सरकारी बस स्टैंड की दयनीय स्थिति पर भी चिंता जताई और उसके उचित रखरखाव की मांग की. ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में अरुण कुमार बुधिया, अशफाक आजम, संजय यादव, और बसंत प्रसाद शामिल थे.

शोधपरक सामाजिक -आर्थिक एवं संसदीय अध्ययन केंद्र के सदस्यों ने किया पौधरोपण

रांची। शोधपरक सामाजिक -आर्थिक एवं संसदीय अध्ययन केंद्र के सदस्यों द्वारा मंगलवार को नामकुम के राजकीयकृत बुनियादी मध्य विद्यालय परिसर में ₹एक वृक्ष मां के नाम₹ कार्यक्रम के तहत गहन पौधरोपण किया गया. संस्था द्वारा फलदार,छायादार और रिहायशी इमारती लकड़यों के पौधे यथा आम, जामुन, अमरूद, कटहल, काला सीसम, सागवान,गम्हार, महोगनी आदि के पौधे लगाए गये. कार्यक्रम में संस्थान के सचिव अयोध्या नाथ मिश्र, संयुक्त सचिव अमरनाथ झा, रमाकांत महतो, अरूण कुमार मिश्र,अजय तिवारी, डॉ. विजय शंकर दास ,विजय सिंह आदि के साथ विद्यालय के प्राचार्य बृजेंद्र चौबे व सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और स्कूल परिसर में पौधरोपण किया. कार्यक्रम का आयोजन रमाकांत महतो एवं शिक्षक विजय कुमार सिंह ने किया था. सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पौधरोपण को एक उल्लेखनीय आयोजन के रुप में संपादित किया. प्रवीण कुमार गुप्ता, पुष्पा कुजूर, पुष्पा बेक, इन्दु कुमारी,मंजु रानी, अशोक कुमार,रीमा बाडा एवं प्रियंका तिर्की सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बड़े उत्साह के साथ मां के नाम पेड़ लगाया. सचिव अयोध्या नाथ मिश्र ने वार्ता क्रम में पौधरोपण के भौतिक- मौलिक महत्व एवं पर्यावरण संतुलन की उपादेयता पर संवाद किया. पौधरोपण को लेकर विद्यालय में हर तरफ उत्साह देखा गया.

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना, रजरप्पा मंदिर में पूजा-अर्चना की

रांची। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना को लेकर युवा कांग्रेस के नेताओं ने रजरप्पा मंदिर में पूजा-अर्चना किया. अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर प्रदीप सिंह मान, झारखंड प्रदेश युवा कांग्रेस चुनाव कोऑर्डिनेटर रजत थापा, युवा कांग्रेस नेता रोहित सिन्हा और रामगढ़ के विधायक प्रतिनिधि कमलेश कुमार महतो ने रजरप्पा मंदिर में पूजा-पाठ और हवन कर मां छिन्मस्तिका से दिशोम गुरु शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ होने की कामना किया. रोहित सिन्हा ने कहा कि झारखंड के पुरोधा दिशोम गुरु शिबू सोरेन लंबी रूप से बीमार है, उनका इलाज दिल्ली में चल रहा, उनकी तबीयत स्थिर बनी हुई है. हम सब युवा कांग्रेस नेताओं ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर माता से जल्द उनके स्वस्थ हो जाने की कामना की. आशा है मां छिन्मस्तिका के आशीर्वाद से गुरुजी जल्द स्वस्थ होकर रांची लौटेंगे.

---

100 में से 80 बाइक रांची पुलिस लाइन पहुंची , और 20 बाइक भी जल्द ही मिलेगी

हाई स्पीड बाइक से लैस हुई रांची पुलिस गली-मोहल्ले में तेज होगी गश्त

शुभम संदेश। रांची

रांची पुलिस को अब गली-मोहल्लों और संकरी गलियों में तेज़ी से गश्त करने के लिए 100 हाई स्पीड बाइक मिली है. यह बाइक राजधानी रांची के उन इलाकों में पुलिस की गश्त को और भी प्रभावी बनाएंगी, जहां बड़े पुलिस वाहन नहीं पहुंच सकते. रांची पुलिस को मिली इन 100 बाइक में से 80 बाइक पहले ही पुलिस लाइन पहुंच चुकी हैं, जबकि बाकी की 20 बाइक जल्द ही रांची पुलिस के पास पहुंचने वाली हैं. डीआईजी सह एसएसपी रांची चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि बाइक पेट्रोलिंग अपराधों को रोकने में एक प्रभावी और बेहतरीन साधन साबित होगी. इन बाइकों का उपयोग ट्रैफिक, टाइगर मोबाइल और हाईकोर्ट की सुरक्षा में भी किया जाएगा.

गश्त और अपराधियों का पीछा करने में सहायक : राजधानी में अपराधियों के द्वारा अक्सर बाइक का इस्तेमाल किया जाता है, खासकर लूट या चेन स्नेचिंग जैसी घटनाओं में. अपराधियों के द्वारा संकरी गलियों का सहारा लिया जाता है, जिससे पुलिस को पीछा करना कठिन हो जाता है. लेकिन अब रांची पुलिस के पास 150 सीसी की हाई स्पीड बाइक है, जो अपराधियों का पीछा करने और उन्हें पकड़ने में काफी मददगार साबित होगी. इससे पहले, पुलिस गश्त के लिए इस्तेमाल हो रही बाइकों की स्थिति खराब हो चुकी थी, खासकर टाइगर जवानों द्वारा इस्तेमाल की जा रही बाइकों की हालत काफी पुरानी हो गई थी. अब इन हाई स्पीड बाइकों से रांची पुलिस का गश्त कार्य और भी बेहतर होगा.

महिला पुलिसकर्मियों के लिए स्कूटी

महिला पुलिसकर्मियों के लिए शक्ति कमांडो स्कूटी का इस्तेमाल करती हैं, जो गश्त करने में पूरी तरह से सक्षम है. इन स्कूटीज़ की स्थिति अभी भी बेहतर है, इसलिए महिला पुलिसकर्मी बिना किसी परेशानी के गश्त करती हैं. इस नई बाइक फ्लीट से रांची पुलिस अब शहर के हर कोने में तेजी से पहुंचकर अपराधियों पर लगाम लगाने में सक्षम होगी.

108 एंबुलेंसकर्मी हड़ताल पर गए, आंदोलन हुआ तेज

एंबुलेंस कर्मियों ने राजभवन मार्च कर किया नंग-धड़ंग प्रदर्शन

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की आपात चिकित्सा व्यवस्था को संचालित करने वाले 108 एंबुलेंस कर्मियों का आंदोलन मंगलवार से और तेज हो गया है. राजधानी रांची में एंबुलेंस चालकों और तकनीकी कर्मचारियों ने मंगलवार को राजभवन के समक्ष नंग-धड़ंग प्रदर्शन किया और उचित मानदेय, स्थायी बहाली और सरकारी कर्मचारी जैसी सुविधाएं देने की मांग दोहराई. हड़ताल का मंगलवार को दूसरा दिन था और इसका असर सदर अस्पताल समेत राजधानी के कई सरकारी अस्पतालों में देखा गया. आपातकालीन सेवा में देरी से मरीजों को खुद साधन जुटाकर अस्पताल पहुंचना पड़ा.

प्रदर्शनकारी एंबुलेंस कर्मचारियों ने बताया कि 108 एंबुलेंस सेवा का संचालन फिलहाल एक निजी संस्था कर रही है. इनका आरोप है कि एजेंसी हर साल बदलती है, लेकिन शोषण की तस्वीर नहीं बदलती.एक एंबुलेंस चालक ने कहा कि हमसे 12-12 घंटे काम लिया जाता है, लेकिन वेतन तय नहीं, कोई पीएफ नहीं, कोई बीमा भी नहीं है. छुट्टी मांगों तो प्रताड़ना, सवाल करो तो धमकी तक दी जाती है. कर्मियों ने कहा कि वे राज्य के दूरदराज क्षेत्रों में दिन-रात सेवा दे रहे हैं, लेकिन उन्हें किसी भी तरह की सरकारी सुविधा नहीं मिल रही है.

राजभवन के सामने प्रदर्शन

राजभवन के पास जुटे एंबुलेंस चालकों व कर्मियों ने जोरदार नारेबाजी की. वे अपनी तख्तियों पर, हम सेवक हैं, भिखारी नहीं, 108 कर्मियों को सम्मान चाहिए जैसे नारे लिखकर बैठे थे. उन्होंने बताया कि वे पहले भी स्वास्थ्य विभाग, जेएचआरएम मिशन, मुख्यमंत्री सचिवालय और जेएचआरडीए तक ज्ञापन दे चुके हैं, लेकिन अब तक सिर्फ आशवासन मिला है, कार्रवाई नहीं हुई है. 108 एंबुलेंस चालकों ने कहा है कि अब बात नहीं, सिर्फ लिखित आशवासन चाहिए. जब तक स्थायी बहाली और न्यूनतम वेतन पर ठोस फैसला नहीं होगा, हम सेवा पर वापस नहीं लौटेंगे.

अन्य जिलों में भी हड़ताल का असर : 108 एंबुलेंस सेवा राज्य के लगभग सभी जिलों में सक्रिय है और यह स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती है. ऐसे में हड़ताल का असर अन्य जिलों में भी पड़ने लगा है. गिरिडीह, पलामू, लोहरदगा और साहिबगंज से भी एंबुलेंस चालकों व कर्मियों के समर्थन में काम बंद करने की सूचना है.

रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग समेत 18 जिलों के अपराधी हत्या, डकैती और संगठित अपराधों में वांटेड

झारखंड पुलिस को 87 कुख्यात अपराधियों की तलाश, डेढ़ दर्जन जिलों में फैला है नेटवर्क, अन्य राज्यों के अपराधी भी रडार पर

शुभम संदेश। रांची

झारखंड पुलिस को राज्यभर के 18 जिलों के 87 कुख्यात अपराधियों की तलाश है. पुलिस ने ऐसे वांटेड अपराधियों की सूची जारी की है, जिन पर हत्या, डकैती, रंगदारी और अन्य गंभीर आपराधिक मामलों में संलिप्त होने का आरोप है. पुलिस ने आम जनता से इन अपराधियों के बारे में जानकारी साझा करने की अपील करते हुए भरोसा दिलाया है कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी. झारखंड पुलिस, की वांटेड सूची में राज्य के रांची, हजारीबाग, जमशेदपुर, सरायकेला, चाईबासा, लातेहार, देवघर, गुमला, गिरिडीह, कोडरमा, खूंटी, पलामू, गढ़वा, जामताड़ा, लोहरदगा और दुमका जिलों के अपराधी शामिल हैं. इसके अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और फरीदाबाद के भी कुछ अपराधी झारखंड में सक्रिय पाए गए हैं.

9 जिलों में 10 संगठित गिरोह सक्रिय, 633 अपराधी पुलिस के रडार पर : झारखंड के रांची, हजारीबाग, पलामू, रामगढ़, चतरा, लातेहार, गढ़वा, धनबाद और जमशेदपुर जिलों में 10 बड़े संगठित आपराधिक गिरोह सक्रिय हैं. इन गिरोहों से जुड़े करीब 633 अपराधी चिन्हित किए जा चुके हैं. ये गिरोह राज्य में संगठित अपराध की बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं. हालांकि हाल के महीनों में झारखंड एटीएस की लगातार कार्रवाई से संगठित अपराध की घटनाओं में काफी हद तक गिरावट आई है.

पुलिस की आम लोगों से अपील- अपराधियों की सूचना दें : पुलिस द्वारा जनता से अपील की गई है कि वे वांटेड अपराधियों के बारे में कोई भी जानकारी नजदीकी थाने या पुलिस हेल्पलाइन पर साझा करें. सूचना देने वालों की पहचान को पूरी तरह से सुरक्षित रखा जाएगा. पुलिस का कहना है कि यह अभियान राज्य में अपराध को जड़ से खत्म करने की दिशा में एक बड़ा कदम है.

जिलेवार कुछ प्रमुख वांटेड अपराधी

जमशेदपुर: रंजन मिश्रा, सूरज सिंह, अनवर अली
रांची: लखन सिंह, रवि रितेश नाग, शहजाद
चाईबासा: गुलशन बिरुली, देव कुमार बिरुली, मो. तबरेज
सरायकेला: मो. अफरोज, मनोज गिरी, अजित प्रधान
लोहरदगा: आलोक भगत, आशीष उरांव
लातेहार: आशा कच्छप, दिलीप उरांव
देवघर: गौरव खबारे, अंकित जोशी, रिंकू दास
हजारीबाग: उमेश दास, महावीर रविदास, मुकेश सिंह, सुरेश महतो
गढ़वा: संतोष पाण्डेय, भरत प्रसाद साह
पलामू: कमलेश सिंह, चंगेज खान
गिरिडीह, गुमला, बोकारो, कोडरमा, दुमका, जामताड़ा, खूंटी से भी कई नाम शामिल हैं.

अन्य राज्यों के अपराधी, जो झारखंड में सक्रिय हैं:
बिहार: राजू यादव, रोहित कुमार
हरियाणा: मो. आरिफ
पश्चिम बंगाल: डब्लू शेख, दीप यादव
फरीदाबाद: अरशद अली

झारखंड आवास बोर्ड की बैठक में 38 प्रस्तावों पर लगी मुहर

बोर्ड अपनी जमीन चिह्नित करने के लिए ड्रोन का सहारा लेगा, अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई होगी

आवासीय परिसर में व्यावसायिक कार्य करनेवाले लोगों के खिलाफ भी होगी कार्रवाई

शुभम संदेश। रांची

झारखंड राज्य आवास बोर्ड अपनी जमीन को चिह्नित करने के लिए ड्रोन का सहारा लेगा. ड्रोन के माध्यम से अतिक्रमित जमीन को चिह्नित कर आवास बोर्ड ने कार्रवाई करने का निर्णय लिया है. आवास बोर्ड की मंगलवार को हुई बैठक में 38 प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई है. बोर्ड के अध्यक्ष संजय लाल पासवान की अध्यक्षता में हुई बैठक में नवनियुक्त एमडी सूरज कुमार सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे. बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने कहा कि आवासीय परिसर में व्यावसायिक कार्य करने वाले वैसे लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया है, जो नियमों का उल्लंघन कर बोर्ड की जमीन और फ्लैट में अवैध रूप से व्यावसायिक कार्य कर रहे हैं. ऐसे लोगों पर आवास बोर्ड सख्त कार्रवाई करेगा. ऐसे लोगों को अखबार में इश्तेहार निकालकर जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का मौका दिया जाएगा, तत्पश्चात बोर्ड निर्णय लेगा.

हरमू में बनेगा आवास बोर्ड का गेस्ट हाउस

झारखंड राज्य आवास बोर्ड रांची के हरमू में गेस्ट हाउस का निर्माण कराएगा. 24 कमरों के इस गेस्ट हाउस में आम लोगों के लिए रियायती दर पर ठहरने की सुविधा होगी. आवास बोर्ड ने इसके लिए एच -25 को चिन्हित किया है. अध्यक्ष संजय लाल पासवान ने बताया कि गेस्ट हाउस संचालित करने का निर्णय बैठक में लिया गया है. इसके बाद की प्रक्रिया शुरू हो गई है. अगले एक महीने के अंदर यह पूर्ण रूप ले लेगा. उन्होंने कहा कि बैठक में सहजानंद चौक के समीप निगम पार्क में एक सामुदायिक भवन बनाने का भी निर्णय लिया गया है. इसके अलावा पुराना विधानसभा के पास आवास बोर्ड के भूखंड आवंटन की प्रक्रिया जल्द शुरू करने के लिए नगर निगम से नक्शा पास होने की प्रतीक्षा की जा रही है. उम्मीद यह है कि सितंबर में आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी.

नदी से युवक का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

रांची। राजधानी रांची में रातू थाना क्षेत्र के पाली पंडरा इलाके से मंगलवार को नदी से एक युवक का शव पुलिस ने बरामद किया है. स्थानीय लोगों ने नदी में एक युवक के शव को देखा. इसके बाद पुलिस को इसकी जानकारी दी. घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. शव की शिनाख्त मनीष तिर्की के रूप में की गई है. वह इटकी का रहने वाला था. रातू थाना प्रभारी ने बताया कि मौत के कारणों का फिलहाल का पता नहीं चल पाया है. युवक की हत्या हुई है या फिर डूबने से उसकी मौत हुई है, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट हो पाएगा. पुलिस मामले की कई बिंदुओं पर जांच कर रही है.

हाईकोर्ट ने डीजीपी को रांची में गोवंश मांस की बिक्री पर लिए गए एक्शन पर खुद का शपथ पत्र दाखिल करने का दिया निर्देश

शुभम संदेश। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने राजधानी रांची में गोवंश मांस की बिक्री रोकने को लेकर उठाए गए कदमों पर राज्य के डीजीपी को स्वयं शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है. यह निर्देश उस जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान आया जिसमें कहा गया है कि रांची के कई इलाकों, जैसे कुरैशी मोहल्ला और आजाद बस्ती में गोवंश मांस की खुलेआम बिक्री अब भी जारी है, जबकि स्थानीय प्रशासन इसे नकार रहा है. प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता शुभम कटारुका ने कोर्ट को बताया कि पूर्व आदेश के बाद रांची एसएसपी ने केवल गोवंश मांस के ट्रांसपोर्टेशन से जुड़ी एफआईआर की जानकारी दी थी, जबकि शहर में खुलेआम बिक्री पर कोई स्पष्ट कार्रवाई नहीं की गई.

याचिकाकर्ता ने यह भी बताया कि कोर्ट के पूर्व आदेशों का पालन मांस विक्रेता नहीं कर रहे हैं. दुकानों पर काले शीशे का प्रयोग नहीं किया जा रहा और मांस को कपड़े से ढकने की अनिवार्यता का भी पालन नहीं हो रहा. शुरुआत में आदेश का कुछ दिन पालन हुआ था, लेकिन अब खुलेआम कटे हुए बकरे और मुर्गे दुकानों के बाहर प्रदर्शित किए जा रहे हैं.

कोर्ट ने स्टेट फूड कमिश्नर को भी इन मामलों पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. सुनवाई हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई. मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद तय की गई है.जनहित याचिका श्यामानंद पांडे द्वारा दायर की गई है, जिसमें एफआईसीसीआई के नियमों और सुप्रीम कोर्ट सहित विभिन्न उच्च न्यायालयों की गाइडलाइनों के उल्लंघन का हवाला देते हुए कार्रवाई की मांग की गई है.

एसबीयू सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) में सरला बिरला स्मृति व्याख्यान का आयोजन

डॉ. भूषण पटवर्धन की पुस्तक 'जीनोम से ॐ तक' का लोकार्पण

शुभम संदेश। रांची

सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) में मंगलवार को आयोजित सरला बिरला स्मृति व्याख्यान के दौरान प्रख्यात शिक्षाविद् और नैक के पूर्व चेयरमैन डॉ. भूषण पटवर्धन ने अपनी पुस्तक 'जीनोम से ॐ तक' का लोकार्पण किया. इस अवसर पर वे बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित थे. कार्यक्रम में एसबीयू के कुलपति प्रो सी जगनाथन और महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक समेत विश्वविद्यालय के शिक्षक और कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे.

डॉ. पटवर्धन ने अपने संबोधन में शिक्षा के क्षेत्र में बिरला परिवार की समृद्ध विरासत और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के महत्व पर चर्चा की. उन्होंने इसे ऐतिहासिक नीति बताते हुए शिक्षा के समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया. उन्होंने 'जीनोम से ॐ तक' पुस्तक के विषय में बताया कि यह दर्शन, विज्ञान और आध्यात्मिकता का संगम है, जिसमें आयुर्जीनॉमिक्स और आत्मा-परमात्मा के संबंध पर भी गहरे विचार किए गए हैं.

एसबीयू के कुलपति प्रो. सी जगनाथन ने एनईपी 2020 के तहत पिछले पांच वर्षों में हुए सकारात्मक परिवर्तनों को साझा किया और भारतीय ज्ञान प्रणाली को सशक्त बनाने की दिशा में विश्वविद्यालय के योगदान को उजागर किया. प्रो. गोपाल पाठक ने शिक्षा में मूल्यों, आध्यात्मिकता और समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया और प्राचीन विश्वविद्यालय प्रणाली की महिमा को पुनः जीवित करने की बात की.

सरला बिरला विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के मुख्य सलाहकार डॉ. अजीत राणा डे ने कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा देश की प्रगति और राष्ट्र निर्माण का आधार है. उन्होंने स्वामी विवेकानंद के कथन ₹शिक्षा वह है जो आपके भीतर की दिव्यता को प्रकट करती है₹ को उद्धृत किया और शिक्षा के जिज्ञासा आधारित मार्ग पर चर्चा की.

कार्यक्रम के अंत में पुस्तक पर प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने पुस्तक के विषय और विचारों पर सवाल किए. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षककेत्तर कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. एसबीयू के माननीय प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस व्याख्यान के आयोजन को लाभकारी बताया.

रांची में युवक पर जानलेवा हमला, गाड़ी में जबरन बैठाने की भी कोशिश हुई

रांची। राजधानी के जगरनाथपुर थाना क्षेत्र स्थित लाइट हाउस प्रोजेक्ट सोसाइटी में एक युवक के साथ मारपीट और जान से मारने की कोशिश का मामला सामने आया है. पीड़ित अभिनव राज ने इस संबंध में पुलिस को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है. पीड़ित ने बताया कि वह 28 अप्रैल को अपने दोस्त के फ्लैट पर गया हुआ था. उसका फ्लैट धुर्वा के सेक्टर टू के लाइट हाउस प्रोजेक्ट के पास है. शाम के समय अचानक नीचे से कॉल आने पर जब वह नीचे गया, तो देखा कि वहां दो गाड़ियां- एक काली स्कॉर्पियो और एक लाल स्विफ्ट-खड़ी थी. दोनों गाड़ियों में करीब 10-12 लड़के सवार थे. पीड़ित युवक के अनुसार, उनमें से दो-तीन युवकों को वह नाम से जानता है, जिनमें अभिषेक कुमार, आरोहण मंडल, ज्ञानेंद्र दुबे और अयान शामिल हैं.

अबुआ आवास योजना

800 करोड़ रु की निकासी 500 करोड़ का आवंटन जल्द

शुभम संदेश। रांची

बेघरों को घर मुहैया कराने की झारखंड सरकार की महत्वकांक्षी योजना अबुआ आवास योजना के क्रियान्वयन के लिए पैसे की कमी नहीं होगी. राज्य सरकार के निर्देश पर ग्रामीण विकास विभाग ने अबुआ आवास योजना के लिए 800 करोड़ रुपये की निकासी कोषागार से करने की कार्रवाई शुरू कर दी है. जल्द ही प्रक्रिया पूरी कर राशि निकासी की जाएगी. विभागीय अधिकारियों ने बताया कि इसके तहत अबुआ आवास योजना के सेंकेंड व थर्ड किस्त के लिए करीब 500 करोड़ रुपये का तत्काल आवंटन किया जाएगा. जिलों की डिमांड के अनुसार राशि भेजी जाएगी.

1.20 लाख आवासों का निर्माण पूरा

झारखंड में अबुआ आवास योजना से दो वित्तीय वर्ष में 6.50 लाख आवास स्वीकृत किए गये हैं. शुरुआती वित्तीय वर्ष में दो लाख व वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.50 लाख लाभुकों का आवास मंजूर किया गया. इसमें करीब 1.20 लाख आवास का काम पूरा हो चुका है. शेष आवासों को पूरा कराने के लिए सेंकेंड व थर्ड किस्त की राशि देने की प्रकिया चल रही है.

सभी बेघरों को घर मुहैया कराया जाएगा: दीपिका पांडेय सिंह : मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बताया कि अबुआ आवास योजना न सिर्फ सरकार की बड़ी उपलब्धि है, बल्कि जनकल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता भी दर्शाती है. केंद्र सरकार द्वारा रोकी गयी पीएम आवास योजना की राशि भी बहाल हो गयी है और करीब 4.50 लाख आवासों पर काम चल रहा है.

ब्रीफ न्यूज

रोजगार सेवक घूस ले गिरफ्तार हुआ

लातेहार। जिले में एसीबी, पलामू की टीम ने बड़ी कारवाई की है. एसीबी ने जिले के मनिका प्रखंड के बरवैया पंचायत में कार्यरत चंदन कुमार रोजगार सेवक को पांच हजार रुपए घूस लेते उसके डेरा से रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार करने के बाद पलामू प्रमंडलीय एसीबी की टीम ने उसे ले कर पलामू ले जा कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है. जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता का सूअर शेड निर्माण पूरा हो गया था. पैसे निकासी के लिए रोजगार सेवक के द्वारा पांच रुपए घूस मांगा गया था.लेकिन लाभुक घूस नहीं देना चाहता था. उन्होंने इसकी सूचना एसीबी टीम को दी. एसीबी के टीम ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की. एसीबी टीम की कार्रवाई के बाद प्रखंड व जिले के कर्मियों में हड़कंप मच गया है.

महिला की संदिग्ध मौत, जहर देकर हत्या करने का आरोप

गढ़वा। गिजना की महिला अंजू तिवारी (36) पति अभय शंकर तिवारी की संदिग्ध मौत हो गयी.हालांकि जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर लेने की चर्चा है. मंगलवार को एमएमसीएच में शव का पोस्टमार्टम किया गया. हालांकि मायके पक्ष के लोगों ने जहर देकर अंजू को मार डालने का आरोप लगाया है.पति के अनुसार अंजु ने शनिवार को अचानक जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया. मोहल्ले के लोगों ने उसे इलाज के लिए गढ़वा हॉस्पिटल में भर्ती कराया. जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया, लेकिन उसे इलाज के लिए तुंबागड़ा नवजीवन हॉस्पिटल में ले गए. यहां इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गई.

रेड़मा में रामायण पूजा महोत्सव दो अगस्त को

मेदिनीनगर। शहर के रेड़मा स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर परिसर में लव कुमार आदर्श संकीर्तन रामायण मंडली के तत्वावधान में 2 अगस्त को रामायण पूजा महोत्सव का भव्य आयोजन होगा. आयोजक मंडली के सदस्यां ने बताया कि पूजा का शुभारंभ शाम 6 बजे होगा, जिसके उपरांत रात्रि 8 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू होगी. कार्यक्रम में भजन-कीर्तन, रामायण पाठ एवं लोक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल होंगी. मंडली ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं, श्रोताओं एवं ग्रामवासियों से समय पर उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है.

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने गढ़वा के पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय भवन का ऑनलाइन उद्घाटन किया, कहा

क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिलेगा

शुभम संदेश ।गढ़वा

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को गढ़वा जिला मुख्यालय में लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय भवन का ऑनलाइन उद्घाटन किया.

इस अवसर पर गढ़वा में कार्यक्रम स्थल पर जिला उपायुक्त (डीसी), केंद्रीय विद्यालय के कई अधिकारी, शिक्षक और बच्चे मौजूद रहे.उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने विद्यालय के भवन की खूब प्रशंसा भी की. उन्होंने भवन के जल्द बनने पर खुशी जाहिर करते

हुए इसे उच्च क्वालिटी के शिक्षा के लिए उपयोगी बताया.

उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे इस इलाके के छात्रों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिलेगा. दरअसल,यह विद्यालय अबतक एक छोटे से भवन में चलाया जाता था, जहां बच्चों को काफी असुविधाओं के बीच पढ़ाई करनी पड़ती थी.

बच्चों की समूचित ढंग से पढ़ाई नहीं हो पाती थी. मूलभूत सुविधाओं का भी घोर अभाव था. लेकिन इस विद्यालय भवन के मिलने से बच्चों से लेकर शिक्षक तक सभी में काफी खुशी देखने को मिल रही है.

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बच्चों ने अपने भक्ति एवं राष्ट्रभक्ति गीतों के साथ-साथ नृत्यों से आगंतुकों का मन मोह लिया.

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने कहा कि यह हमारे लिए खुशी की बात है कि केंद्रीय मंत्री ने इस विद्यालय का ऑनलाइन उद्घाटन किया और कहा कि बच्चों की शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण सुधार होगा.कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में दिनेश यादव, उपायुक्त गढ़वा, कौशर रजा, डीईओ गढ़वा, बलेंद्र कुमार, सहायक आयुक्त रांची संभाग, केंद्रीय विद्यालय संगठन के पदाधिकारी, प्रमोद चौबे सांसद प्रतिनिधि, पलामू और विवेकानंद तिवारी विधायक प्रतिनिधि, गढ़वा उपस्थित थे.

विश्व बाघ दिवस पर बेतला में भव्य कार्यक्रम का हुआ आयोजन, बोले राधाकृष्ण किशोर

पर्यटन मंत्री आप विकास की ओर बढ़ें, पैसा वित्त मंत्री देगा

शुभम संदेश ।बरवाडीह

विश्व बाघ दिवस के अवसर पर मंगलवार को बेतला नेशनल पार्क में भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ. कार्यक्रम में झारखंड सरकार के पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत हुए.वहीं मंत्री को बेतला पहुंचने पर वनरक्षकों की टीम ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया. साथ ही सभी मुख्य अतिथियों को अंगवस्त्र और पौधा भेंट कर स्वागत किया गया. पर्यटन मंत्री के साथ वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मनिका विधायक सह सभापति रामचंद्र सिंह, उप प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास) वाईके दास, डीआईजी (पलामू) मोहम्मद नौशाद आलम, जिला परिषद उपाध्यक्ष पूनम देवी समेत वन विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे. कार्यक्रम की शुरुआत केचकी एफआरएच में माननीय मंत्री के स्वागत और चाय-पानी की औपचारिकता से की गई. इसके बाद बेतला स्थित मुख्य मंच पर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया. दीप प्रज्वलन के साथ वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता का संदेश भी दिया गया. इसके उपरांत पोलपोल

में स्मार्ट क्लास का उद्घाटन, पौधरोपण कार्यक्रम, केचकी नाका में औषधिका केंद्र और बेतला वन्यप्राणी चिकित्सालय का लोकार्पण किया गया. किला रोड पर बायो-फेंसिंग और वृक्षारोपण तथा किला घास मैदान में घास विकास कार्यों के उद्घाटन कर जैव विविधता संरक्षण को नई गति दी गई. कार्यक्रम के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियों ने सभी अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया. नृत्य और गीतों के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया. इस दौरान केचकी समूह की हुनरमंद बालिकाओं को मोबाइल वितरण और इलेक्ट्रिशियन एवं एसी रिपेयरिंग का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया. इसके साथ ही 5 बच्चों को कीट उपकरण भी वितरित किया गया.

बेतला को इको-टूरिज्म का हब बनाएंगे : पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू अपने संबोधन में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि बेतला नेशनल पार्क न सिर्फ झारखंड की पहचान है, बल्कि पूरे देश के लिए वन्यजीव संरक्षण का आदर्श उदाहरण है. सरकार का प्रयास है कि बेतला को इको-टूरिज्म के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल सके. उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि बेतला जैसे क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाए, जिससे पर्यटकों को विश्वस्तरीय अनुभव मिल सके. मंत्री ने यह भी कहा कि जंगल में रहने वाले लोगों को जब सम्मान मिलेगा, तो जंगल के जानवर भी सुरक्षित रहेंगे.

वनविभाग अधूरी सड़क को पूरा करने का दें स्वीकृति : मनिका विधायक सह सभापति रामचंद्र सिंह ने कहा कि बरवाडीह अंतर्गत चुनगरू पंचायत के लाभर से कोरवा मड़ई मड़ाई तक सड़क निर्माण कार्य में वनविभाग जो रोक लाई है उसे स्वीकृति दें ताकि गांव का विकास हो सके. इसके साथ विधायक ने कहा के आज हमलोग यहीं पर जंगल बचाने का संकल्प लेंगे और ताकि हम सभी को शुद्ध ऑक्सीजन मिल सके और हम सभी सुरक्षित रह सके. उन्होंने कहा कि कोविड के समय बड़े बड़े महानगरों में लोग ऑक्सीजन (हवा) खरीद रहे थे ऐसा नौबद हम नहीं आने देने की आगे हमे भी हवा खरीदना पड़े.

पर्यटकों के लिए मिला ओपन सफारी:बेलता नेशनल पार्क में पर्यटकों के लिए दो ओपन सफारी मिला है, जिसे पर्यटक मंत्री, वित्त मंत्री, विधायक समेत अन्य अतिथियों द्वारा हरि झंडी दिखा कर रवाना किया गया. पर्यटक अब बेतला जंगल का सैर ओपन सफारी से कर सकेंगे जो पार्क खुलते ही अक्टूबर माह से ओपन सफारी का सुविधा पर्यटकों को मिलेगी.

राज्य में जीएसटी चोरी पर होगी कार्रवाई : वित्त मंत्री

मेदिनीनगर । नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध कॉलेजों में करोड़ों रुपये की वित्तीय अनियमितताओं और जीएसटी चोरी के गंभीर आरोपों को लेकर राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर से मुलाकात की.प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय और इसके अंगिभूत महाविद्यालयों में भ्रष्टाचार, शैक्षणिक व्यवस्था की गिरावट, प्राइवेट कॉलेज में परीक्षा सेंटर बनाने, पीएचडी इंट्रेस परीक्षा में गड़बड़ी और जीएसटी उल्लंघन को लेकर बिंदुवार शिकायत सौंपी.मंत्री ने शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि राज्य में किसी भी प्रकार का वित्तीय भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी और उच्च स्तरीय जांच करवाई जाएगी.प्रदेश उपाध्यक्ष अमरनाथ तिवारी ने कहा कि विश्वविद्यालय में डिजिटल बोर्ड की खरीद के नाम पर करोड़ों की लूट हुई है. छात्रों के नाम पर बजट स्वीकृत होता है और उसका बंदरबांट अधिकारियों और ठेकेदारों के बीच होता है. उन्होंने कहा कि इस मामले में इडी और डीजीजीआई जैसी एजेंसियां भी हस्तक्षेप करें और दोषियों को जेल भेजा जाए.सामाजिक कार्यकर्ता राहुल कुमार दुबे ने कहा कि एक ओर सरकार डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा दे रही है, वहीं दूसरी ओर विश्वविद्यालय प्रशासन डिजिटल बोर्ड के नाम पर जीएसटी चोरी और सरकारी धन की बर्बादी कर रहा है. उन्होंने कहा कि जिस वस्तु की की ऑनलाइन कीमत 1.75 लाख है उसे 3.91 लाख रुपए में खरीदा गया.

अधिवक्ता संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई

शुभम संदेश।लातेहार

ला अधिवक्ता संघ के सत्र 2025-27 के लिए निर्वाचित पदाधिकारियों को मंगलवार को पद एवम गोपनीयता की शपथ दिलाई गई.बता दें कि पिछले 26 जुलाई को अधिवक्ता संघ के सत्र 2025-27 लिए चुनाव किया गया था.

जिला अधिवक्त संघ के 12 पदो के लिए चुनाव हुआ था.जिसमे अध्यक्ष पर लाल अरविंद नाथ शाहदेव,उपाध्यक्ष पर बासुदेव कुमार पांडेय,सचिव पद पर संजय कुमार, संयुक्त सचिव (प्रशासनिक) पर मिथलेश कुमार, संयुक्त सचिव (पुस्तकालय) पद पर नरोत्तम कुमार पांडेय, कोषाध्यक्ष पद पर प्रमोद कुमार पांडेय, सहायक कोषाध्यक्ष पद पर स्वप्निल कुमार सिंह तथा कार्यकारिणी सदस्य के पांच पद पर

वृंद बिहारी प्रसाद यादव, निरंजन प्रकाश मल्लान,अरविंद कुमार गुप्ता,राजेश यादव तथा रमण कुमार महतो ने जीत हासिल की थी. मंगलवार को अधिवक्ता संघ भवन मे चुनाव अधिकारी गणेश प्रसाद, अनिल ठाकुर व संतोष रंजन कुमार ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारी और सदस्यो को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई.

अधिवक्ताओ के हितों के लिए काम करूंगाः लाल अरविंद नाथ शाहदेव

संघ के नव निर्वाचित अध्यक्ष लाल अरविंद नाथ शाहदेव ने शपथ लेने के बाद कहा कि अधिवक्ताओ के हितों के लिए वे कार्य करेंगे.उन्होंने कहा कि अधिवक्तओ को किसी प्रकार की परेशानी होने के पर हमेशा उनके साथ खड़ा रहने रहेंगे.उन्होने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान अधिवक्ताओ के लिए बैठने की उचित व्यवस्था एवं शौचालय बनाना उनकी प्राथमिकता रहेगी

जन शिकायत निवारण में डीसी ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं,निष्पादन का निर्देश

शुभम संदेश।लातेहार

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया. जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा.

जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एक–एक कर उनकी समस्याएँ सुनी एवं उनके सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए समाधान कराने का आश्वासन दिया. प्रखंड मनिका के ग्राम पंचायत मटलौंग के निवासी अनिल प्रसाद ने उपायुक्त के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि उन्होंने मटलौंग लैंपस में 4950 किलोग्राम धान की बिक्री की थी, परंतु अब तक उन्हें धान की राशि का भुगतान नहीं किया गया है.

आवेदन को संज्ञान में लेते हुए उपायुक्त ने किसान की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिला आपूर्ति पदाधिकारी को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

उन्होंने बताया कि वह अपने बेटे के साथ एक कच्चे मकान में रह रही हैंः जन शिकायत निवारण में कुल 12 आवेदन प्राप्त हुए. जो मुख्य रूप से जमीन विवाद, आवास संबंधी, भुगतान, मुआवजा से संबंधी जुड़े थे. जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को अग्रसारित कर सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करने का निर्देश दिया. बता दें कि उपायुक्त के निर्देशानुसार आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायत के निष्पादन हेतु जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार एंव शुक्रवार को जन शिकायत निवारण का आयोजन किया जाता है

आक्रोश गुरहा की मुखिया व उनके पति को एएनएम ने जमकर सुनायी खरीखोटी

आरोग्य मंदिर में लटका रहता है ताला, मांगा स्पष्टीकरण

शुभम संदेश ।तरहसी

प्रखंड के गुरहा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में हमेशा ताला लटका रहता है. पदस्थापित एएनएम की लापरवाही से ऐसी स्थिति बनी हुई है. ऐसे में इसकी स्थापना पर सवाल उठने लगे हैं. स्थानीय लोगों में आक्रोश है. उन्हें छोटे-मोटे इलाज के लिए भी निजी अस्पताल या फिर मुख्यालय पर निर्भर रहना पड़ता है.

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में इन दिनों दो एएनएम वीणा कुमारी और सरस्वती कुमारी की पदस्थापना है, लेकिन दोनों ड्यूटी से हर दिन गायब रहती हैं.

इस कारण हमेशा स्वास्थ्य केंद्र में ताला लटका रहता है. मंगलवार भी ऐसी स्थिति थी. दोनों एएनएम ड्यूटी

से गायब थी.गुरहा की मुखिया सबा फिरदौस और उनके पति आम आदमी बनकर एएनएम सरस्वती से जब इस सिलसिले में बात की तो वह भड़क गई और उन्हें भला बुरा कहने लगी. यह भी कहा कि वे कौन होते हैं पूछने वाले की आज स्वास्थ्य केंद्र में उपस्थित हैं या नहीं.उल्लेखनीय है कि हर दिन सुबह 10 बजे से दोपहर के शाम चार बजे तक स्वास्थ्य केंद्र खोलना है और स्थानीय लोगों का छोटे-मोटे इलाज करना है.

इस मामले में गुरहा की मुखिया ने कहा कि पंचायत स्तर पर प्राधिकार समिति की वह अध्यक्ष हैं लेकिन 15 दिन पहले योगदान देने वाली एएनएम सरस्वती कुमारी ने अब तक उन्हें इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी है. उनके पंचायत क्षेत्र में बड़ी आबादी निवास करती है. ऐसे में छोटे-मोटे इलाज के साथ-साथ सरकारी कार्यों के लिए स्वास्थ्य केंद्र की जरूरत पड़ती है, लेकिन हमेशा ताला लटके रहने के कारण निराशा होती है. ग्रामीणों ने कहा कि टीकाकरण के दिन स्वास्थ्य केंद्र खुलता है और वैक्सीनेशन बॉक्स लेकर एएनएम निकल जाती हैं और पुनः ताला लगा देती हैं. स्वास्थ्य केंद्र का कोई लाभ उन्हें नहीं मिलता है.इधर, इस संबंध में दूसरी एएनएम वीणा कुमारी ने बताया कि सोमवार को उनका उपवास था जिस कारण वह स्वास्थ्य केंद्र नहीं आ पाई थीं.इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तरहसी-मनातू के चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर डीके सिंह ने बताया कि दोनों एएनएम से स्पष्टीकरण पूछा जाएगा. संतोषप्रद जवाब नहीं मिलने पर वेतन रोका जाएगा. दोनों की लापरवाही की सूचनाएं मिलती हैं. इनकी ड्यूटी जहां लगाई जाती है, शिकायत मिलती है. इनकी उपस्थिति में सुधार नहीं होने पर इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी.

मोर्चा कार्यालय में विचार गोष्ठी का हुआ आयोजन

मेदिनीनगर। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के जिला कार्यालय में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया. गोष्ठी की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम व संचालन संजय कुमार ने किया. मोर्चा अध्यक्ष श्री राम ने कहा कि 29 जुलाई को दुनिया भर में 2010 से बाघ दिवस मनाई जाती हैं. बाघों की घटती संख्या को कारणों को जानने की साथ ही उनके संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के मकसद से बाघ दिवस मनाया जाता है. पलामू टाइगर रिजर्व 1974 में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत बनाया गया था. उन्होंने लोगों से अपील की कि बाघ वनों की शान है इसे बचाना हमारा काम है जब जंगलों की रक्षा होगी तभी बाघ बचेंगे. मौके पर प्रभात कुमार, विक्रम कुमार, रुपेश कुमार, पृथ्वी कुमार, अंशु कुमार, राहुल कुमार, जयपाल मोची, कृष्णा राम, संतोष विश्वकर्मा, सतीश दुबे सहित कई लोग उपस्थित थे.

एक नजर

माओवादी मनोहर गंझू के घर पुलिस ने इश्तेहार चस्पा किया

बालूमाथ (लातेहार)। दस लाख का इनामी भाकपा माओवादी जोनल कमांडर मनोहर गंझू, पिता विलास्पति गंझू, ग्राम टेमराबर, बसिया, थाना बालूमाथ, जिला लातेहार स्थित घर पर बालूमाथ थाना के द्वारा विधिवत न्यायालय का इस्तहार चस्पा किया गया है. इस संबंध में बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेंद्र कुमार ने बतलाया कि मनोहर गंझू बालूमाथ थाना के कांड संख्या 108/ 24 का अभियुक्त है. अगर अभियुक्त न्यायालय द्वारा दिए गए समय पर सरेंडर नहीं करता है, तो घर की कुर्की जब्ती कर ली जाएगी. उपरोक्त कांड पर भाकपा माओवादी जोनल कमांडर पर गोली मार कर हत्या का आरोपी है. इस इस्तहार चस्पा अभियान में पुअनि विकास कुमार सहित सशस्त्र पुलिस बल शामिल रहे.

राइफल शूटिंग संघ की बैठक में विस्तार की बनी रणनीति

मेदिनीनगर। पलामू राइफल संघ की जिलास्तरीय बैठक होटल शिवाय ब्लू में हुई. बैठक में राइफल शूटिंग खेल को जिले में और अधिक विस्तार देने को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए. बैठक की अध्यक्षता पलामू राइफल संघ के अध्यक्ष अविनाश देव ने की. उन्होंने कहा कि पलामू के युवाओं में शूटिंग खेल को लेकर गहरी रुचि है, और हम चाहते हैं कि उन्हें उचित मंच और तकनीकी मार्गदर्शन मिले. संघ के सचिव सुमित वर्मन ने बताया कि राइफल संघ से जुड़ने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है. अब कोई भी इच्छुक व्यक्ति 11 सौ रुपए सालाना शुल्क देकर संघ का सदस्य बन सकता है. संरक्षक बृजेश शुक्ला ने कहा कि राइफल शूटिंग एक अनुशासित और लक्ष्य केंद्रित खेल है, जो युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण में भी सहायक है. बैठक में उपाध्यक्ष आनंद कुमार, कोषाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह, लीगल एडवाइजर कमलेश दुबे, सदस्य अमरेश कुमार, पंकज कुमार व मृत्युंजय कुमार उपस्थित थे. सभी ने संघ की भावी योजनाओं पर सहमति जताते हुए शूटिंग खेल के प्रसार में सक्रिय योगदान देने का आश्वासन दिया.

डिजिटल ऑनलाइन स्मार्ट क्लास का उदघाटन

मेदिनीनगर। झारखंड सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में एक मत्वपूर्ण पहल की है. इसी के तहत पलामू जिले में झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, और मनिका के विधायक रामचंद्र सिंह ने संयुक्त रुप से एक डिजिटल ऑनलाइन स्मार्ट क्लास (उन्नत पाठशाला) का उद्घाटन किया. यह अत्याधुनिक शैक्षिक सुविधा सदर प्रखंड अंतर्गत कुजरूम और जयगीर गाँव से पुर्नवासित बच्चों के लिए समर्पित है. इस पुनर्वासित गाँवों के बच्चों को आधुनिक शिक्षा इसलिए भी विशेष है क्योंकि कुजरूम और जयगीर गाँवों के इन परिवारों को पहले वन विभाग द्वारा पोलपोल कला नामक स्थान पर पुनर्वासित किया गया था. अपने मूल स्थान से विस्थापन के बाद इन बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करना एक चुनौती थी. इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, झारखण्ड सरकार के तरफ से इस उन्नत पाठशाला की स्थापना की गई है, जिसका उद्देश्य उन्हें आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जोडना है.

नागपंचमी पर बोकेया में लगा मेला, उमड़ी भीड़

मेदिनीनगर। नाग पंचमी के अवसर पर चैनपुर प्रखंड के बोकेया गांव में विराट नागपंचमी पूजा महोत्सव सह मेला का भव्य आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक आलोक कुमार चौरसिया ने फीता काटकर किया. उन्होंने कहा कि सावन माह में वैसे भी धार्मिक माहौल रहता है और इस तरह के धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम माहौल को और भी श्रद्धा से भर देते हैं. उन्होंने कार्यक्रम में लोगों की बड़ी संख्या में सहभागिता देखते हुए आयोजन समिति से इस मेला को और भी विशाल रूप देने की बात कही. विधायक श्री चौरसिया ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन सामाजिक एकता और संस्कृति की पहचान को मजबूत करते हैं. मौके पर सभी अतिथियों व श्रद्धालुओं ने भगवान शिव एवं नाग देवता की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की. मौके पर मनोज सिंह, भीष्म चौरसिया, रामकरेस चौरसिया, संटू चौरसिया, प्रेमलाल चौधरी, ब्रह्मदेव चौधरी, लक्ष्मण चौधरी, अमलेश चौरसिया समेत दर्जनों लोग मौजूद थे.

ग्रामीणों ने जलमीनार के स्थानांतरण की मांग की

हुसैनाबाद (पलामू)। प्रखंड के कोसी पंचायत अंतर्गत खलिलपुर टिकरी गांव के ग्रामीणों ने अनुमंडल पदाधिकारी, हुसैनाबाद को आवेदन देकर जल मीनार के स्थानांतरण की मांग की है.ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व मुखिया के कार्यकाल में गांव के एक व्यक्ति, कारू सिंह के दरवाजे पर जल मीनार स्थापित किया गया था, जिसका उद्देश्य पूरे गांव को पेयजल सुविधा उपलब्ध कराना था.हालांकि, ग्रामीणों के अनुसार मीनार से केवल एक ही घर में जल आपूर्ति हो रही है. जबकि अन्य सभी नल बेकार पड़े हैं. उनका आरोप है कि जल मीनार का निजी उपयोग किया जा रहा है और विरोध करने पर ग्रामीणों को डराया-धमकाया जाता है. यहां तक कि मारपीट की धमकी भी दी जाती है.उन्होंने बताया कि 30 अप्रैल 2025 को उप विकास आयुक्त द्वारा ऐसे मामलों की जांच और कार्रवाई का निर्देश भी दिया गया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है. ग्रामीणों ने जल मीनार को शिव चबूतरा के पास स्थानांतरित करने का प्रस्ताव दिया है, ताकि सभी लोग इसका लाभ उठा सकें.मनोज कुमार, सुनील कुमार सिंह, प्रशांत कुमार, माधुरी सिंह सहित कई ग्रामीणों ने आवेदन पर हस्ताक्षर कर उचित कार्रवाई की मांग की है.

छतरपुर में जिला परिषद कोटे से बनी सात दुकान सील

छतरपुर(पलामू)। छतरपुर में जिला परिषद कोटे से बनी 16 दुकान में से 7 दुकान को आज सील कर दिया गया. इस संबंध में जिला परिषद के कनीय अभियंता लव कुमार ने बताया कि दुकान नंबर एक, दो, तीन, पांच, सात, नव व चौदह के दुकान का भाड़ा 2,01,894 रुपये बकाया है. इसी कारण इन दुकानों को सील करने की कार्रवाई की गई है. बताया कि भाड़ा नही चुकाने पर कार्रवाई करते हुए दूसरे को दुकान आवंटित किया जाएगा. मौके पर सीआई अमरकांत कुमार, एसआई राहुल कुमार समेत पुलिस जवान उपस्थित थे.

छतरपुर में श्रद्धालुओं ने की नाग देवता की पूजा

छतरपुर(पलामू)। छतरपुर मुख्य पथ गोलक्षमी के समीप नागपंचमी के मौके पर नाग देवता की पूजा की. पुजारी किशोरी मोहन पाठक और बैजनाथ साव ने कहा कि नाग देवता का पूजा 1977 से लगातार पूजा नागपंचमी के दिन गाजे-बाजे के साथ पूजा किया जाता है उन्होंने कहा कि दूध से नाग देवता को स्नान कराया जाता है और एक दिन पूरा दिन खाना में नमक का सेवन नही किया जाता है. नाग बाबा समिति के द्वारा भंडरा का आयोजन हर वर्ष किया जाता है. मौके पर सतेंदर साव समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित थे..

ब्रीफ न्यूज

डीसी ने आकांक्षा हाट की तैयारियों का किया निरीक्षण

कोडरमा। झुमरीतिलैया के पूर्णिमा टॉकिज परिसर में 31 जुलाई से 2 अगस्त तक भव्य "आकांक्षा हाट" का आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए उपायुक्त श्री ऋतुराज ने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने नोडल पदाधिकारी को सभी तैयारियां समय पर पूरी करने का आदेश दिया. उपायुक्त ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे विभाग की योजनाओं, उपलब्धियों और स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करने हेतु स्टॉल लगाने की योजना बनाएं. "आकांक्षा हाट" का उद्देश्य कोडरमा जिले के स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक खाद्य सामग्री और हस्तनिर्मित वस्तुओं को प्रदर्शित करने का साझा मंच प्रदान करना है.

स्कूलों के पास तेजी से बढ़ रहा है नशे का कारोबार

जयनगर (कोडरमा)। शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सरकार की बात के बावजूद, जयनगर प्रखंड में स्कूलों के पास नशे का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है. कई स्कूलों के बगल में चल रही राशन या पान की दुकानों में खुलेआम अंग्रेजी शराब बेची जा रही है, वह भी एमआरपी से अधिक दामों पर. शाम होते ही इन दुकानों पर शराबखोरी के लिए लोग उमड़ते हैं, जिससे छात्राओं सहित बच्चों का आना-जाना मुश्किल हो गया है. शराब के नशे में धुत लोग गाली-गलौज और अश्लील हरकतें करते देखे जाते हैं, जिससे छात्राएं डरी-सहमी रहती हैं. यह अवैध कारोबार बिना किसी लाइसेंस या रजिस्ट्रेशन के चल रहा है, जबकि पुलिस और उत्पाद विभाग निस्तब्ध हैं.

सर्पदंश से युवक की मौत गांव में पसरा मातम

मरकच्चो (कोडरमा)। चोपनाडीह पंचायत के बेलाडीह गांव में मंगलवार को एक युवक की सर्पदंश से मौत हो गई. मृतक की पहचान 30 वर्षीय विनोद यादव के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार विनोद अपने खेत में धान की रोपाई कर रहा था, तभी करैत जैसे जहरीले सांप ने उसे डंस लिया. सर्पदंश के बाद विनोद की हालत बिगड़ गई, जिसे परिजन तत्काल इलाज के लिए कोडरमा सदर अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. विनोद की असमय मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. गांव में शोक का माहौल तब और गहरा गया जब लोगों को यह याद आया कि महज एक सप्ताह पूर्व ही जंगली हाथी के हमले में एक अन्य युवक की जान चली गई थी.

ओवरब्रिज चालू होने से पहले पड़ी दरारें, नालियों में निकासी नहीं, लोगों ने की जांच की मांग

चौपारण में इंजीनियरिंग की खुली पोल

शुभम संदेश। चौपारण (हजारीबाग)

चौपारण से गुजर रहे नेशनल हाइवे पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज, बाईपास रोड और नालियों की हालत देखकर सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह विकास है या विनाश की बुनियाद? देश में इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, पर ज़मीनी सच्चाई बेहद चौंकाने वाली है. सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि ओवरब्रिज अभी चालू भी नहीं हुआ है, और उसमें दरारें पड़ चुकी हैं. कई जगहों पर डामर की परतें उखड़ गई हैं और कंक्रीट में दरारें साफ नजर आ रही हैं. स्थानीय लोगों का कहना है, जब अभी ये हाल है, तो मानसून में भगवान ही मालिक है.

इसी तरह बाईपास रोड भी शुरू होते ही धंसने लगा है. कई स्थानों पर दो हफ्ते के भीतर सड़क बैठ गई है, जिससे लोगों को भारी परेशानी हो रही है. निर्माण में इतनी बड़ी लापरवाही से जनता में आक्रोश है. नालियों की स्थिति और भी खराब है — बिना पानी निकासी की व्यवस्था किए सीधे चैंबर बना दिए गए हैं. ग्रामीणों ने कहा कि गांव के अनपढ़ मिस्त्री भी इससे बेहतर काम करते हैं. एक स्थानीय मिस्त्री ने बताया, हम लोग जानते हैं कि ढलाई कैसे करनी है, कितना पानी देना है. पर ये पढ़े-लिखे इंजीनियर तो सिर्फ गाड़ी में आते हैं, फोटो खींचते हैं और चले जाते हैं. इन निर्माण कार्यों को लेकर एनएचएआई और जिला प्रशासन पूरी तरह चुप है. ना कोई निरीक्षण हो रहा है, न ही किसी स्तर पर कार्रवाई की बात सामने आई है. इससे सवाल उठ रहा है कि क्या ठेकों में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी ने इंजीनियरिंग के मूल सिद्धांतों को ही निगल लिया है? चौपारण की जनता ने सरकार और प्रशासन से मांग की है कि इन निर्माण कार्यों की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जाए, दोषी इंजीनियरों और ठेकेदारों पर एफआईआर दर्ज हो और आगे के काम में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए. लोगों का कहना है कि यह केवल सड़क का मामला नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा और भविष्य से जुड़ा सवाल है.

जनता दरबार में उपायुक्त कीर्तिश्री ने सुनी लोगों की समस्याएं, कहा

हर शिकायत का समाधान पारदर्शी तरीके से किया जाए

शुभम संदेश। चतरा

जिला समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को उपायुक्त कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया. यह आयोजन जिले के विभिन्न अंचलों एवं दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों के लिए एक उम्मीद की किरण साबित हुआ, जहां बड़ी संख्या में आमजन अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर उपस्थित हुए. जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों की श्रेणी काफी व्यापक रही. इसमें भूमि विवाद, सीमांकन, दाखिल-खारिज, राशन कार्ड, आवास योजनाएं, पेंशन से जुड़ी शिकायतें, स्वास्थ्य व शिक्षा संबंधी समस्याएं, दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल उपलब्ध नहीं होना तथा समाज कल्याण विभाग से संबंधित कई मुद्दे शामिल रहे. यह विविधता दर्शाती है कि जनता दरबार आम जनता के बीच लोकप्रिय और प्रभावी संवाद मंच बनता जा रहा है.

उपायुक्त कीर्तिश्री जी ने प्रत्येक फरियादी से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और तत्काल संबंधित विभागों के अधिकारियों को उचित दिशा-निर्देश दिए. उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि हर शिकायत का समाधान समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए. उपायुक्त ने यह भी कहा कि प्रशासन का दायित्व है कि वह जन समस्याओं के समाधान के प्रति संवेदनशील रहे और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए. जनता दरबार में मुख्य रूप से भूमि अतिक्रमण, आवास आवंटन से वंचित रहना, राशन वितरण में गड़बड़ी, वृद्धा पेंशन का भुगतान नहीं होना, दिव्यांग लाभार्थियों को उपकरण न मिल पाना जैसे मुद्दे प्रमुख रहे. विशेष रूप से वृद्धों, महिलाओं और दिव्यांगजन की उपस्थिति यह साबित करती है कि यह पहल समाज के हर वर्ग के लिए आशा का केंद्र बन रही है.

जनता दरबार में जिला क्रीड़ा पदाधिकारी सह जन शिकायत कोषांग के नोडल पदाधिकारी तुषार राय सहित सभी प्रमुख विभागों के अधिकारी मौजूद रहे. उन्होंने मौके पर ही समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए समाधान की दिशा में तत्परता दिखाई. उपायुक्त कीर्तिश्री जी ने कहा कि जनता दरबार प्रशासन और आम जनता के बीच एक जीवंत संवाद का माध्यम है, जिससे शासन व्यवस्था पारदर्शी बनती है और लोगों का भरोसा कायम रहता है. उन्होंने जनता से अपील की कि वे अपनी समस्याओं को लेकर निर्धारित दिनों—मंगलवार और शुक्रवार—को जनता दरबार में भाग लें और अपने क्षेत्र से संबंधित मुद्दों को प्रशासनिक स्तर पर उठाकर समाधान प्राप्त करें.

जनता दरबार में डीसी ने दिये त्वरित समाधान के निर्देश

हजारीबाग। जिला समाहरणालय परिसर में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित जनता दरबार में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे. जनता दरबार में पेंशन स्वीकृति, राशन कार्ड में त्रुटि, आवास योजना, पंजी 2 में छेड़छाड़, सड़क निर्माण, विद्युत आपूर्ति, भूमि विवाद, पारिवारिक समस्याएं, रोजगार, मुआवजा और चिकित्सा सुविधा से संबंधित अनेक मामले प्रमुखता से सामने आए. उपायुक्त सिंह ने सभी फरियादियों की समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए. कई गंभीर मामलों में उन्होंने मौके पर ही दूरभाष से अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देकर समाधान की प्रक्रिया शुरू कराई. उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि जनता की शिकायतों का निपटारा निर्धारित समयसीमा के भीतर हर हाल में सुनिश्चित किया जाए. उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान करना है.

नवलशाही से कांवरियों का जत्था देवघर के लिए रवाना

मरकच्चो (कोडरमा)। सावन महीने की पावन शुरुआत के साथ ही क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का माहौल पूरी तरह से हावी है. मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालु नवलशाही से बोल बम यात्रा के लिए रवाना हुए. गेरुआ वस्त्र धारण किए कांवरियों ने पहले नवलशाही स्थित मंदिर में पूजा-अर्चना कर माथा टेका और फिर बाबा बैद्यनाथधाम, देवघर की ओर रवाना हो गए. श्रद्धालुओं का यह जत्था बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ गूंज उठा. कांवरियों का उत्साह देखते ही बन रहा था. जत्था वाहन से सुल्तानगंज के लिए रवाना हुआ, जहां से वे जल भरकर पैदल यात्रा के माध्यम से देवघर पहुंचेंगे. यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और ऊर्जा देखने को मिली.

विभावि में ऑनलाइन शिक्षा को लेकर वीसी ने दिए निर्देश

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय में चल रही छह दिवसीय मूक डिजाइन एवं डेवलपमेंट कार्यशाला के चौथे दिन कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा ने ऑनलाइन शिक्षा को विश्वविद्यालय की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि विभावि को भारत में ऑनलाइन शिक्षा का अग्रणी केंद्र बनाना है. उन्होंने प्रतिभागियों द्वारा तैयार पीपीटी और वीडियो की समीक्षा करते हुए स्टडी मैटेरियल की गुणवत्ता सुधारने के लिए जरूरी सुझाव दिए. कुलपति ने कहा कि प्रथम चरण में सभी शिक्षकों को कम-से-कम दो सप्ताह की अध्ययन सामग्री तैयार करनी चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि वीडियो रिकॉर्डिंग करते समय प्रस्तुति और दृश्यात्मक गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना जरूरी है.

विधायक को सौंपा मांग पत्र, पीडीएस डीलरों ने रखीं सात सूत्री मांगें

शुभम संदेश। विष्णुगढ़ (हजारीबाग)

विष्णुगढ़ प्रखंड के जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) डीलरों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर मांडू विधायक निर्मल महतो को एक सात सूत्री मांग पत्र सौंपा. सोमवार को सौंपे गए इस पत्र में डीलरों ने विशेष रूप से बकाया कमीशन भुगतान और तकनीकी समस्याओं के समाधान की मांग की. डीलरों ने बताया कि दिसंबर 2024 से अगस्त 2025 तक राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा अधिनियम योजना के तहत वितरित राशन का कमीशन अब तक नहीं मिला है. इससे उन्हें आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है. मांग पत्र में ई-पॉश मशीनों से जुड़ी समस्याएं भी उठाई गई हैं. डीलरों का कहना है कि प्रखंड में नेटवर्क सेवा विशेषकर टू-जी कनेक्टिविटी अक्सर बाधित रहती है, जिससे राशन वितरण में देरी होती है और उपभोक्ताओं को भी असुविधा झेलनी पड़ती है. डीलर संघ के अध्यक्ष टेकोचन्द महतो, सचिव शंभूनाथ पांडेय, छत्रधारी भाई पटेल समेत अन्य डीलरों ने हस्ताक्षरित इस मांग पत्र को विधायक को सौंपा.

स्कूली बच्चों से ईंट ढुलाई का काम, जांच के आदेश

हजारीबाग। जिले के इचाक प्रखंड से एक शर्मनाक और चिंताजनक मामला सामने आया है, जिसमें स्कूली बच्चों से जबरन मजदूरी करवाई गई. जानकारी के अनुसार, एक निजी विद्यालय संचालक ने आवासीय शिक्षा केंद्र में रह रहे 10 से 12 वर्ष की उम्र के दर्जनों बच्चों से भवन निर्माण के लिए ईंट ढुलाई का काम करवाया. यह कार्य मनाई चौक क्षेत्र में कराया गया, वह भी बीते तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के बीच. स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इन बच्चों को हजारीबाग शहर से निर्माण स्थल पर लाया गया और मजदूरी करवाई गई. ये सभी बच्चे पढ़ाई के उद्देश्य से अपने घरों से दूर इस सेंटर में रह रहे थे, लेकिन उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया. घटना की जानकारी मिलते ही कुछ सामाजिक कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और कड़ी नाराज़गी जताई. उन्होंने मामले की सूचना प्रखंड व जिला प्रशासन को दी. उप श्रम अधीक्षक बसंत नारायण महतो ने कहा है कि जांच टीम भेजी जा रही है और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. वहीं बीईईओ नागेश्वर सिंह ने बताया कि क्षेत्रीय समन्वयक (सीआरपी) को जांच के लिए भेजा गया है, रिपोर्ट आने के बाद जरूरत पड़ने पर वे स्वयं जांच करेंगे.

अवैध इलाज के मामले में सीएस को सौंपा गया ज्ञापन

शुभम संदेश। पदमा (हजारीबाग)

पदमा निवासी समाजसेवी पुरुषोत्तम कुमार पाण्डेय ने मंगलवार को हजारीबाग के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (सिविल सर्जन) से मुलाकात कर एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा. उन्होंने पदमा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित हो रहे मेडिकल संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की. ज्ञापन में पाण्डेय ने बताया कि पदमा सरैया स्थित माँ विचित्रा मेडिकल सहित कई मेडिकल दुकानों में अनुभवहीन कर्मचारियों द्वारा गैरकानूनी तरीके से मरीजों का इलाज किया जा रहा है. आरोप है कि इन मेडिकल केंद्रों में विभिन्न गंभीर बीमारियों की जाँच, इलाज और यहाँ तक कि गर्भपात जैसे कार्य भी बिना किसी अधिकृत डॉक्टर की निगरानी के हो रहे हैं. मरीजों को भर्ती भी किया जा रहा है, जिससे उनकी जान को खतरा उत्पन्न हो रहा है. उन्होंने कहा कि यह कार्य न सिर्फ चिकित्सा नियमों का उल्लंघन है बल्कि गरीब और अशिक्षित लोगों के साथ धोखा भी है. ऐसे संस्थान भोले-भाले लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं और क्षेत्र में मेडिकल माफियाओं का नेटवर्क लगातार फल-फूल रहा है. पुरुषोत्तम पाण्डेय ने सिविल सर्जन से इन अवैध मेडिकल सेंटरों की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों और लोगों का स्वास्थ्य सुरक्षित रह सके.

रेलवे

ट्रैक मेंटेनर्स को मिला अब विभागीय पदों पर कार्य करने का अधिकार

एआईआरएफ और ईसीआरकेयू की बड़ी सफलता

शुभम संदेश। रामगढ़

ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (एआईआरएफ) और उसकी अनुषंगी यूनियन ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन (ईसीआरकेयू) ने एक बार फिर रेलकर्मियों के हक की लड़ाई में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है. वर्षों से ट्रैक मेंटेनर्स के लिए अन्य विभागों में कार्य करने के अधिकार की मांग को लेकर चल रही पहल आखिरकार रंग लाई है. अब ट्रैक मेंटेनर्स को लेटरल इंडक्शन प्रक्रिया के तहत अन्य विभागों में नियुक्ति का अवसर प्राप्त होगा. ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री और एआईआरएफ की वर्किंग कमिटी के सदस्य मो ज़्याऊद्दीन ने बताया कि यह निर्णय ट्रैक मेंटेनर्स की कठिन ड्यूटी और रेलवे परिचालन में उनकी अहम भूमिका को ध्यान में रखते हुए लिया गया है. रेलवे बोर्ड ने इस मांग को स्वीकारते हुए लेटरल इंडक्शन की नीति बनाकर संबंधित विभागों की रिक्तियों में 10 प्रतिशत पद ट्रैक मेंटेनर्स के लिए आरक्षित कर दिए हैं. रेलवे बोर्ड के आदेश संख्या 137/2023, 138/2023 और 41/2024 में इस नीति को विस्तारपूर्वक स्पष्ट किया गया है.

धनबाद मंडल में भी इस नीति को प्रभावी रूप से लागू किया गया है. वर्ष 2019 में महाप्रबंधक हाजीपुर द्वारा जारी पत्र के आधार पर धनबाद मंडल के वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी ने अगस्त 2024 में 48 ट्रैक मेंटेनर्स को विभिन्न विभागों में समायोजित किया था. इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए 28 जुलाई 2025 को मंडल प्रशासन ने एक और पत्र जारी कर परिचालन विभाग के 89 प्वाइंट्समैन पदों पर ट्रैक मेंटेनर्स की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की है. अगस्त 2025 में इसके लिए साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे. मो ज़्याऊद्दीन ने सभी चयनित ट्रैक मेंटेनर्स को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि रेलवे कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और यूनियन की लगातार पैरवी का परिणाम है. ईसीआरकेयू बरकाकाना शाखा के सचिव महेंद्र प्रसाद महतो, अध्यक्ष पी.के. गांगुली, संजय कुमार, डी.के. नायक, ईश्वर, सरयू प्रसाद, चंद्रदेव और ओमप्रकाश आदि ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए हर्ष व्यक्त किया है. यह निर्णय न सिर्फ ट्रैक मेंटेनर्स को आत्मसम्मान देगा, बल्कि उन्हें करियर में नई दिशा और अवसर भी प्रदान करेगा.

बटेश्वर मेहता ने डीसी से की मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

हजारीबाग। समाजसेवी व बरकट्ठा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी बटेश्वर प्रसाद मेहता ने क्षेत्र की गंभीर जनसमस्याओं को लेकर उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में पुनाई गांव से बलिया झरपो पथ के पक्कीकरण, गोबरदाहा नदी पर पुल निर्माण, बसरिया मोड़ से झूमरा तक 20 किलोमीटर सड़क निर्माण और देवरिया नदी पर जर्जर पुल के स्थान पर नए पुल की मांग की गई है. इसके अलावा अलौंजा से झूमरा पथ के पक्कीकरण व अलौंजा नदी पर पुल निर्माण, मोकतमा से पोखरिया पथ का पक्कीकरण, बंशी नदी व घाघरा नदी पर पुल तथा अमली से तीज गांव तक आरईओ पथ निर्माण की मांग शामिल है. मेहता ने बताया कि वर्षों से क्षेत्रवासी इन समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक प्रशासन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है.

एक नजर

संजय मेहता बने आजसू पार्टी के महासचिव एवं प्रदेश प्रवक्ता

हजारीबाग। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव–सह–प्रदेश प्रवक्ता बनाए जाने पर संजय मेहता ने पार्टी नेतृत्व के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है. उन्होंने पार्टी प्रमुख सुदेश महतो, प्रधान महासचिव रामचंद्र सहिस तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं का आभार जताते हुए कहा कि संगठन ने जो विश्वास उन पर जताया है, वे उसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण से निभाएंगे. संजय मेहता ने कहा कि आजसू पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि झारखंड की अस्मिता, अधिकार और पहचान की सशक्त आवाज है. उन्होंने कहा कि यह संगठन हमेशा जनता की भावनाओं के अनुरूप काम करता आया है और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाया है. "मैं इस संगठन का एक सच्चा सिपाही हूं और मुझे जो नई ज़िम्मेदारी मिली है, उसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाऊंगा," उन्होंने कहा. नवनियुक्त महासचिव ने बताया कि संगठन विस्तार के इस नए चरण में वे अपने सभी साथियों के साथ मिलकर पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करेंगे. उन्होंने युवाओं, छात्रों और आम जनता को पार्टी से जोड़ने की बात कही और कहा कि झारखंड के विकास और स्वाभिमान के लिए चल रहे आंदोलन को नई गति देना उनकी प्राथमिकता होगी. प्रदेश प्रवक्ता के रूप में संजय मेहता ने संवाद और संगठन की नीति को आधार बनाते हुए आजसू पार्टी की विचारधारा, नीतियों और कार्यक्रमों को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया.

कस्तूरबा विद्यालय में साइबर क्राइम पर जागरूकता कार्यक्रम

रामगढ़। कस्तुरबा गांधी बालिका विद्यालय, पतरातू में ₹बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ₹ योजना के अंतर्गत डिजिटल साक्षरता एवं साइबर क्राइम से संबंधित विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को डिजिटल सुरक्षा के प्रति सजग करना और साइबर अपराध से बचाव के उपायों की जानकारी देना था. कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन विद्यालय की प्राचार्या एवं अन्य अतिथियों द्वारा किया गया. कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी शांति बागे ने साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए छात्राओं को इससे बचने के उपाय बताए. उन्होंने बताया कि कैसे सोशल मीडिया पर जागरूक रहकर, ओटीपी साझा न करके और अज्ञात लिंक पर क्लिक न करके साइबर धोखाधड़ी से बचा जा सकता है. विधि सह परिवीक्षा पदाधिकारी रणजीत कुमार ने छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी दी तथा टोल फ्री नंबर 1098, 181 और 1930 के उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया. उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में सजग रहना अत्यंत आवश्यक है. कार्यक्रम में महिला पर्यवेक्षिका सुलताना प्रवीण, बाल संरक्षण के आंकड़ा विश्लेषक सोबन कुमार तथा विद्यालय के शिक्षकगण भी उपस्थित रहे.

बड़ा अखाड़ा में 2 अगस्त से झूलन महोत्सव का आयोजन

हजारीबाग (इचाक)। इचाक प्रखंड के परासी गांव स्थित ऐतिहासिक श्री श्री लक्ष्मी नारायण मठ बड़ा अखाड़ा में 2 अगस्त से 9 अगस्त तक झूलन महोत्सव व श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जाएगा. इस धार्मिक आयोजन की शुरुआत रुद्राभिषेक के साथ की जाएगी. महंत विजयानंद दास ने जानकारी देते हुए बताया कि यह महोत्सव वर्षों पुरानी परंपरा है, जो इचाक क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का प्रमुख केंद्र रहा है. उन्होंने बताया कि पहले झूलन महोत्सव के अवसर पर बड़ा अखाड़ा, छोटा अखाड़ा, बड़ी छावनी, छोटी छावनी, बंशीधर मंदिर, भगवती मठ, गौ रक्षणी तथा लक्ष्मी नारायण मठ को विशेष रूप से सजाया जाता था. महोत्सव के दौरान प्रसाद स्वरूप पूरी, हलवा, मालपुआ, खीर आदि का वितरण होता था और रात भर भजन-कीर्तन व संगीतमय कार्यक्रमों का आयोजन होता था. महंत गद्दी का पूजन और सम्मान समारोह भी आकर्षण का केंद्र होता था. श्रावण माह में 15 दिनों तक चलने वाली इस धार्मिक परंपरा को आज भी पूरी श्रद्धा, निष्ठा और भक्ति के साथ निभाया जा रहा है. महंत ने सभी श्रद्धालुओं से झूलन महोत्सव में भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है.

उपायुक्त ऋतुराज के जनता दरबार में जनसुनवाई

कोडरमा। जिले में आम जनता की समस्याओं के समाधान हेतु उपायुक्त श्री ऋतुराज की अध्यक्षता में जिलेव्यापी जनता दरबार का आयोजन किया गया. इस जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं सीधे उपायुक्त के समक्ष रखीं. जनता दरबार में मुख्य रूप से आयुष्मान कार्ड बनाने, पीसीसी सड़क निर्माण, जमीन पर जबरन कब्जा, संपत्ति विवाद तथा अन्य प्रशासनिक समस्याएं सामने आईं. उपायुक्त ऋतुराज ने सभी संबंधित विभागों और पदाधिकारियों को कड़ा निर्देश दिया कि वे प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से और त्वरित कार्रवाई करते हुए शीघ्र समाधान सुनिश्चित करें. उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समय पर समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशासन सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा और शिकायतों के निस्तारण में पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करेगा. उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे लगातार फील्ड में जाकर समस्याओं की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करें और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दें. इस अवसर पर उपायुक्त ने जनता से अपील की कि वे बिना हिचक के अपनी समस्याएं जनता दरबार में रखें ताकि उनका उचित समाधान किया जा सके.

कोडरमा में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भव्य समापन

कोडरमा। कोडरमा जिला प्रशासन एवं इंपैक्ट इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भव्य समापन समारोह आज संपन्न हुआ. इस अवसर पर विधायक अमीत कुमार यादव, उपायुक्त ऋतुराज, जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव एवं अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह उपस्थित थे. शिविर में अब तक कुल 16,334 मरीजों ने पंजीकरण कराया, जिसमें नेत्र रोग, कान रोग, हड्डी रोग, दंत चिकित्सा, स्त्री रोग और प्लास्टिक सर्जरी से जुड़े मरीज शामिल थे. स्वास्थ्य शिविर में 5,332 नेत्र रोगी, 2,852 कान रोगी, 156 हड्डी रोगी, 48 प्लास्टिक सर्जरी के मरीज, 2,165 दंत रोगी और 343 स्त्री रोगी पंजीकृत हुए. इसके साथ ही 234 नेत्र, 121 कान, 23 हड्डी, 557 दंत तथा 9 अन्य मरीजों की सफल सर्जरी भी की गई. समापन समारोह में अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह ने बताया कि यह शिविर 30 जुलाई तक चला और इसे गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया.

जयनगर में साप्ताहिक समेकित समीक्षा बैठक सम्पन्न

जयनगर (कोडरमा)। प्रखंड सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक प्रखंड स्तरीय समेकित समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता बीडीओ गौतम कुमार ने की. इस बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई और लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए. बैठक में मनरेगा, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, अबुआ आवास योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, पेंशन योजनाएं, पंद्रहवां वित्त आयोग, पंचायती राज योजनाएं, पुस्तक ज्ञान केंद्र तथा जन्म, मृत्यु व विवाह पंजीकरण से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई. बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत गड्ढा भरने का कार्य पूरा हो चुका है और पौधारोपण की तैयारी भी प्रगति पर है. आवास योजनाओं में स्वीकृत घरों को निर्धारित समय में पूरा करने और अधूरे आवासों को प्राथमिकता देने पर बल दिया गया.

ब्रीफ न्यूज

पांच अगस्त को झारखंड आंदोलनकारियों की बैठक

तमाड़। प्रखंड के भुईयाँडीह में आगामी 5 अगस्त को झारखंड आंदोलनकारियों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की जाएगी. इस बैठक में आंदोलनकारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान पर विचार-विमर्श किया जाएगा.इस संबंध में जानकारी देते हुए झारखंड आंदोलनकारी नेता दुखुराम महतो ने बताया कि यह बैठक आंदोलनकारियों की भावी रणनीति और अधिकारों की रक्षा हेतु महत्वपूर्ण साबित होगी. उन्होंने सभी संबंधित आंदोलनकारियों से समय पर बैठक में उपस्थित होने की अपील की है.बैठक में पेंशन, सरकारी मान्यता, सम्मान और अन्य लंबित मुद्दों पर भी चर्चा की जाने की संभावना है.

निर्माण काम पर रोक लगाने की मांग

गुमला । गुमला थाना क्षेत्र अंतर्गत डुमरडीह ग्रामीणों ने उपायुक्त को ज्ञापन सौंप कर चारागाह भूमि में अवैध निर्माण कार्य को तत्काल रोक लगाने की मांग की है. ग्रामीणों ने कहा है कि डुमरडीह मौजा का एक खाता संख्या का प्लाट नंबर 970 रकबा 1.90 एकड़ जमीन आरएस खतियान है. जिसमें ग्रामीण चरागाह के रूप में प्रयोग करते रहे हैं. जमीन मालिक द्वारा 30 डिसमील की बिक्री की गई है जिसमें निर्माण काम चल रहा है. ग्रामीणों ने हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सौंपकर निर्माण काम में रोक लगाने की प्रशासन से मांग की है.

समाजसेवी प्रदीप महतो की माता सावित्री देवी का निधन

सोनाहातू (रांची)। व्यवसाय

जगत और सामाजिक क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले प्रदीप कुमार महतो की माता, सावित्री देवी का मंगलवार को लालपुर स्थित आवास पर निधन हो गया. वह 75 वर्ष की थीं और पिछले एक साल से बीमार चल रही थीं. सावित्री देवी ग्रामीण परिवेश सोनाहातू के चिरगलडीह गांव से संबंध रखती थीं और जीवनभर समाज सेवा में सक्रिय रहीं. उनके पति स्व प्रफुल्ल कुमार महतो एक शिक्षक और समाजसेवी थे. सावित्री देवी के दो पुत्र प्रदीप कुमार महतो व्यवसायी एवं समाजसेवी और दूसरे पुत्र रमाकांत महतो शिक्षक व तीन पुत्रियों का भरा पूरा परिवार है. उनका अन्तिम संस्कार उनके पैतृक गांव चिरगालडीह स्थित रायसा नदी (अड़िया नदी) घाट पर किया गया.

बिजली चोरी के मामले में चार पर एफआईआर

किस्को/लोहरदगा। बिजली चोरी पर अंकुश लगाने के लिए कुडू बिजली सब डिविजन द्वारा किस्को थाना क्षेत्र के होंदगा गांव में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया. अभियान का नेतृत्व सहायक अभियंता मोहम्मद जीशान ने किया, जिसमें विभागीय कर्मियों के साथ किस्को थाना पुलिस बल भी शामिल था.अभियान के दौरान बिजली चोरी करते हुए कुल चार लोगों को पकड़ा गया. इनमें आफताब अंसारी, तारीक अंसारी और साबिर अंसारी पर 17,607 रुपये-17,607 रुपये तथा 17,607 रुपये का जुर्माना लगाया गया. तीनों पर मुख्य एलटी लाइन से टोका फंसाकर अवैध बिजली उपयोग करने का आरोप है. वहीं, एक अन्य व्यक्ति पर मीटर बाइपास कर रेजिडेंशियल कनेक्शन से अवैध बिजली उपयोग करते पाए जाने पर 3,521 रुपये का जुर्माना लगाया गया.

मच्छर पर नियंत्रण के लिए फॉगिंग व ब्लीचिंग छिड़काव करें, नप की बैठक में उपायुक्त ने दिये निर्देश

नप क्षेत्र में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करें: डीसी

शुभम संदेश । लोहरदगा

उपायुक्त डॉ ताराचंद ने आज नगर परिषद के अंतर्गत किये जानेवाले कार्यां व भविष्य के लिए विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की. बैठक में उपायुक्त ने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र में प्रतिदिन साफ-सफाई सुनिश्चित करें.

इसके लिए एक अभियान चलाएं, लोगों को जागरूक भी करें. किसी वार्ड में अगर गंदगी हटाने, नाली जाम की समस्या, कूड़ा-करकट की समस्या, फॉगिंग/ब्लीचिंग छिड़काव की मांग, स्ट्रीट लाईट खराब हो तो लोगों से मिलने वाली शिकायतों के संधारण के लिए एक शिकायत पंजी नगर परिषद कार्यालय में संधारित की जाय. साथ ही, उसमें प्राप्त शिकायतों का निवारण कर उसकी प्रतिदिन समीक्षा की जाय.

शहर में साफ-सफाई सुनिश्चित करें. एक टॉल-फ्री नंबर भी जारी किया जाए ताकि जनता उसमें अपनी समस्याएं रख सकें.

फॉगिंग व ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव जरूरी : उपायुक्त ने नगर परिषद क्षेत्र में जलजमाव वाले स्थानों पर फॉगिंग कराने और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव का निर्देश दिया. जाम हुई नालियों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया.

उपायुक्त ने कहा शहर में कचरा की साफ-सफाई प्रातः काल में ही करा लिया जाए. साथ ही, कचरे का उठाव भी ससमय हो जाए.

अभी बारिश का मौसम है जिसे देखते हुए जल जमाव कही भी ना हो यह सुनिश्चित करें. मच्छर की संख्या बढ़ने से रोकने के लिए साफ-सफाई बहुत जरूरी है. ,

अगर कोई भी नागरिक सड़क या फुटपाथ में ईंट, बालू, चिप्स आदि रखते हैं तो कार्रवाई करें. इधर-उधर कचरा फेंकने वालों पर आर्थिक दण्ड लगायें. शहर को जाम मुक्त बनाने के लिए शहरी क्षेत्र में पार्किंग के लिए स्थल चयनित करें.

प्रशासक, नगर परिषद को नियमित राजस्व संग्रहण का निर्देश दिया गया. बैठक में जिला के लिए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लान, विद्युत शवदाहगृह की स्थिति, नगर भवन की स्थिति, नगर परिषद की पुरानी व जर्जर दुकानें आदि बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई और आवश्यक निर्देश दिये गये. बैठक में नगर प्रशासक मुक्ति किड़ो, सिटी मैनेजर, पीपीआए फेलो व अन्य उपस्थित थे.

इंटरनेट और आधार सुविधा सुदृढ़ करने के लिए उपायुक्त ने की बैठक, कहा

अब पंचायत तक पहुंचेगी भारत नेट की सभी सुविधा

शुभम संदेश । गुमला

गुमला जिले में इंटरनेट और आधार सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई. बैठक में सभी पंचायत भवनों में इंटरनेट की सुचारू उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए.

उपायुक्त ने बताया कि जिले में 486 मोबाइल टावर स्थापित हैं. जिनमें बीएसएनएल, एयरटेल, और जीओ शामिल हैं.

उन्होंने 12 नए शैडो एरिया में टावर लगाने और सात स्थानों पर टावर लगाने का चल रहे कार्य को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया. 17 पंचायतों में नेटवर्क कनेक्शन की प्रक्रिया को एक सप्ताह में पूरा करने और आठ पंचायतों के ब्रॉडबैंड कनेक्शन को सक्रिय करने के निर्देश दिए गए.भारत नेट को 15 अगस्त 2025 तक पूर्ण रूप से सक्रिय कर सभी पंचायतों में सेवा उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया.आधार कार्ड संबंधी समीक्षा में उपायुक्त ने 17 बीआरसी को सक्रिय करने, बच्चों के आधार बनाने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने और 10 वर्ष से अद्यतन नहीं हुए आधार डेटा को अपडेट कराने के निर्देश दिए.पोस्ट ऑफिस में 0 से 5 वर्ष के बच्चों को आधार बनाने की सुविधा सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिए गए.इस बैठक में विद्युत विभाग, एलडीएम, डीपीएम (आधार) और सभी मोबाइल नेटवर्क के प्रतिनिधि शामिल रहे.

मंईयां सम्मान योजना से महिलाओं को मिला लाभ

सिमडेगा। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री माईयां सम्मान योजना के तहत सिमडेगा जिले की 90,233 लाभार्थी महिलाओं को जून 2025 माह में आर्थिक सहायता प्रदान की गई है. जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, सिमडेगा द्वारा आधार आधारित भुगतान प्रणाली के माध्यम से प्रत्येक लाभुक को 2,500 की दर से कुल 22,55,82,500 का भुगतान किया गया.इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला नियोजन पदाधिकारी-सह-प्रभारी सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग, सुश्री आशा मैक्सिमा लकड़ा ने बताया कि यह योजना राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रशंसनीय कदम है.उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री माईयां सम्मान योजना से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिल रही है, जिससे उनका जीवन स्तर सुधर रहा है और वे घरेलू एवं सामाजिक निर्णयों में अधिक सक्रिय भूमिका निभा पा रही हैं.जिला प्रशासन ने योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित विभागों और कर्मियों के समन्वय को सराहा है .

डीसी ने की शिक्षा विभाग की योजनाओं की समीक्षा, कहा

विद्यालयवार बोर्ड परीक्षा परिणाम की रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध करायें

शुभम संदेश । सिमडेगा

उपायुक्त कंचन सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तर पर शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना (मध्याह्न भोजन योजना) की विस्तृत समीक्षा की गई.

बैठक में जानकारी दी गई कि जिले के 961 विद्यालयों में वर्तमान में मध्याह्न भोजन योजना संचालित हो रही है, जहां नामांकित छात्रों की तुलना में औसतन 78% आच्छादन दर्ज किया गया है. वित्तीय वर्ष 2025-26 के द्वितीय त्रैमास हेतु खाद्यान्न उठाव के लिए आरो निर्गत हो चुका है और विद्यालयों में खाद्यान्न उठाव की प्रक्रिया प्रगति पर है. योजना के तहत जिले में कुल 2026 रसोईया-सह-सहायिकाएं कार्यरत हैं.उपायुक्त ने सभी रसोईया-सह-सहायिकाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़े जाने की स्थिति की भी समीक्षा की. बताया गया कि 1984 रसोईया-सह-सहायिकाएं आयुष्मान भारत योजना से जुड़ चुकी हैं. वहीं 50 वर्ष से अधिक आयु वाले 296 सहायिकाओं में से 244 को वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ दिया जा रहा है. उपायुक्त ने शेष पात्रों को शीघ्र लाभ दिलाने के निर्देश दिए.इसके अलावा उपायुक्त ने पीएम पोषण योजना के तहत सभी विद्यालयों में थाली व गिलास की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा स्कूल स्तर पर स्वच्छता बनाए रखने पर जोर दिया. उन्होंने UDISE+ पोर्टल पर विद्यालयों की स्थिति की समीक्षा की और विद्यालयवार बोर्ड परीक्षा परिणाम की रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया.पुस्तक वितरण शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने, ई-विद्या वाहिनी पोर्टल पर बच्चों की उपस्थिति की नियमित निगरानी, एवं शिक्षण गुणवत्ता में सुधार हेतु अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए. उपायुक्त ने कहा कि सभी शिक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, तत्परता और बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए.बैठक में सिविल सर्जन डॉ. सुन्दर मोहन, जिला शिक्षा अधीक्षक दीपक राम, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे.

स्क्रेप लदा ट्रक 407 जब्त, चालक गिरफ्तार

कोडरमा। तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत बाइपास से एक 407 मालवाहक वाहन मंगलवार को तिलैया पुलिस जप्त किया है. बताया जाता है कि उक्त वाहन में चोरी के लोहे का स्क्रैप लदा हुआ है. इस मामले में वाहन के चालक भागीरथ नामक एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है. बताया जाता है कि उक्त लोहा गझंडी क्षेत्र से लाया जा रहा था,जो

तिलैया स्थित किसी फैक्ट्री में गलाया जाना था. उक्त लोहा रेलवे का भी होने की संभावना जतायी जा रही है. इस मामले में कोडरमा आरपीएफ भी तिलैया थाना पहुंची हुई है. फिलहाल तिलैया पुलिस मामले की जांच कर रही है.

रेलाडीह में अब पुराने पथ का चौड़ीकरण होगा

बुंडू। प्रखंड बुड के ग्राम रेलाडीह में बता-राहे-बुंडू पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य परियोजना के तहत वाईपास रोड के विरोध को लेकर जिला के वरिष्ठ अभियंताओं एवं पदाधिकारियों ने मंगलवार को औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण दल में कुन्दन कुमार (सुपरिंग टेन्डेन्ट इंजीनियर), मनोज चौधरी, आकाश बादल, रवि प्रभाकर सहित अन्य अधिकारी शामिल थे.

एसएसबीएम स्कूल में बैग व कॉपी का वितरण

शुभम संदेश । पिपरवार

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बीओसीएम पिपरवार में मंगलवार को सीसीएल पिपरवार एरिया प्रबंधन द्वारा सीएसआर योजना के तहत छात्र-छात्राओं के बीच स्कूल बैग और कॉपी का वितरण किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में बचरा दक्षिणी पंचायत की मुखिया रीना देवी उपस्थित थीं.

मुखिया रीना देवी ने 150 से अधिक विद्यार्थियों को स्कूल बैग और कॉपी वितरित किए. बच्चों के चेहरों पर खुशी देखते ही बन रही थी. इस अवसर पर मुखिया ने कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव मदद की जाएगी. सीसीएल प्रबंधन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किया गया यह प्रयास सराहनीय है, जो गरीब और जरूरतमंद छात्रों का मनोबल बढ़ाता है.उन्होंने क्षेत्रवासियों से भी अपील की कि वे शिक्षा को बढ़ावा देने और जरूरतमंद छात्रों की सहायता के लिए आगे आएं. साथ ही बच्चों को मेहनत और अनुशासन से पढ़ाई कर अपने क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी.

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधानाध्यापक लालू उरांव सहित सभी शिक्षकों रोहित कुमार गुप्ता, सुरेंद्र पांडेय, सरोज राय, तरुण कुमार देव, रेखा दास गुप्ता, बबन सिंह और अन्य की सराहनीय भूमिका रही. कार्यक्रम में बच्चों की उत्साहजनक उपस्थिति रही.

सांसद प्रतिनिधि ने पिपरवार जीएम को सौंपा ज्ञापन

पिपरवार । हजारीबाग लोकसभा सांसद के पिपरवार मंडल सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण कुमार मंडल ने मंगलवार को सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक संजीव कुमार को मांग पत्र सौंपकर बचरा इलाके के चौक चौराहा में शौचालय का निर्माण करने एवं 15 किलोमीटर के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण इलाकों के मुख्य जगहो पर हाई मास्क लाइट लगाने की मांग की है।ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने बताया कि बचरा के चौक चौराहा में शौचालय नहीं रहने के कारण लोगों को काफी परेशानी होती है।विशेष रूप से महिलाओं को इससे काफी परेशानी हो रही है।उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से बचरा बैंक ऑफ़ इंडिया के सामने,बचरा चार नंबर चौक, बचरा पंजाब नेशनल बैंक के सामने,बचरा बाजारटांड़,बचरा पीपल चौक और बचरा एक नम्बर चौक मे शौचालय का निर्माण करने की मांग की है।इसके साथ ही उन्होंने बताया कि कोयलांचल क्षेत्र के कई ग्रामीण इलाकों में शाम होने के साथ ही अंधेरा छा जाता है, जिसके लिए उन्होंने पिपरवार क्षेत्र के 15 किलोमीटर के अंतर्गत पढ़ने वाले ग्रामीण इलाकों के मुख्य चौक चौराहा में हाई मास्क लाइट लगाने की मांग की है।सांसद प्रतिनिधि ने उक्त दोनों समस्या को देखते हुए महाप्रबंधक से अविलंब शौचालय का निर्माण एवं हाई मास्क लाइट लगाने की मांग की है.

जर्जर सड़कों की मरम्मत का जिप अध्यक्ष ने दिया आश्वासन

शुभम संदेश । रातू

जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत ने मंगलवार को रातू प्रखंड अंतर्गत गणपति विहार कॉलोनी का भ्रमण किया. इस दौरान कॉलोनीवासियों ने उन्हें सड़क की बदहाल स्थिति को लेकर शिकायत की. स्थानीय लोगों ने बताया कि करीब 10 माह पूर्व सड़क निर्माण की निविदा निकाली गई थी, जिससे लोगों को उम्मीद जगी थी, लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हुआ.बरसात के कारण सड़क और पुलिया कई जगहों पर पूरी तरह बह चुके हैं.

राहगीरों, खासकर स्कूल जाने वाले बच्चों को आवागमन में भारी कठिनाई हो रही है. कई छात्र गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं.स्थिति को गंभीरता से लेते हुए निर्मला भगत ने स्थानीय लोगों को आश्वासन दिया कि वे अगले ही दिन इस मुद्दे को लेकर ग्रामीण विकास मंत्री और सचिव से मुलाकात करेंगी. उन्होंने कहा कि गणपति विहार कॉलोनी के अलावा रातू प्रखंड मुख्यालय, रानी बगीचा पथ, पिर्रासे हेहल भाया अगड़ू पथ, मालमंडू से काटमकुली पथ और लहना काटू मोड़ से काटू लहना पथ जैसी सड़कों की निविदा भी पहले ही हो चुकी है, इन पर भी बात कर जल्द काम शुरू करवाने का प्रयास करेंगी.इस मौके पर देवेंद्र पाहन, पी एन सिंह, अभिषेक तिवारी, बैजनाथ तिवारी समेत कई लोग उपस्थित थे.

आदिवासी महोत्सव 2025 की जन जागरूकता के लिए विशेष सचिव ने जागरूकता रथ रवाना किया

आदिवासी महोत्सव 2025 की भूमिका को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा रथ : बख्शी

शुभम संदेश । रांची

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 9, 10 एवं 11 अगस्त 2025 को आयोजित होने वाले 'आदिवासी महोत्सव 2025' को लेकर तैयारियां अपने चरम पर है. महोत्सव से जुड़ी जानकारी, महत्व और संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मंगलवार को जागरूकता रथ का शुभारंभ किया गया. सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के विशेष सचिव राजीव लोचन बक्शी ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया. उन्होंने कहा कि जागरूकता रथ इस आयोजन की भूमिका को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा. मौके पर इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के उप निदेशक आनंद सहित विभाग के अन्य पदाधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे.

विशेष सचिव बक्शी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में आदिवासी महोत्सव 2025 एक समावेशी और गौरवशाली आयोजन के रूप में उभरने जा रहा है. यह महोत्सव केवल सांस्कृतिक प्रस्तुति नहीं, बल्कि एक पहचान, एक संघर्ष, एक गर्व का उत्सव है, जिसमें पारंपरिक आदिवासी संस्कृति के साथ-साथ आधुनिकता का भी समावेश देखने को मिलेगा. आदिवासी महोत्सव 2025 के माध्यम से हम आदिवासी संस्कृति , अस्मिता, अधिकार और योगदान से रू ब रू हो सकेंगे. इस महोत्सव के माध्यम से राज्य और देश ही नहीं, बल्कि विश्वभर में फैले आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, लोककला, भाषा, वेशभूषा, और खान-पान को प्रदर्शित कर एक सशक्त सांस्कृतिक संवाद स्थापित करेंगे.

जयनगर में फिर आया हाथी, ग्रामीणों में दहशत

जयनगर (कोडरमा)। प्रखंड क्षेत्र में एक बार फिर जंगली हाथी के आने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है. बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह से जंगली हाथी ने प्रखंड क्षेत्र के कोसमाडीह, कन्द्रपड़ीह, केटीपीएस प्लांट एरिया सहित आस पास के गांवों में दस्तक दी. ग्रामीणों ने जब उसे खेतों और जंगलों में घूमते देखा, खेत में काम कर रहे किसान भयभीत होकर भाग निकले और इसकी सूचना वन विभाग को दी. सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथी को आबादी क्षेत्र से दूर खदेड़ने में जुट गई. हालांकि हाथी के ठहराव और मूवमेंट को लेकर वन विभाग पूरी सतर्कता बरत रहा है. कुछ ही महीने पहले इसी क्षेत्र में जंगली हाथी के हमले में दो महिला की मौत हो चुकी है, जिसके बाद से ग्रामीणों की चिंता और बढ़ गई है. फिलहाल गांव में भय का माहौल है. वन विभाग ने अपील की है कि ग्रामीण घबराएं नहीं और अनावश्यक रूप से हाथी के पास जाने से बचें.

एक नजर

अविराम कॉलेज में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन

लोहरदगा । अविराम कॉलेज ऑफ एजुकेशन, टिको, कुरु द्वारा इस माह से निरंतर पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है. राष्ट्रीय सेवा योजना के पदाधिकारी कुन्दन गिद्ध के नेतृत्व में कुरु प्रखंड के पंडरा गांव में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ.मुख्य अतिथि लोहरदगा के वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री अभिषेक कुमार थे, जिनका पारंपरिक स्वागत प्रशिक्षुओं द्वारा तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर कॉलेज के सचिव इन्द्रजीत भारती ने किया. इस अवसर पर मुखिया अमर महली, उपमुखिया मुमताज पवरिया, जिला परिषद सदस्य गंगोत्री देवी, प्राचार्य शशि भूषण सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे.कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन से हुआ. सचिव इन्द्रजीत भारती ने बताया कि अविराम कॉलेज हर वर्ष व्यापक स्तर पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देता है. वन प्रमंडल पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने वृक्षारोपण को जलवायु संकट से निपटने का प्रभावी उपाय बताया.कार्यक्रम में आम, अमरूद, कटहल, आँवला आदि के पौधे ग्रामीणों को वितरित किए गए. संचालन नेवी और ममता ने किया. इस मौके पर प्राचार्य डॉ. प्रतिमा, ममता, अफताब, पवन, रेणुका सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे और कार्यक्रम की सराहना की.

बीडीओ ने वृंदा पंचायत में योजनाओं का किया निरीक्षण

गुमला । सदर के प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक चोपड़ा ने मंगलवार को वृंदा पंचायत का भ्रमण किया. क्षेत्र भ्रमण में बीडीओ के साथ पंचायत राज पदाधिकारी और मुखिया सत्यवती देवी शामिल थे. अधिकारियों ने पंचायत में आंगनबाड़ी केंद्र, स्कूल, पीडीएस दुकान आदि का निरीक्षण किया. पंचायत में चल रहे विकास योजनाओं का भी अवलोकन किया. आंगन बाड़ी केंद्र और विद्यालयों में बीडीओ से बच्चों से बातचीत की. पढ़ाई व पोषाहार के संदर्भ में जानकार हासिल की. बीडीओ ने पंचायत भवन बृंदा में बैठक की. पंचायत सचिवालय के पंजी आदि की जांच की. पंचायत में चल रहे विकास योजनाओं में गति लाने के निर्देश दिए. मुखिया और पंचायत सचिव के बीच बेहतर समन्वय बनाने और पंचायत में चल रहे आवास योजना, वित्त योजना एवं अन्य योजना को जल्द कार्य पूर्ण करते हुए रिकॉर्ड बंद करों. कहा कि पुराने योजनाओं की गति धीमी रहेगी तो नई योजना की स्वीकृति में परेशानी आएगी. बैठक में पंचायत राज पदाधिकारी, पंचायत सचिव, जेई, रोजगार सेवक, स्वयं सेवक आदि शामिल थे.

पर्सनालिटी डेवलपमेंट पर सेमिनार का आयोजन

मांडर । कंदरी स्थित सतीश कुमार सिन्हा मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग और भारथी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, मांडर में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान की अध्यक्ष श्रीमती छवि सिन्हा, सचिव श्री नितिन पराशर,

शैक्षणिक सचिव डॉ. दीपाली पराशर, कॉलेज की प्राचार्या श्रीमती निहारिका श्रीवास्तव एवं डायरेक्टर स्पेनिन डॉ. कुमार संजय ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया.सेमिनार का विषय था ₹पर्सनालिटी डेवलपमेंटः शेपिंग प्रोफेशनल आइडेंटिटी एंड प्रमोटिंग एम्प्लॉयबिलिटी₹. प्रशिक्षक के रूप में डॉ. कुमार संजय ने छात्र-छात्राओं को व्यक्तित्व विकास, आत्म-प्रस्तुतीकरण, इंग्लिश स्पोकन और कम्युनिकेशन स्किल्स जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया.इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धी माहौल में खुद को स्थापित करने हेतु तैयार करना था. कार्यक्रम को सफल बनाने में कॉलेज की प्राचार्या निहारिका श्रीवास्तव सहित समस्त शिक्षकगणों की अहम भूमिका रही.इस मौके पर अंजेला गाड़ी, गोपाल तिर्की, प्रतिमा कुजूर, सुषमा कुमारी, पूनम मिन्ज, दीपा काडियार, बिधिशा देवनाथ, स्मृति रॉय समेत अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं भी मौजूद थीं.

केंद्र सरकार अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है:सांसद

लोहरदगा । सांसद सुखदेव भगत ने मंगलवार को संसद परिसर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आज भी सरकार अपनी जिम्मेदारियां से भाग रही है. कल भी जिस तरह से राजनाथ सिंह ने अपने बयान प्रस्तुत किये यह विचार से वह वास्तविक मुद्दों को संबोधित करने की तुलना में सेना की परंपराओं

का महिमामंडन करने के बाद में अधिक था .हमें उम्मीद थी कि वह नीतियों के बारे में बात करेंगे और जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से तय की जाएगी लेकिन एक बार फिर उन्होंने जवाबदेही से परहेज किया. आज भी भाजपा सरकार अपने भय से बाहर नहीं आई है. उन्हें अभी भी अतीत में रहने की आदत है. उन्होंने चीन का उल्लेख नहीं किया. उन्होंने ट्रम का उल्लेख नहीं किया यह महत्वपूर्ण मुद्दे अनुतरित है.

बीएस कॉलेज में एनएसयूआई ने लगाया हेल्प डेस्क

लोहरदगा। बीएस कॉलेज परिसर में एनएसयूआई छात्र संघ द्वारा नए छात्रों के लिए एक विशेष हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है. इस पहल का नेतृत्व एनएसयूआई लोहरदगा जिलाध्यक्ष मनौव्वर आलम ने किया.उन्होंने बताया कि हेल्प डेस्क के माध्यम से नामांकन के लिए आए नए छात्र-छात्राओं को आवश्यक जानकारी, दस्तावेज़ी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है. साथ ही, संगठन के सदस्यता अभियान के तहत सैकड़ों विद्यार्थियों को एनएसयूआई से जोड़ा गया है.जिलाध्यक्ष मनौव्वर आलम ने कहा कि एनएसयूआई छात्र हितों की रक्षा और समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयासरत है. उन्होंने यह भी बताया कि यह अभियान कॉलेज परिसर में आगे भी जारी रहेगा ताकि अधिक से अधिक छात्र संगठन से जुड़ सकें और अपनी समस्याओं के समाधान हेतु एक मज़बूत मंच पा सकें.इस अवसर पर छात्र नेता रोशन राम, शैलेश कुमार, विकास राम, सकलेन मुश्तक और आसिफ अंसारी भी उपस्थित रहे. सभी ने एकमत होकर कहा कि एनएसयूआई हर परिस्थिति में छात्रों के साथ खड़ी है और भविष्य में भी छात्र हित में कार्य करती रहेगी.

कोलेबिरा में विधायक ने किया जनता दरबार का आयोजन

सिमडेगा। कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र के ठेठईटांगर प्रखंड कार्यालय सभागार में कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में प्रखंड सह अंचल प्रशासन के सभी अधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे. जनता दरबार में प्रखंड प्रमुख, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य और बड़ी संख्या में आम जनता उपस्थित हुई.कार्यक्रम की शुरुआत जेएसएलपीएस की दीदीयों द्वारा पारंपरिक आदिवासी नृत्य से स्वागत करते हुए की गई, इसके बाद फूल माला एवं बुके देकर विधायक का अभिनंदन किया गया. जनता दरबार में उपस्थित लोगों ने अपनी व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं के आवेदन विधायक को सौंपे. विधायक नमन बिक्सल ने सभी आवेदन पढ़े और जिन समस्याओं का समाधान उनके स्तर पर संभव था, उन्हें स्वयं निपटाया, जबकि बाकी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को भेजा गया.विधायक ने कहा कि सभी आवेदन पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी और लोगों से प्रशासनिक आवेदन की रिसिप्ट संभाल कर रखने को कहा. इस अवसर पर झारखंड सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे मनरेगा, जॉब कार्ड, बीज वितरण, अबुआ आवास की चाभी, फूलों झानो डमी चेक, सर्वजन पेंशन योजना आदि का भी वितरण किया गया.

मंथन

झारखंड में गुणवत्तायुक्त शिक्षा की दिशा में बड़ी पहल

राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष गंगवार द्वारा झारखंड के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ की गई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इस बैठक के माध्यम से विश्वविद्यालयों को स्पष्ट संदेश दिया गया कि शैक्षणिक गुणवत्ता, जवाबदेही व पारदर्शिता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा. राज्यपाल का यह निर्देश कि परीक्षा समाप्ति के एक माह के भीतर परिणाम घोषित किया जाए, लंबे समय से विद्यार्थियों के मन में बनी अनिश्चितता को समाप्त करेगा. इसके साथ ही शैक्षणिक कैलेंडर का पालन, समय पर दीक्षांत समारोह और नामांकन बढ़ाने की दिशा में भी यह बैठक दिशा-निर्देशक साबित होगी. विशेष रूप से यह बात उल्लेखनीय है कि झारखंड का ग्रास एनरोलमेंट रेशियो राष्ट्रीय औसत से 10 प्रतिशत कम है, जो दर्शाता है कि उच्च शिक्षा अभी भी आम जन तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाई है. इस स्थिति में ग्रामीण क्षेत्रों में नामांकन को बढ़ावा देना न केवल चुनौती है बल्कि आवश्यकता भी है. विश्वविद्यालयों की रैंकिंग सुधारने, वित्तीय अनुशासन बनाए रखने और भ्रष्टाचार पर ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने पर भी राज्यपाल का जोर स्वागतयोग्य है. इससे संस्थानों में भरोसा बहाल होगा और संस्थागत कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आएगी. वहीं प्लेसमेंट सेल को प्रभावी बनाने, छात्रावास, पुस्तकालय और प्रयोगशालाओं की स्थिति सुधारने जैसे निर्देश छात्रों की समग्र शिक्षा को मजबूती देंगे. राज्यपाल की यह पहल यदि जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू होती है, तो झारखंड की उच्च शिक्षा व्यवस्था में एक सकारात्मक बदलाव सुनिश्चित होगा.

नजरिया

रांची में होटल ताज की सौगात विकास को नई उड़ान मिलेगी

राजधानी रांची में होटल ताज के निर्माण का रास्ता अब पूरी तरह साफ हो चुका है. नगर विकास विभाग द्वारा ताज ग्रुप के नाम जमीन की लीज रजिस्ट्री कर दी गई है, जिससे यह परियोजना अब औपचारिक रूप से आगे बढ़ने को तैयार है. यह न केवल राज्य के आतिथ्य उद्योग के लिए बड़ी उपलब्धि है, बल्कि झारखंड की राजधानी की छवि को वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में भी यह अहम कदम है. धुर्वा स्थित स्मार्ट सिटी क्षेत्र में प्रस्तावित यह फाइव स्टार होटल राजधानी की बुनियादी संरचना और पर्यटन क्षमता को मजबूत करेगा. होटल ताज जैसे ब्रांड का आगमन रांची को व्यावसायिक बैठकों, उच्चस्तरीय सम्मेलनों और अंतरराष्ट्रीय आयोजन के लिए उपयुक्त स्थल के रूप में स्थापित कर सकता है. यह भी उल्लेखनीय है कि इस परियोजना के लिए ताज ग्रुप ने 4.20 करोड़ रुपए का राजस्व स्टांप शुल्क के रूप में राज्य सरकार को प्रदान किया है, जो राज्य के लिए आर्थिक दृष्टि से भी लाभकारी है. होटल ताज के लिए झारखंड सरकार और इंडियन होटल्स लिमिटेड के बीच 24 जुलाई 2024 को हुआ एमओयू, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और टाटा समूह की शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में, इस परियोजना की गंभीरता और संभावनाओं को दर्शाता है. यदि यह परियोजना समयबद्ध और पारदर्शी ढंग से पूरी होती है, तो रांची न केवल उभरती राजधानी के रूप में उभरेगी, बल्कि इससे पर्यटन, रोजगार और निवेश के नए अवसर भी सृजित होंगे.

हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन का सफल परीक्षण

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन का सफल परीक्षण हो चुका है.

जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और ऊर्जा संकट जैसे अस्तित्व के सवालों से दो-चार है, भारतीय रेलवे हरित ऊर्जा के क्षेत्र में न सिर्फ साहसिक कदम उठा रही है, बल्कि तकनीकी नवाचारों और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के सामंजस्य का अनुकरणीय मॉडल भी प्रस्तुत कर रही है. हाल ही में चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी में भारत की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन के सफल परीक्षण ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचार और नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है.रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा साझा जानकारी बता रही है कि चेन्नई में विकसित इस 'ड्राइविंग पावर कार' ने हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक के सफल प्रयोग के साथ नया कीर्तिमान रचा है. ये तकनीक हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रतिक्रिया से बिजली उत्पन्न करती है, जिससे उत्सर्जन के रूप में सिर्फ जलवाष्प निकलता है- कोई कार्बन, कोई धुआं नहीं.

यह न केवल प्रदूषण रहित है, बल्कि शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों में स्वच्छ परिवहन का श्रेष्ठ समाधान भी बनकर उभरा है. वस्तुतः भारत सरकार की 'विरासत के लिए हाइड्रोजन' योजना के तहत भारतीय रेलवे ने 35 हाइड्रोजन-संचालित ट्रेनों का लक्ष्य तय किया है. उत्तर रेलवे के जींद-सोनीपत खंड पर एक डीज़ल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट को हाइड्रोजन ईंधन से पुनर्निर्मित करने का कार्य प्रगति पर है. 111.83 करोड़ की लागत से प्रारंभ इस पायलट परियोजना के तहत हर ट्रेन की अनुमानित लागत 80 करोड़ होगी. जम्मू-कश्मीर के चिनाब नदी पर बना चिनाब रेल पुल जो 359 मीटर की ऊंचाई के साथ एफिल टॉवर से भी ऊंचा है. आज यह पुल भारत की इंजीनियरिंग शक्ति और ऊंचाइयों को छूने की महत्वाकांक्षा का प्रतीक बन चुका है. यह पुल भीषण भूकंप और 260 किमी/घंटा की हवाओं को झेलने में सक्षम है और कश्मीर को रेल मार्ग से देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है.

इसी तरह से आज वंदे भारत एक्सप्रेस, जिसे भारत की तेज़ रफ्तार पहचान के रूप में देखा जा रहा है, पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से निर्मित है. यह 160 किमी/घंटा की गति से चलने में सक्षम है और इसमें जीपीएस-आधारित सूचना प्रणाली, स्वचालित दरवाजे, और बायो-वैक्यूम शौचालय जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं. आत्मनिर्भर भारत अभियान का यह उत्कृष्ट उदाहरण है.भारतीय रेलवे ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी प्रयोग शुरू कर दिए हैं. कई कोचों में सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं, जिससे डीज़ल की खपत में भारी कमी आई है. गुजरात का गांधीधाम स्टेशन, इंदौर, गुवाहाटी, और मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनस जैसे कई प्रमुख स्टेशन पूरी तरह या आंशिक रूप से सौर ऊर्जा से संचालित हो रहे हैं. गुवाहाटी रेलवे स्टेशन भारत का पहला ऐसा स्टेशन बना, जो शत प्रतिशत सौर ऊर्जा से चलता है.

रेलवे की भूमि पर 1 जीडब्ल्यू से अधिक सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की जा चुकी है और आगे यह क्षमता कई गुना बढ़ाई जा रही है. वहीं, रेलवे ने 2030 तक पूरे नेटवर्क के सौ प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य रखा है. इसके पूर्ण होते ही भारत दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीन रेलवे नेटवर्क बन जाएगा. हरित ऊर्जा के साथ-साथ रेलवे का डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन भी ज़ोर पकड़ रहा है. रेलवे ने देश के कई स्टेशनों को ग्रीन स्टेशन का दर्जा दिलाया है. उदाहरण के लिए, हैदराबाद का काचीगुड़ा स्टेशन देश का पहला रेलवे स्टेशन बना, जिसे आईजीबीसी से ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणन प्राप्त हुआ. यह स्टेशन ऊर्जा की खपत कम करने, वर्षा जल संचयन, अपशिष्ट प्रबंधन और सौर ऊर्जा उपयोग जैसे मापदंडों पर खरा उतरा.

रेलवे ने पिछले वर्षों में सभी यात्री कोचों में बायो-वैक्यूम टॉयलेट्स लगाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है. वर्ष 2021 तक लगभग सभी कोचों में बायो-टॉयलेट्स लगाए जा चुके थे, जिससे रेलवे ट्रैकों पर गंदगी गिरने की समस्या लगभग खत्म हो गई है. यह न केवल स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि पर्यावरणीय प्रदूषण को कम करने में भी सहायक है.इतना ही नहीं भारत की हरित रेलवे पहल को संयुक्त राष्ट्र, इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं से प्रशंसा मिली है. इसके साथ ही भारत हाईड्रोजन वेली इनोवेशन प्लेटफॉर्म का भी हिस्सा बना है, जिससे वैश्विक स्तर पर हाइड्रोजन आधारित ऊर्जा समाधानों में सहयोग को बढ़ावा मिल रहा है.

भारतीय रेलवे में हो रहे ये बदलाव केवल तकनीकी नहीं हैं, बल्कि भारत की उस दूरदृष्टि और प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं, जो एक स्वच्छ, तेज, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर बढ़ने का सपना देखती है. हाइड्रोजन ट्रेन इसका प्रतीक है.

रेलवे ने कई स्टेशनों को 'स्मार्ट स्टेशन' में बदलना शुरू किया है. इनमें वाई-फाई कनेक्टिविटी, स्मार्ट एस्केलेटर, इलेक्ट्रॉनिक सूचना डिस्प्ले, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट्स और ऊर्जा दक्ष एलईडी लाइटिंग, स्मार्ट टिकिटिंग सिस्टम, रेल मदद ऐप, फेस रिकग्निशन कैमरे, एआई आधारित निगरानी, और नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एनटीईएस) जैसे नवाचार शामिल हैं. भारतीय रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को मॉडर्न, सुरक्षित और सुगम यात्रा अनुभव देना है. कहना होगा कि भारतीय रेलवे में हो रहे ये परिवर्तन केवल तकनीकी बदलाव नहीं हैं, बल्कि भारत की उस दूरदृष्टि और प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं, जो एक स्वच्छ, तेज़, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर बढ़ने का सपना देखती है. हाइड्रोजन ट्रेन इसका प्रतीक बन चुकी है-एक ऐसी रेल सेवा जो न केवल आगे बढ़ती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध वायु और स्वच्छ ऊर्जा का रास्ता भी बनाती है. वहीं, भारतीय रेलवे अब केवल गंतव्य तक पहुंचने का माध्यम नहीं, बल्कि भारत के सतत और समावेशी विकास की पटरी पर दौड़ती हुई एक प्रेरक गाथा बन चुकी है. वस्तुतः इन सभी प्रयासों से स्पष्ट होता है कि भारतीय रेलवे आज एक परिवहन साधन के साथ ही पर्यावरणीय नेतृत्व, तकनीकी नवाचार और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन चुका है. हरित ऊर्जा की ओर इसकी तीव्र गति, स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों की स्वीकार्यता और टिकाऊ परिवहन की परिकल्पना भारत को विश्व मंच पर एक अग्रणी भूमिका में स्थापित कर रही है.

आज का इतिहास

- **1836:** अमेरिका के हवाई में अंग्रेजी भाषा का पहला अखबार प्रकाशित हुआ.
- **1886:** देश की पहली महिला विधायक एस. मुथुलक्ष्मी रेड्डी का जन्म.
- **1909:** राइट बंधुओं ने सेना के लिए विमान बनाया.
- **1930:** एनबीसी रेडियो पर डेथ वैली डेज का पहला प्रसारण हुआ.
- **1942:** जर्मन की सेना ने बेलारूस के मिंस्क में 25000 यहूदियों की हत्या की.
- **1957:** एक्सपोर्ट रिस्क इंस्योरेंस कॉर्पोरेशन आफ इंडिया प्रा. लिमिटेड की स्थापना.
- **1966:** इंग्लैंड ने फुटबॉल का विश्वकप जीता.
- **1980:** वानूआतो देश को स्वतंत्रता मिली.
- **2002:** कनाडा ने अलकायदा सहित सात समूहों को आतंकवादी संगठन घोषित किया.
- **2007:** चीनी वैज्ञानिकों ने झेंगझाऊ में 50 लाख साल पुरानी चट्टानों की खोज की.
- **2012:** उत्तरी ग्रिड में खराबी के चलते दिल्ली सहित सात राज्यों में बिजली गुल.

खुद में झांक कर देखिए, आप का जीवन भी सुंदर है

चिंतन

किसी शहर से कुछ दूर एक किसान गांव में रहता था. वैसे तो वह संपन्न था पर फिर भी वो खुश नहीं था. एक दिन उसने एक जान -पहचान के रियल एस्टेट एजेंट को बुलाया और बोला, भाई, मुझे ये जगह छोड़नी है, कोई सही प्रॉपर्टी दिल दो तो बात बन जाए. क्यों, क्या दिक्कत हो गयी यहां आपको? एजेंट ने पूछा. आओ मेरे साथ, किसान बोला, देखो कितनी समस्याएं हैं यहां पर, ये खराब रास्ते और ये छोटी सी झील देखो, इसके चक्कर में पूरा घूम कर रास्ता पार करना पड़ता है. क्या करूंगा मैं ऐसी बेकार प्रॉपर्टी का. एजेंट ने इलाके का जायजा लिया और कुछ दिन बाद किसी ग्राहक के साथ आने का वादा किया.

इसके एक–दो दिन बाद किसान सुबह अखबार पढ़ रहा था कि कहीं किसी अच्छी प्रॉपर्टी का पता चल जाए जहां वो सब बेच - चला जाए. तभी उसकी नज़र एक आकर्षक ऐड पर पड़ी, लें सपनो का घर, शांत सुंदर जगह, प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर, सुंदर झील और पहाड़ियों के बीच, शहर की भीड़ से दूर बसाएं स्वस्थ-सुंदर आशियाना. संपर्क करें -XXXXXXX.

किसान को ये ब्यौरा पसंद आया, वो बार-बार ऐड को पढ़ने लगा, पर ध्यान देने पर उसे लगा कि ये तो उसी की प्रॉपर्टी का ऐड है. पुष्टि करने के लिए उसने दिए हुए नंबर पर फ़ोन लगाया और सचमुच ये उसी की प्रॉपर्टी का ऐड था. तब किसान को पता चला कि वो वाकई में अपनी मनचाही जगह पर रहता है और ये उसकी गलती थी कि उसने अपनी ही चीजों को गलत ढंग से देखा.अब किसान वहीं रहना चाहता था. उसने एजेंट को कॉल किया और इस ऐड को हटाने को कहा.

दोस्तों, इसी किसान की तरह ही कई बार हमें भी जीवन से बहुत शिकायत होती हैं, लगता है कि हमारा जीवन ही सबसे बेकार है, हमारी नौकरी में ही ज्यादा प्रेशर है, हमारी पर्सनालिटी ही सबसे खराब है. पर क्या आपने कभी दूसरों की नज़र से अपने को देखने की कोशिश की है? क्या वाकई आपका जीवन इतनी खराब है या आपने खुद उसे ऐसा बना रखा है? किसान की तरह आप भी अपने जीवन के सौंदर्य को अनदेखा तो नहीं कर रहे ? कहीं आपको भी आपकी खुशियां गिनाने के लिए किसी ऐड की ज़रूरत तो नहीं है?

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. नाग पंचमी
2. #PosthumousBodyDonation
3. Dera Sacha Sauda
4. #InternationalTigerDay
5. #GauRaksha
6. #NagPanchami
7. Benefits Of Desi Cow
8. अंतरराष्ट्रीय बाघ
9. #NimishaPriya
10. मेडिकल रिसर्च

बहुरंग

बॉक्स ऑफिस पर थमी नहीं 'सैयारा' की रफ्तार, दर्शकों को खूब भा रही जोड़ी

'सैयारा' ने 18 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी और तभी से यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. हर दिन नए रिकॉर्ड बना रही 'सैयारा' ने अपने रिलीज के 10वें दिन भी शानदार प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया कि इसका जादू अभी थमा नहीं है. 'सैयारा' ने अपनी रिलीज के 10वें दिन बॉक्स ऑफिस पर 30 करोड़ रुपये की कमाई की है. इसी के साथ फिल्म का घरेलू कलेक्शन 247.25 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है. केवल भारत ही नहीं, विदेशों में भी फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया है और दुनियाभर में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. गौरतलब है कि 'सैयारा' अब इस साल की 'छावा' के बाद दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है. इसने 'हाउसफुल 5' और 'रेड 2' जैसी बड़ी फिल्मों को भी कमाई के मामले में पीछे छोड़ दिया है. 'सैयारा' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत करते हुए 21.5 करोड़ रुपये की ओपनिंग ली थी. दूसरे दिन फिल्म ने 26 करोड़, तीसरे दिन 35.75 करोड़ और चौथे दिन 24 करोड़ रुपये की कमाई की. पांचवें दिन भी फिल्म का जलवा बरकरार रहा और इसने 25 करोड़ रुपये जुटाए. छठे दिन 21 करोड़, जबकि सातवें दिन 19 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ. इस तरह फिल्म ने अपने पहले हफ्ते में कुल 172.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. इसके बाद आठवें दिन 18 करोड़ और नौवें दिन 26.5 करोड़ रुपये की कमाई के साथ इसका ग्राफ लगातार ऊपर चढ़ता रहा.

'सैयारा' के साथ अनन्या पांडे के चचेरे भाई अहान पांडे ने बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया है, वहीं अनीत पड्डा की भी यह बतौर लीड एक्ट्रेस पहली फिल्म है.

वरुण धवन की हीरोइन बनीं मेधा राणा

आने वाले दिनों में कई बड़ी फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं, जिनमें से एक बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बॉर्डर 2' भी है. खासकर देशभक्ति फिल्मों के चाहने वालों के लिए यह फिल्म किसी ट्रीट से कम नहीं होगी. फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ जैसे सितारे दमदार भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, मेधा राणा भी इस फिल्म का हिस्सा बन गई हैं. वह फिल्म में वरुण धवन के अपोजिट नजर आएंगी. इस फिल्म के जरिए मेधा एक बड़े बजट की वॉर-ड्रामा में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने जा रही हैं.

रिपोर्ट के अनुसार, 'बॉर्डर' के लिए वरुण धवन की हीरोइन की तलाश काफी वक्त से जारी थी, जो अब जाकर मेधा राणा के नाम पर खत्म हुई है. फिल्म में मेधा वरुण की प्रेमिका की भूमिका निभाती नजर आएंगी. मेधा के लिए यह फिल्म किसी सपने से कम नहीं है एक मेनस्ट्रीम वॉर-ड्रामा में बड़े सितारों के साथ स्क्रीन शेयर करने का यह शानदार मौका है, जिससे वह खुद को बड़े पर्दे पर साबित कर सकती हैं. इससे पहले मेधा शांतनु माहेश्वरी के साथ एमएक्स प्लेयर की वेब सीरीज 'इश्क इन द एयर' में नजर आ चुकी हैं, मेधा को बाबिल खान अभिनीत फिल्म 'फ्राइडे नाइट प्लान' में भी देखा गया था. जहां उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस से दर्शकों का ध्यान खींचा था. निर्माता भूषण कुमार ने मेधा राणा की तारीफ करते हुए कहा, मेधा एक सैन्य परिवार से ताल्लुक रखती हैं और उनकी क्षेत्रीय बोली पर शानदार पकड़ है. हमें ऐसी अभिनेत्री की तलाश थी जो इस क्षेत्र की भाषा, संस्कृति और भावनाओं को पूरी प्रामाणिकता से निभा सके. मेधा ने न सिर्फ अपनी एक्टिंग स्किल्स से, बल्कि अपनी सहजता, बोली की समझ और इमोशनल रेंज से पूरी टीम को प्रभावित किया. उनकी मौजूदगी फिल्म में एक नई ताजगी और गहराई लेकर आएगी. 'बॉर्डर 2' का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं और इसे जेपी दत्ता व भूषण कुमार संयुक्त रूप से प्रोड्यूस कर रहे हैं. यह फिल्म 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी. खास बात यह है कि यह 'बॉर्डर' का सीक्वल नहीं है, बल्कि एक नई कहानी पर आधारित फिल्म है. इसमें नए कलाकारों के साथ एक नया युद्ध और पूरी तरह नए किरदार देखने को मिलेंगे. यहां तक कि सनी देओल भी उस किरदार में नहीं हैं, जिसे उन्होंने 1997 की 'बॉर्डर' में निभाया था.

अक्षय कुमार ने मुंबई के बोरिवली में अपने दो फ्लैट्स बेचे

'सूर्यवंशी' के बाद अक्षय कुमार की कोई फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी कमाई नहीं कर पाई है. हालांकि, फिल्मों से कम कमाई के बावजूद अक्षय अपनी निवेश की गई संपत्तियों से मोटा मुनाफा कमा रहे हैं. हाल ही में उन्होंने मुंबई में मौजूद अपनी दो प्रॉपर्टी बेच दीं, जिससे उन्हें लगभग दोगुना फायदा हुआ है. अक्षय ने मुंबई के बोरीवली ईस्ट में एक ही हाउसिंग प्रोजेक्ट्स में 2 संपत्तियां कुल 7.10 करोड़ रुपये में बेची हैं. खास बात ये है कि साल 2017 में अक्षय ने इन दोनों संपत्तियों को 3.7 करोड़ रुपये में खरीदा था. इसका मतलब है कि करीब 8 साल में इन दोनों संपत्तियों से अक्षय को 3.4 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है यानी इनमें करीब 90 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है. अक्षय कुमार द्वारा बेची गई दोनों संपत्तियां बोरीवली ईस्ट स्थित स्काई सिटी प्रोजेक्ट में हैं, जो करीब 25 एकड़ में फैला हुआ है. ये दोनों फ्लैट्स एक-दूसरे के पास ही स्थित हैं. पहली प्रॉपर्टी का एरिया 1,101 वर्ग फुट है, जिसे अक्षय ने साल 2017 में 3.02 करोड़ रुपये में खरीदा था और अब इसे 5.75 करोड़ रुपये में बेचा गया है. वहीं दूसरी संपत्ति 252 वर्ग फुट की है, जिसे उन्होंने 2017 में 67.90 लाख रुपये में खरीदा था और अब यह 1.35 करोड़ रुपये में बिकी है. दोनों सौदे जून 2025 में रजिस्टर्ड हुए हैं.

कलर्स टीवी के लाफ्टर शेफ 2 ने इस बार दर्शकों को खूब हंसाया और लुभाया

कलर्स टीवी का लोकप्रिय रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ 2' ने इस बार भी दर्शकों को खूब हंसाया और लुभाया. प्रतियोगियों ने जहां अपनी कमाल की कॉमिक टाइमिंग, वहीं दूसरी ओर शानदार कुकिंग स्किल्स से लाखों दिलों पर राज किया. लंबे इंतजार और रोमांचक मुकाबलों के बाद आखिरकार शो को उसकी विजेता जोड़ी मिल गई है. फैंस बेसब्री से जानना चाह रहे थे कि इस बार सेलेब कुकिंग शो की ट्रॉफी किसके नाम होगी और अब पर्दा उठ चुका है. करण कुंद्रा और एल्विश यादव की जोड़ी ने शानदार परफॉर्मेंस के दम पर 'लाफ्टर शेफ 2' की ट्रॉफी अपने नाम कर ली है.

'लाफ्टर शेफ सीजन 2' के भव्य फिनाले में तीन जोड़ियां अंकिता लोखंडे-विक्की जैन, करण कुंद्रा-एल्विश यादव और अली गोनी-रीम शेख आमने-सामने थीं. लेकिन अंत में, जबर्दस्त परफॉर्मेंस और दर्शकों के प्यार के दम पर करण और एल्विश की जोड़ी ने बाकी दोनों जोड़ियों को पीछे छोड़ते हुए विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया. कलर्स चैनल ने विजेता जोड़ी की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं, जिनमें करण और एल्विश ट्रॉफी हाथ में लिए खुशी से झूमते नजर आ रहे हैं. दोनों के चेहरे पर जीत की चमक और बड़ी मुस्कान फैंस का दिल जीत रही है. जीत के बाद एल्विश यादव-शो की जीत के बाद एल्विश यादव ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, जब मैंने इस शो से जुड़ने का फैसला किया था, तब कभी नहीं सोचा था कि आप सभी से मुझे इतना प्यार मिलेगा. मेरे पास शब्द नहीं हैं यह बताने के लिए कि मैं आप सभी का कितना आभारी हूं. जो दया, प्यार और समर्थन आपने मुझे दिया, वो वाकई में बेमिसाल है.

बॉलीवुड न्यूज

72 करोड़ की संपत्ति संजू के नाम कर गई थी उनकी फैन

कलाकारों और उनके प्रशंसकों का एक अनोखा रिश्ता होता है. कुछ प्रशंसक अपने पसंदीदा कलाकारों के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं. अब तक प्रशंसकों द्वारा अपने पसंदीदा कलाकारों के लिए किए गए कई अजीबोगरीब, अच्छे और अनोखे काम चर्चा में रहे हैं.

ऐसे किस्से बहुत कम सुनने को मिलते हैं जब कोई इंसान किसी गैर को अपनी पूरी संपत्ति सौंप दे. मगर बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता संजय दत्त के साथ कुछ ऐसा ही हुआ था, जिसने सबको हैरान कर दिया. हाल ही में संजय दत्त ने अपनी जिंदगी का एक ऐसा किस्सा शेयर किया, जिसने सभी का ध्यान खींचा. बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त की जिंदगी में एक ऐसा पल भी आया, जिसने उन्हें हैरानी में डाल दिया. बात 2018 की है, जब उन्हें पुलिस की ओर से एक फोन आया. फोन पर उन्हें बताया गया कि उनकी एक महिला प्रशंसक ने अपनी 72 करोड़ रुपये की संपत्ति उनके नाम कर दी है. यह खबर सुनकर संजय दत्त स्तब्ध रह गए. एक इंटरव्यू के दौरान जब अभिनेता संजय दत्त से पूछा गया कि क्या यह सच है कि एक महिला प्रशंसक ने अपनी 72 करोड़ रुपये की संपत्ति उनके नाम कर दी थी, तो उन्होंने बेझिझक इस बात की पुष्टि करते हुए हां कहा. इसके बाद जब उनसे यह पूछा गया कि उन्होंने उस धनराशि का क्या किया, तो संजय दत्त ने जवाब दिया, मैंने उस महिला के परिवार को वापस कर दिया.

आचार्य प्रणव मिश्रा

मोबाइल नंबर 8210075897

मेष : कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. कल का परिश्रम आज लाभ देगा. यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. जोखिम से दूर रहना ही बुद्घिमानी होगी. आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे. शुभांक-3-5-7

वृष : नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे. यात्रा शुभ रहेगी. अपने काम को प्राथमिकता से करें. कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे. शुभांक-2-5-7

मिथुन : सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी. आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी. यात्रा शुभ रहेगी. अपने काम पर पैनी नजर रखिए. विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा. स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा. शुभांक-2-5-6

कर्क : समय पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. आलस्य का त्याग करे. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. शुभांक-1-4-8

सिंह : यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. जोखिम से दूर रहना ही बुद्घिमानी होगी. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. व्यापार में वृद्घि होगी. नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा. शुभांक-2-6-8

कन्या : शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है. शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी. पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. शुभांक-3-5-8

तुला : खान-पान में सावधानी रखें. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. मान-सम्मान में वृद्घि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें. आगे से रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. शुभांक-3-5-8

वृश्चिक : समाज में मान-सम्मान मिलेगा. कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा. ज्ञान-विज्ञान की वृद्घि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. शुभांक-1-3-5

धनु : कुछ कार्य भी सिद्घ होंगे. व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है. प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा. अवरुद्घ कार्य संपन्न हो जाएंगे. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें. संतान की उन्नति के योग हैं. सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा. शुभांक-5-7-9

मकर : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा. धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा. कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. शुभांक-1-6-8

कुंभ : सुख-आनंददायी समय है. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा. कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा. सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी. मनोविनोद बढ़ेंगे. व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है. ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा. शुभांक-1-3-8

मीन : शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. कामकाज की अधिकता रहेगी. लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा. व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी. कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा. धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी. सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा. शुभांक-5-7-9

दो खंभों पर समुद्र के बीच बसा हुआ दुनिया का सबसे छोटा देश

इंग्लैंड के पास स्थित सीलैंड दुनिया का सबसे छोटा देश है, लेकिन आपको जानकर आश्चर्य होगा कि यह समुद्र के बीच दो बड़े खंभों के ऊपर बसा है। इस देश को माइक्रो नेशन कहा जाता है। इसका क्षेत्रफल मात्र 250 मीटर है। यहां 50 से भी कम लोग रहते हैं। हालांकि इसे अंतर्राष्ट्रीय मान्यता नहीं मिली है लेकिन इनकी अपनी मुद्रा और स्टाम्प टिकट है। बता दें कि ब्रिटेन ने द्वितीय विश्वयुद्ध के समय इसका निर्माण किया था। फिर इसे खाली करा दिया गया। इस पर अलग-अलग लोगों का कब्जा रहा। साल 2012 में सीलैंड के प्रिंस के तौर पर रॉय बेट्स नाम के शख्स ने खुद को पेश किया। उनकी मौत के बाद उनके बेटे माइकल ने गद्दी संभाल ली।

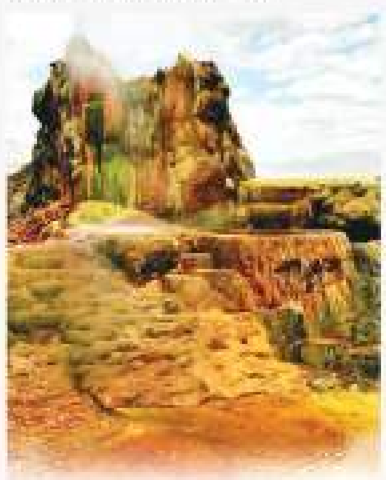

ये है गर्म पानी का फव्वारा, जानिए क्या है इसका रहस्य

यह तस्वीर है फ्लाई गीजर यानी गर्म पानी के फव्वारे की। यह फव्वारा हमेशा गर्म पानी फेंकता है। अमेरिका के एक छोटे से शहर नेवाडा में स्थित यह रहस्यमयी और अजब-गजब फव्वारा प्राकृतिक रूप से बना है जिसकी खोज एक किसान ने की थी। किसान खेती के लिए गड्ढा खोद रहा था और पानी का स्तर बहुत नीचे था तो उसे गहरा गड्ढा खोदना पड़ा। लेकिन ये क्या! गहराई में निकला पानी बेहद गर्म था। पानी दो सौ डिग्री तापमान में खौल रहा था। यह देखकर वह भाग खड़ा हुआ। पानी का तेज दबाव होने और खूब गर्म होने के कारण इसे फ्लाई गीजर का नाम दिया गया। इस गड्ढे ने समय के साथ खूबसूरत रूप ले लिया। गर्म पानी में जो खनिज थे उसके वजह से इसने रंग बिरंगे पहाड़ का रूप ले लिया जिसमें से गर्म पानी फव्वारे की तरह आता है।

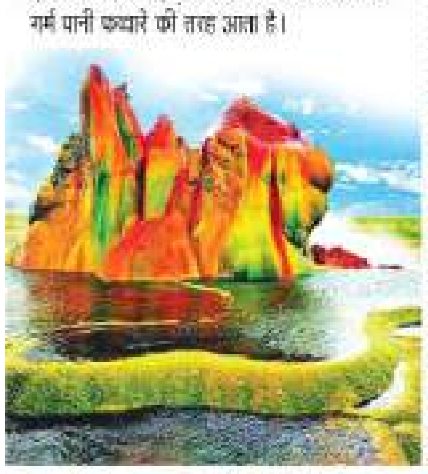

बेहद अनोखा है रेगिस्तान में जश्न का तरीका

बर्निंग मैन फेस्टिवल

दुनियाभर में कई तरह के फेस्टिवल होते हैं, जो अपने आप में खास होते हैं. इनकी खासियत ही इन्हें एक दूसरे से हटकर बनाती है. लेकिन क्या आपने कभी ऐसे फेस्टिवल के बारे में सुना है जिसमें लोग पूरा शहर ही जलाकर राख कर देते हैं. हैरानी की बात तो ये है कि ऐसा करने पर लोगों को बधाई भी दी जाती है और उनकी तारीफ की जाती है. ये पूरा फेस्टिवल रेगिस्तान में आयोजित किया जाता है, जहां सबकुछ जलने के बाद रेत पर राख का सिर्फ काला रंग ही पसरा होता है. ये अनोखा फेस्टिवल अमेरिका के नेवाडा प्रांत में स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में आयोजित किया जाता है.

बड़ी मेहनत से जी-जान लगाकर, अपना समय देकर, अपनी रचनात्मकता का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए आपने कोई चीज तैयार की हो, तो आप उसे कितना सहेज कर रखेंगे ना! लेकिन क्या आप अपनी ही उस खूबसूरत कलाकृति को खुद आग लगाने की हिम्मत कर सकते हैं। नहीं ना, लेकिन अपनी कलाकृति को आग लगाने का एक फेस्टिवल अमेरिका के नेवाडा प्रांत स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में मनाया जाता है। इस फेस्टिवल को बर्निंग मैन फेस्टिवल के नाम से जाना जाता है। रेगिस्तान में होने वाला यह अनोखा फेस्टिवल अगस्त के आखिरी रविवार से शुरू होता है और सितंबर के पहले सोमवार तक चलता है। इसमें लोग खुद कई तरह की कला से जुड़ी चीजें तैयार करते हैं। एक तरह से अपना एक शहर बसाते हैं। नाच-गाना होता है और इन कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगती है। लेकिन फेस्टिवल के आखिरी दिन खुद की बनाई कलाकृतियों को वे खुद जला देते हैं।

यह काम आसान नहीं है लेकिन इस फेस्टिवल की फिलॉसफी ही यही है कि खुद की रचना को जलाने से अहंकार भी राख हो जाता है। 1986 में सेन फ्रांसिस्को के बेकर बीच पर पहली बार ये फेस्टिवल आयोजित किया गया था और आज तक इसका आयोजन हो रहा है। कला और संगीत के इस आयोजन में दस हजार से ज्यादा लोग इकट्ठा होते हैं।

दुनियाभर में कई तरह के फेस्टिवल होते हैं, जो अपने आप में खास होते हैं. इनकी खासियत ही इन्हे एक दूसरे से हटकर बनाती है. लेकिन क्या आपने कभी ऐसे फेस्टिवल के बारे में सुना है जिसमें लोग पूरा शहर ही जलाकर राख कर देते हैं. हैरानी की बात तो ये है कि ऐसा करने पर लोगों को बधाई भी दी जाती है और उनकी तारीफ की जाती है. ये पूरा फेस्टिवल रेगिस्तान में आयोजित किया जाता है, जहां सबकुछ जलने के बाद रेत पर राख का सिर्फ काला रंग ही पसरा होता है. ये अनोखा फेस्टिवल अमेरिका के नेवाडा प्रांत में स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट में आयोजित किया जाता है. इस फेस्टिवल का नाम बर्निंग मैन फेस्टिवल है, जिसमें हर साल हजारों लोग पहुंचते हैं. इस बार इसमें करीब 70 हजार लोगों ने शिरकत की. यहां आने वाले लोग अपने हिसाब से पहले शहर बनाते हैं और फिर फेस्टिवल के अंत में वो खुद अपने हाथों ही सबकुछ जला देते हैं.

साल 1986 से शुरू किए गए इस फेस्टिवल में पहली बार सिर्फ 80 लोग ही आए थे. लेकिन बाद में ये इतना पॉपुलर हुआ कि हर साल ये संख्या बढ़ती ही गई. यहां पर लोग आते हैं और खुद का शहर बसाते हैं. वो कई कलात्मक वाहन और दूसरी कला से जुड़ी चीजें बनाते हैं. इस दौरान नाचना-गाना भी होता है और कला की प्रदर्शनी भी होती है.

फेस्टिवल के आखिरी दिन ये लोग खुद की बनाई कला को जला देते हैं, ऐसा वो यहां की फिलॉसफी के कारण करते हैं, जिसमें माना जाता है कि खुद ही अपनी रचना को जलाकर अहं भी राख हो जाता है. यहां लोगों को अपने तरीके से जीने की आजादी दी जाती है. उन पर किसी भी तरह की रोक नहीं लगाई जाती है, ताकि वो सही मायने में आजादी का मतलब समझ सकें.

इस फेस्टिवल का सिर्फ एक नियम भी है, जो कम हैरान करने वाला नहीं है. यहां पर ऐसी किसी भी चीज का उपयोग नहीं कर सकते हैं, जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए. इस नियम के कारण ही यहां पर प्लास्टिक के सामान से लेकर फ्यूल वाहन तक बैन हैं. आप यहां पर सिर्फ साइकिल या पैदल ही घूम सकते हैं.

एक व्यक्ति पर होता है 65000 रुपए का खर्च

फेस्टिवल में कला और संगीत को जगह दी गई है। हर कोई वह काम करता है, जो उसका फेवरेट होता है। अमेरिका में हर साल होने वाले इस त्योहार में हजारों लोग शामिल होते हैं और कई चीजों से अलग-अलग आकृतियां बनाकर दुनिया को दिखाते हैं। यह जरूरी नहीं कि यह आकृतियां आकर्षक हो इसलिए ज्यादातर आकृतियां अजीब ही होती हैं। इतना ही नहीं इस फेस्टिवल में लोग अलग और अजीब वेशभूषा भी धारण करते हैं। इस फेस्टिवल में कोई नियम नहीं है कि आप खुद को कैसे प्रेजेंट करते हैं। इस त्योहार को संस्कृति में लेने देने वाला पर्व भी कहते हैं। यहां पर खुले मैदान में दूर से दिखने वाली आकर्षक आकृति लकड़ी से बनाई जाती है, जिसे अंतिम दिन जला दिया जाता है। इस तरह पर्व समाप्त हो जाता है। इसे फेस्टिवल ऑफ फायर भी कहते हैं।

फेस्टिवल के लिए अस्थायी तौर पर ब्लैक रॉक सिटी बनती है। 25 हजार रुपए का टिकट खरीदकर उसके सदस्य बनते हैं। पिछले साल 65 हजार लोग वहां पहुंचे थे। एक व्यक्ति का खर्च तकरीबन 65 हजार रुपए होता है। तकरीबन 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में हजारों लोग अपनी धुन में मग्न रहते हैं। हजारों लोग रेगिस्तान में नाचने, गाने और अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए इकट्ठा होते हैं।

तीन दोस्तों ने की थी शुरुआत

द बर्निंग मैन फेस्टिवल की शुरुआत साल 1986 में कलाकार लैरी हार्वे ने मित्र जॉन ला और जैरी जेम्स के साथ सैन फ्रांसिस्को के बेकर तट पर की थी। उस समय 9 फीट ऊंचा लकड़ी का पुतला जलाया गया था और तभी से पुतले जलाने की परंपरा है। इस समय यह फेस्टिवल अमेरिका के अलावा दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, स्पेन, स्वीडन, इजराइल, जापान, दक्षिण कोरिया और कनाडा में भी मनाया जाता है।

कहाँ है ब्लैक रॉक रेगिस्तान

यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका (यूएसए) के नेवाडा राज्य में स्थित ब्लैक रॉक डेजर्ट, एक अर्द्ध-शुष्क क्षेत्र है। -21 जून 1986 से इस रेगिस्तान में बर्निंग मैन-फेस्टिवल मनाया जाता है। यहां दुनियाभर से आए लोग सेलफोन, इंटरनेट, जैसी अत्याधुनिक सुख-सुविधाओं से दूर रहकर पारम्परिक नाच-गाने और गीत संगीत के बीच एक सप्ताह गुजारते हैं।

...क्या अमेरिका के पास हैं एलियन?

एलियन को लेकर अक्सर चर्चा होती है। दुनिया में कई ऐसे हैं जो एलियन और यूएफओ देखने के दावा करते हैं। अब इस बीच अमेरिका ने एलियन को लेकर बड़ा खुलासा किया है। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन की रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका गुप्त रूप से एलियन टेक्नोलॉजी या एलियन जीवों को जनता से नहीं छिपा रहा है। पेंटागन ने ऑल डोमेन एनोमली रेजोल्यूशन ऑफिस की तरफ से जांच के बाद निष्कर्षों को जारी किया। ऑल डोमेन एनोमली रेजोल्यूशन ऑफिस की स्थापना साल 2022 में की गई थी। इसका उद्देश्य विषम, अज्ञात स्थान, हवाई और जलमग्न खतरों के बारे में पता लगाने और उन्हें कम करना है। पेंटागन की तरफ से पहले भी एलियन जीवन से जुड़ी रिपोर्ट जारी की जाती रही है। अमेरिका पर काफी लंबे समय से एलियन की जानकारी छिपाने के आरोप लगते हैं। आइए जानते हैं कि इस रिपोर्ट में अमेरिका ने क्या कहा है?

पेंटागन ने एलियन पर किया बड़ा खुलासा

पेंटागन ने अपनी रिपोर्ट में कहा एक कहानी बताई जाती है कि अमेरिका की सरकार ने कई एलियन एयरक्राफ्ट और अलौकिक जीवन के अवशेष की खोज की है। 1940 के दशक से इन कहानियों की शुरुआत हुई है। इसमें कहा जाता है कि अमेरिका ने जानकारियों को लोगों और कांग्रेस से छिपाकर रखा है। इस पर रिवर्स इंजीनियरिंग कर रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि टेलीविजन प्रोग्राम, किताबों, फिल्मों, इंटरनेट और सोशल मीडिया पर मौजूद सामग्री लोगों में इनसे जुड़ी मान्यताओं को मजबूत किया है।

जांचकर्ताओं को अमेरिका के सभी जरूरी संवेदनशील प्रोग्राम तक जाने की इजाजत दी थी। उनके द्वारा 1945 के बाद से सभी आधिकारिक सरकारी जांच प्रयासों की समीक्षा की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसा कोई सबूत नहीं मिला, जिससे यह पता चल सके कि अमेरिकी सरकार की जांच यूएफओ देखने या एलियन से संबंधित है। पेंटागन के एक प्रवक्ता ने बताया कि जांचकर्ताओं को इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि आसमान में कोई अज्ञात चीजें मिली हों।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 1950 और 60 के दशक में यूएफओ देखने से जुड़ी रिपोर्ट में बढ़ोत्तरी हुई है। इसकी वजह नई नई टेक्नोलॉजी का विकास हो सकता है।

दरअसल, इस दौरान जासूसी विमानों और अंतरिक्ष तकनीक को टेस्ट किया जा रहा था, जिसमें ऊंचाई वाले गुब्बारे शामिल थे। इनमें से एक 1947 में न्यू मैक्सिको के पास हादसे का शिकार हुआ। इसने यूएफओ की अटकलों को बढ़ावा मिला, लेकिन रिपोर्ट में डेटा की कमी और वीडियो फुटेज की खराब गुणवत्ता की भी बात कही गई है।

इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से, शार्दुल-अंशुल होंगे बाहर? बुमराह-सिराज पर थकान हावी

आकाशदीप, प्रसिद्ध कृष्णा और कुलदीप की दावेदारी है मजबूत

एजेंसी। नयी दिल्ली

इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड टेस्ट को शानदार ढंग से ड्रॉ कराने के बावजूद भारतीय टीम को पांचवें टेस्ट में आदर्श प्लेइंग-11 की तलाश है. पांच मैचों की सीरीज का अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से द ओवल में खेला जाएगा. भारतीय टीम प्रबंधन गेंदबाजी संयोजन में परिवर्तन कर सकता है. बल्लेबाजी में आठवें क्रम तक गहराई देने के लिए एक विशुद्ध गेंदबाज को बाहर बिठाने के निर्णय पर सवाल उठ रहे हैं.मैनचेस्टर टेस्ट के बाद भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग का दौरा किया. इस दौरान भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा, 'दुनिया के इस हिस्से का दौरा करना हमेशा से ही रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहा है, क्योंकि दोनों देशों के बीच का इतिहास कभी नहीं भुलाया जा सकता. हमने हर बार इंग्लैंड दौरे पर मिले समर्थन की कद्र की है. पिछले पांच हफ्ते दोनों देशों के लिए वाकई रोमांचक रहे हैं. मुझे यकीन है कि जिस तरह का क्रिकेट खेला गया, उसने हर क्रिकेट प्रेमी को गौरवान्वित किया है. दोनों टीमों ने खूब जोर लगाया और हर मिनट संघर्ष किया. हमारे पास एक हफ्ता और है. एक आखिरी कोशिश करनी है. अपने देश को गौरवान्वित करने का एक आखिरी मौका देना है.

शार्दुल का फॉर्म चिंता का विषय : चोटिल ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी की जगह शामिल किए शार्दुल ठाकुर से सिर्फ 11 ओवर फिंकवाने की भी आलोचनाएं हो रही हैं. शार्दुल इस सीरीज में गेंदबाजी से दमखम दिखाने में भी नाकाम रहे हैं. उनकी गेंदबाजी को विपक्षी बल्लेबाज आसानी से खेल रहे हैं. वर्ष 2014 के बाद पहली बार 600 से ज्यादा रन के बाद बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव का अंतिम एकादश में लिए जाने का दावा और मजबूत हुआ है. चाइनामैन कुलदीप को विकेट लेने वाला गेंदबाज माना जाता है, लेकिन इस सीरीज में पिछले 40 दिन से वह एक नेट गेंदबाज ही बनकर रह गए हैं.

अंशुल छाप छोड़ने में रहे नाकाम : अपने डेब्यू टेस्ट में निष्प्रभावी रहे युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को पांचवें टेस्ट में आराम दिया जा सकता है और उनकी जगह फिटनेस हासिल कर चुके आकाशदीप या प्रसिद्ध कृष्णा को लिया जा सकता है. कुलदीप की तरह इस दौरे में सिर्फ यात्री बनकर रह गए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की हाथ की चोट भी अब ठीक हो गई है. उनका भारत के लिए टेस्ट डेब्यू का सपना भी पूरा हो सकता है. हालांकि भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि उनके सभी गेंदबाज फिट हैं, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज पर थकान हावी है.

कुलदीप का दावा मजबूत

शार्दुल को आराम देकर चार विशुद्ध गेंदबाज लिए जा सकते हैं. अब यह चौथा गेंदबाज कुलदीप हो सकते हैं क्योंकि ओवल में पिच स्पिन को मदद कर सकती है या फिर एक तेज गेंदबाज लिया जा सकता है. भारतीय टीम प्रबंधन पहले खुद स्वीकार कर चुका है कि वह कुलदीप को एकादश में लेना चाहते हैं, लेकिन आठवें नंबर तक बल्लेबाजी के कारण ऐसा नहीं कर पा रहे हैं. गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने कहा था कि हम कुलदीप के लिए राह तलाश रहे हैं, लेकिन इसके लिए हमारे शीर्ष छह बल्लेबाजों को निरंतर अच्छा करना होगा.

अर्शदीप को मिल सकता है डेब्यू का मौका

कुलदीप एक विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं और इस समय अच्छी गेंदबाजी भी कर रहे हैं. पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन भी कह चुके हैं कि वह समझ नहीं पा रहे हैं कि कुछ अतिरिक्त रनों के लिए आठवें नंबर तक बल्लेबाजी क्यों रखी जा रही है जबकि कुलदीप जैसा गेंदबाज बाहर बैठा, जबकि वह बल्लेबाज से कुछ योगदान भी कर सकता है. अगर शार्दुल, अंशुल, बुमराह और सिराज चारों ही बाहर होते हैं तो कुलदीप, आकाश दीप, अर्शदीप और प्रसिद्ध कृष्णा को मौका मिल सकता है.

पंत की अनुपस्थिति में शीर्ष-6 में खेल सकते हैं जडेजा

मैनचेस्टर में यादगार ड्रॉ के शिल्पकार रहे ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की चोट के कारण बल्लेबाजी में शीर्ष-6 में लाया जा सकता है. यदि ओवल में इसी क्रम को अपनाया जाता है तो विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को बल्लेबाजी में सातवें नंबर पर लाया जा सकता है. एक चीज और देखने लायक हो सकती है, वह है विकेटकीपर का हल निकालना. अगर राहुल विकेटकीपिंग के लिए तैयार होते हैं तो करुण नायर को भी खिलाया जा सकता है, लेकिन राहुल चारों टेस्ट से टीम का हिस्सा हैं और वह भी थके हुए होंगे. साथ ही उन्होंने इस प्रारूप में पिछले काफी समय से विकेटकीपिंग नहीं की है. ऐसे में टीम मैनेजमेंट जोखिम नहीं उठाना चाहेगा. साथ ही

ऐसी हो सकती है प्लेइंग-11: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, आकाश दीप/जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह/मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा/अंशुल कंबोज.

कनाडियन ओपन : पहले राउंड में जीत के साथ बाउचर्ड का संन्यास टला

राडुकानू व ओसाका भी दूसरे दौर में

एजेंसी ।लॉस एंजेल्स

कनाडियन ओपन के पहले राउंड में सोमवार को घरेलू दर्शकों के सामने खेलते हुए कनाडा की युजिनी बाउचर्ड ने कोलंबिया की एमिलियाना अरांगो को 6-4, 2-6, 6-2 से हराकर अपने संन्यास की योजना को फिलहाल टाल दिया. पूर्व वर्ल्ड नंबर-5 बाउचर्ड ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि यह टूर्नामेंट उनके करियर का आखिरी होगा. लेकिन इस जीत के बाद उन्होंने अपने फैसले में एक शर्त जोड़ दी.मैच के बाद कोर्ट पर दिए इंटरव्यू में बाउचर्ड ने कहा, "अगर मैं यह टूर्नामेंट जीतती हूं, तो रिटायर नहीं होंगी.यह उनका इस साल का दूसरा सिंगल्स मुकाबला था. उन्होंने पहला सेट दमदार फोरहैंड विनर से जीता, लेकिन दूसरे सेट में लगातार अनफोर्स्ड एरर के चलते अरांगो ने वापसी की. निर्णायक सेट में बाउचर्ड ने 3-1 की बढ़त बनाई और फिर एक शानदार वॉली लगाकर 4-1 की लीड हासिल की. 31 वर्षीय वाइल्डकार्ड बाउचर्ड अब दूसरे दौर में 17वीं सीड स्विट्ज़रलैंड की बेलिंडा बेनसिच से भिड़ेंगी.

राडुकानू और ओसाका भी अगले दौर में : दूसरे राउंड में मिली जीत यूजिनी बुकार्ड के करियर की 300वीं मैच जीत थी. बुकार्ड को उम्मीद है कि यह उनकी आखिरी जीत नहीं होगी. डब्ल्यूटीए आंकड़ों के मुताबिक, वह अब तक बेलिंडा बेंचिच के खिलाफ तीन में से एक भी मुकाबला अपने नाम नहीं कर पाई हैं. बुकार्ड ने जीत के बाद कहा, मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने किस तरह प्रतिस्पर्धा की. मैंने पूरे मैच के दौरान फोकस और संघर्ष किया. यह एक शारीरिक और मानसिक लड़ाई थी. मॉन्ट्रियल में सबके सामने खेलना वाकई अद्भुत था.इस बीच, एम्मा राडुकानू और नाओमी ओसाका ने पहले राउंड में सीधे सेटों में जीत दर्ज की.राडुकानू ने नॉर्थ अमेरिकन समर हार्ड-कोर्ट सीजन की मजबूत शुरुआत को जारी रखते हुए रोमानिया की एलेना-गैब्रिएला रुसे को 6-2, 6-4 से हराया.पीआईएफ डब्ल्यूटीए सिंगल्स रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर 33 तक पहुंच चुकीं एम्मा राडुकानू ने पिछले हफ्ते वॉशिंगटन डीसी में हार्ड कोर्ट पर इस सीजन के अपने पहले सेमीफाइनल में पहुंचीं. मॉन्ट्रियल में उन्होंने समर हार्ड-कोर्ट सीजन की एक और जीत हासिल की, जहां एलेना-गैब्रिएला रुसे को 1 घंटे 37 मिनट के खेल में हराया.दूसरे दौर में राडुकानू का सामना अमेरिका की नंबर 32 वरीयता प्राप्त पेटन स्टर्न्स से होगा, जिन्हें पहले राउंड में बाई मिला था.वहीं, मॉन्ट्रियल के सेंटर कोर्ट पर खेले गए अगले मुकाबले में जापान की चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने कनाडा की क्वालीफायर एरियाना आर्सनॉल्ट को 6-4, 6-2 से हराया. यह मैच 1 घंटे 16 मिनट तक चला.दूसरे दौर में ओसाका का सामना नंबर 13 सीड ल्यूडमिला समसोनोवा से होगा. दोनों के बीच अब तक चार मुकाबले हुए, जिनमें से दो ओसाका ने जीते. खास बात यह है कि दोनों हार्ड कोर्ट पर ही आए हैं.

पुरुष वर्ग में वॉल्टन और करेनो बुस्टा की जीत

टोरंटो में खेले जा रहे पुरुष वर्ग में ऑस्ट्रेलिया के एडम वॉल्टन ने फ्रांस के बेंजामिन बॉन्ज़ी को 4-6, 6-0, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई, जहां अब उनका सामना टॉप सीड जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा .स्पेन के पाब्लो करेनो बुस्टा, जो 2022 में इस टूर्नामेंट के चैंपियन रहे थे, ने भी शानदार वापसी करते हुए लियाम ड्रैक्सल को 2-6, 6-4, 6-4 से हराया .इस बीच टूर्नामेंट से कई दिग्गज खिलाड़ियों ने नाम वापस ले लिया है, जिनमें विश्व नंबर-1 आर्यना सबालेंका, जानिक सिनर, कार्लोस अल्कारेज़, नोवाक जोकोविच और जैक ड्रेपर शामिल हैं .

पिछले 9 टेस्ट मैचों में टीम इंडिया का हाल बेहाल

आंकड़ों के लिहाज से आयरलैंड की टीम भी भारत से बेहतर

एजेंसी ।नई दिल्ली

टीम इंडिया का टेस्ट रिकॉर्ड पिछले 9 मैचों में बहुत खराब है. टीम इंडिया के टेस्ट स्टैट्स पिछले 9 टेस्ट मैचों में इतने खराब हैं कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और आयरलैंड की टीम भी आंकड़ों के लिहाज से भारत से बेहतर लगेगी. टीम इंडिया ने पिछले 9 टेस्ट मैचों में सिर्फ 2 मुकाबले जीते हैं, जबकि अफगानिस्तान, पाकिस्तान और आयरलैंड ने 3-3 टेस्ट मैच अपने पिछले 9 मैचों में जीते हुए हैं. इस समय टेस्ट मैच जीतने के मामले में साउथ अफ्रीका की टीम शीर्ष पर है, जो एक भी मैच पिछले 9 मैचों में नहीं हारी है.12 टेस्ट प्लेइंग नेशन्स के अगर लास्ट 9-9 टेस्ट मैचों के रिकॉर्ड की बात करें तो शीर्ष पर साउथ अफ्रीका है, जिसने पिछले 9 टेस्ट जीते हैं. दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है, जिसने पिछले 9 में से सात मुकाबले जीते हैं, एक गंवाया है और एक ड्रॉ रहा है. तीसरे नंबर पर नाम इंग्लैंड की टीम का है, जिसने 9 में से पांच मैच जीते हैं, तीन गंवाए हैं और एक मैच उनका ड्रॉ रहा है. चौथे नंबर पर इस लिस्ट में श्रीलंका की टीम है, जिसने 9 में से 4 मैच जीते हैं, इतने ही गंवाए हैं और एक मैच ड्रॉ रहा है. न्यूजीलैंड की टीम पांचवें नंबर पर है, जिसने 9 में से चार मैच जीते हैं और पांच मैच गंवाए हैं.पिछले 9 टेस्ट मैचों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली टीमों में अफगानिस्तान की टीम छठे नंबर पर है, जिसने पिछले 9 में से तीन मैच जीते हैं, एक मैच ड्रॉ खेला है और पांच मैच हारे हैं. आयरलैंड और पाकिस्तान की टीम का रिकॉर्ड एक जैसा है, जिन्होंने 9-9 मैचों में से 3-3 मैच जीते हैं और 6-6 मुकाबले गंवाए हैं. इसके बाद नंबर आता है भारत का, जिसने पिछले 9 टेस्ट मैचों में से सिर्फ दो मैचों में जीत दर्ज की है, एक दो मुकाबले ड्रॉ खेले हैं और पांच मैच हारे हैं. वेस्टइंडीज ने 9 में 2 मैच जीते हैं, एक मैच ड्रॉ रहा है और 6 मुकाबले गंवाए हैं. बांग्लादेश का भी यही हाल है. वहीं, 12वें नंबर पर विराजमान जिम्बाब्वे ने 9 में से एक मैच में जीत हासिल की है और एक मैच ड्रॉ रहा है, जबकि 7 मुकाबले हारे हैं.

पांचवें टेस्ट से पहले गंभीर ने भरा खिलाड़ियों में जोश, कहा

'हमारे पास एक आखिरी मौका'

एजेंसी। लंदन

एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज का चौथा टेस्ट बेहद रोमांचक रहा, जो आखिरकार ड्रॉ पर समाप्त हुआ. 31 जुलाई से दोनों देश पांचवां टेस्ट खेलेंगे, जिससे पहले भारतीय टीम ने मंगलवार को लंदन स्थित 'भारतीय उच्चायोग' का दौरा किया. इस दौरान खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ ने अधिकारियों और गणमान्य व्यक्तियों से मुलाकात की, जिसमें आत्मचिंतन, गर्व और संकल्प की भावना देखने को मिली. सभी ने यूके दौरे पर मिले अटूट समर्थन के लिए आभार जताया.हेड कोच गौतम गंभीर ने इस कार्यक्रम में भारत-इंग्लैंड मुकाबलों के ऐतिहासिक महत्व और सीरीज की इंटेंसिटी पर प्रकाश डाला.गंभीर ने कहा, ₹इंग्लैंड का दौरा हमेशा रोमांचक और चुनौतीपूर्ण रहा है. दोनों देशों के बीच का इतिहास कभी नहीं भुलाया जा सकता. हमने हर बार ब्रिटेन दौरे पर मिले समर्थन की सराहना की है. इंग्लैंड ने टेस्ट सीरीज का पहला मैच पांच विकेट से अपने नाम किया था, जिसके बाद टीम इंडिया ने पलटवार करते हुए दूसरे मुकाबले को 336 रन से जीता. इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट को 22 रन के करीबी अंतर से जीतकर सीरीज में 2-1 से लीड बना ली, जिसके बाद चौथा टेस्ट ड्रॉ रहा.गौतम गंभीर ने कहा,पिछले पांच हफ्ते दोनों देशों के लिए बेहद रोमांचक रहे. मुझे यकीन है कि जिस तरह का क्रिकेट खेला गया, उसने हर क्रिकेट प्रेमी को गौरवान्वित किया है. दोनों टीमों ने दमदार खेल दिखाया.भारत के पास अंतिम टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म करने का मौका है. आखिरी टेस्ट को लेकर गंभीर ने एकजुट प्रयास की अपील की. उन्होंने कहा, ₹हमारे पास एक हफ्ता और है. एक आखिरी कोशिश करनी है. यह अपने देश को गौरवान्वित करने का एक आखिरी मौका है. जय हिंद.

महिला क्रिकेट: प्रेंडरगास्ट का जलवा बरकरार, जिंम्बाब्वे पस्त

आयरलैंड ने वनडे सीरीज़ में भी किया क्लीन स्वीप

एजेंसी। बेलफास्ट

ऑर्ला प्रेंडरगास्ट (नाबाद 67 रन) की एक और शानदार पारी की बदौलत आयरलैंड ने सोमवार को खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में ज़िम्बाब्वे को चार विकेट से हराकर दो मैचों की वनडे सीरीज़ 2-0 से अपने नाम कर ली. इससे पहले आयरिश टीम ने टी20 सीरीज़ में भी ज़िम्बाब्वे का 3-0 से सूपड़ा साफ किया था.ज़िम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी का फैसला किया, लेकिन एक बार फिर उनकी शीर्ष क्रम की बल्लेबाज़ी लड़खड़ा गई. 17वें ओवर तक स्कोर 54/4 हो गया. ऐसे में कप्तान चिपो मुगेरी (56) और मोडेस्टर मुपाचिक्वा (45) ने पारी को संभालते हुए पांचवें विकेट के लिए 94 रनों की अहम साझेदारी की.हालांकि एक बार इस जोड़ी के टूटने के बाद ज़िम्बाब्वे की पारी फिर से ढह गई. टीम 148/4 से 178 रन पर ढेर हो गई.

आयरलैंड के लिए अलाना डैलजेल ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 10 ओवर में 36 रन देकर 4 विकेट झटके, जबकि लारा मैकब्राइड ने 3 विकेट हासिल किए.लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही. पावरप्ले के अंदर ही सारा फोर्ब्स और एमी हंटर सस्ते में आउट हो गईं.

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराया

पांचवां टी20 और सीरीज 5-0 से जीता

एजेंसी। बासेटेर

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवां और आखिरी टी20 मैच मंगलवार को जीतकर सीरीज 5-0 से क्लीन स्वीप कर ली. गेंदबाज बेन ड्वार्शुइस (3 विकेट) की शानदार गेंदबाजी और बाद में मिडिल ऑर्डर की दमदार बल्लेबाज़ी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 3 ओवर बाकी रहते हुए 3 विकेट से जीत हासिल की.वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में 171 रन का लक्ष्य रखा था. जवाब में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही और टीम ने 25 रन पर 3 विकेट और 60 पर 4 विकेट गंवा दिए थे. इसके बाद कैमरन ग्रीन (32 रन), टिम डेविड (12 गेंद में 30 रन, 4 छक्के, 1 चौका) और मिशेल ओवेन (37 रन) ने पारी को संभाला. जब ग्रीन आउट हुए, तब ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 141-6 था और उसे अभी 30 रन की जरूरत थी. हालांकि, आरोन हार्डी ने 28 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए टीम को जीत दिला दी.मैच के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने कहा, सीरीज शुरू होने से पहले 5-0 की उम्मीद नहीं थी, लेकिन हमने बेहतरीन क्रिकेट खेला.वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने हार की वजह बल्लेबाज़ी को बताया. उन्होंने कहा, "हमने कभी भी पूरी तरह सटीक बल्लेबाज़ी प्रदर्शन नहीं किया — या तो अच्छी शुरुआत मिली और अंत खराब रहा, या फिर इसके उलट हुआ. इतने मजबूत विपक्ष के सामने आप इस तरह जीत नहीं सकते."

महिला कोपा अमेरिका | पेनल्टी शूटआउट में अर्जेंटीना को हराकर कोलंबिया फाइनल में पहुंचा

2028 लॉस एंजेलेस ओलंपिक का टिकट भी पक्का

एजेंसी। क्विटो

कोलंबिया की महिला फुटबॉल टीम ने सोमवार को खेले गए रोमांचक सेमीफाइनल में अर्जेंटीना को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराकर कोपा अमेरिका महिला फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली है. इसके साथ ही टीम ने 2028 लॉस एंजेलेस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है. निर्धारित समय और एक्स्ट्रा टाइम में मुकाबला 0-0 की बराबरी पर छूटा, जिसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लिया गया. कोलंबियाई गोलकीपर कैथरीन तापिया ने अर्जेंटीना की पॉलिना ग्रामालिया का शॉट रोक कर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई. हालांकि, इसके बाद मायरा रामिरेज़ का शॉट क्रॉसबार से टकरा गया और अर्जेंटीना को वापसी का मौका मिल गया. कोलंबिया की वेंडी बोनिला ने छठा पेनल्टी किक गोल में बदलकर दबाव अर्जेंटीना पर डाल दिया. अर्जेंटीना की एलिआना स्टैबिल गोल करने में नाकाम रहीं और उनका शॉट बार से टकरा गया, जिससे अर्जेंटीना टूर्नामेंट से बाहर हो गई.मैच के बाद गोलकीपर तापिया ने कहा, "हम फाइनल में हैं और ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है, यही हमारा लक्ष्य था. अब हम फाइनल के लिए तैयार हैं.अर्जेंटीना ने शुरुआत में आक्रामक खेल दिखाया. फ्लोरेनसिया बॉनसेगुंडो और यामिला रोड्रिगेज ने कोलंबियाई डिफेंस पर दबाव बनाया, लेकिन तापिया ने बेहतरीन बचाव करते हुए गोल होने से रोक दिया. पहले हाफ में दोनों टीमों के कुछ खिलाड़ियों के चोटिल होने से खेल की लय थोड़ी बाधित हुई. कोलंबिया की ओर से रामिरेज, लेइसी सैंटोस और लिंडा कैईसिडो ने गोल के अवसर बनाए, लेकिन उन्हें भुनाया नहीं जा सका.दूसरे हाफ में कोलंबिया ने दबाव और बढ़ाया और वैलेरिन लोबोआ का एक शॉट लगभग गोल में तब्दील होता दिखा, लेकिन अर्जेंटीना की गोलकीपर सोलाना पेरेरा ने शानदार बचाव कर मैच को बराबरी पर बनाए रखा. इस मैच में पहली बार टूर्नामेंट में वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) तकनीक का इस्तेमाल किया गया. यह तकनीक केवल नॉकआउट मुकाबलों के लिए उपलब्ध है. इंजरी टाइम में सोफिया ब्राउन और मैनुएला पावी के बीच पेनल्टी क्षेत्र में हुई टक्कर की समीक्षा के बाद रेफरी ने पेनल्टी न देने का फैसला किया.अब कोलंबिया फाइनल में ब्राज़ील और उरुग्वे के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से भिड़ेगी.

सौरव गांगुली ने साहसिक खेल दिखाने के लिए पंत की सराहना की

एजेंसी। नई दिल्ली

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने इंग्लैंड में चल रही टेस्ट सीरीज में शानदार और साहसिक प्रदर्शन के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत की प्रशंसा की. हालांकि, 27 वर्षीय पंत के पैर में फ्रैक्चर के कारण वह निर्णायक अंतिम टेस्ट से बाहर हो गए हैं.पंत इस दौरे पर भारत के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरे.

उन्होंने सात पारियों में 479 रन बनाए, जिसमें हेडिंग्ले में सीरीज के पहले मैच में दो शतक और लॉर्ड्स टेस्ट में हाथ में चोट लगने के बावजूद 74 रनों की साहसिक पारी शामिल है. उनकी फॉर्म और दृढ़ता भारत के अभियान की एक अहम विशेषता बन गई, क्योंकि उन्होंने पांच मैचों की सीरीज बराबर करने के लिए संघर्ष किया, जिसमें वर्तमान में इंग्लैंड 2-1 से आगे है.गांगुली ने आईएएनएस से कहा, ₹वह एक बहुत अच्छा टेस्ट खिलाड़ी है. वह चोटिल है और उसके पैर में फ्रैक्चर हो गया है; उसे ठीक होने में समय लगेगा. उसने सीरीज में शानदार बल्लेबाजी की है.पंत को चौथे टेस्ट की भारत की पहली पारी के दौरान चोट लगी थी, जब इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की एक खतरनाक यॉर्कर उनके पैर में लगी थी. गेंद उनके बल्ले से टकराकर उनके बूट में जा लगी, जिससे फ्रैक्चर हो गया और उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा.

ब्रीफ न्यूज

संदिग्ध हालात में युवक का शव बरामद

भागलपुर। जिले के बबरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत हुसैनाबाद कोयाली मैदान में मंगलवार को उस समय अफरातफरी मच गई जब एक युवक का शव संदिग्ध हालात में बरामद हुआ.मृतक की पहचान छोटू कुरैशी के रूप में हुई है. युवक के शरीर पर कई जगह जख्म के निशान पाए गए हैं. जिससे घटना को लेकर हत्या की आशंका जताई जा रही है. उधर घटना की सूचना मिलते ही बबरगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेरते हुए फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया.शव मिलने की खबर से मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए और तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई.

तालाब में नहाने गई 3 लड़कियों की डूब कर मौत

अररिया । जिले में तालाब में डूबने से तीन बच्चियों की मौत हो गई है. जिले के कुर्साकांटा प्रखंड के सोनामनी गोदाम थाना क्षेत्र स्थित डूमरिया पंचायत के आशा भाग बटराहा वार्ड संख्या-15 में सोमवार की देर शाम तालाब में डूबने से तीन बच्चियों की मौत हो गई. घटना के समय जोरदार बारिश हो रही थी. मृतकों में बटराहा निवासी असगर अंसारी की आठ वर्षीया बेटी तस्कीन खातून, इम्तियाज अंसारी की सात वर्षीया बेटी आसिया खातून व सज्जाद अंसारी की सात वर्षीया बेटी शमा खातून शामिल है.

पटवन के दौरान करंट से किसान की मौत

नवादा। पचम्बा गांव में मंगलवार को खेत में पटवन के दौरान करंट लगने से 45 वर्षीय किसान देवचंद प्रसाद की मौत हो गई. जिससे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. ग्रामीणों ने बताया कि देवचंद प्रसाद प्रतिदिन की तरह खेत में धान की रोपाई के लिए पटवन कर रहे थे. इसी दौरान अचानक बिजली के करंट की चपेट में आ गए. ग्रामीणों ने आनन-फानन में उन्हें रजौली अनुमंडल अस्पताल लाया, जहां डॉ. दिलीप कुमार ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया. ग्रामीणों का कहना है कि हादसा कैसे हुआ, यह स्पष्ट नहीं हो पाया. घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में अस्पताल और मृतक के घर पहुंच गए.

नीतीश कैबिनेट की बैठक में 41 एजेंडों पर लगी मुहर

पत्रकार पेंशन योजना में बदलाव की स्वीकृति

संवाददाता। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को संपन्न मंत्रिमंडल की बैठक में राजगीर खेल अकादमी के लिए 1100 (ग्यारह सौ) करोड़ रुपये की मंजूरी और पत्रकार पेंशन योजना में बदलाव को स्वीकृति सहित कुल 41 प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई है.

नीतीश कुमार मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई बैठक में सबसे बड़ी घोषणा पत्रकारों की पेंशन योजना को लेकर रही. मुख्यमंत्री द्वारा कुछ दिनों पहले ही पात्र पत्रकारों की पेंशन को 6000 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये करने की घोषणा की गई थी, जिसे अब कैबिनेट ने औपचारिक मंजूरी दे दी है. सरकार की के इस फैसले से राज्य के वरिष्ठ पत्रकारों को बड़ी राहत मिलने वाली है. इसके साथ ही राजगीर में खेल अकादमी की स्थापना के लिए 1100 (ग्यारह सौ) करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि स्वीकृत की गई है, जिससे राज्य के

खेल क्षेत्र को नया आयाम मिलेगा.कैबिनेट की बैठक में पर्यटन विभाग की ओर से सीतामढ़ी जिला में पुनौरा धाम मंदिर के पास पर्यटकीय विकास एवं आधारभूत संरचनाओं के निर्माण के लिए 50.50 एकड़ भूमि अधिग्रहित करने के लिए 120 करोड़ 58 लाख 67,175 रुपये की राशि को संशोधित करते हुए, 50 एकड़ भूमि अधिग्रहित के नामित राशि 165 करोड़ 57 लाख 16 हजार 104 रुपये किया गया. पटना से एनएच-98 से दीघा रेल सह सड़क पुल से अशोक राजपथ के अतिरिक्त कनेक्टिविटी के लिए 1,368 करोड़ 46 लाख की राशि स्वीकृत की गई है.बिहार राज्य युवा आयोग में 6 नए पदों को भी स्वीकृति दी गई है, जो युवाओं की आवाज को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है.राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मुंगेर के प्रसिद्ध सीताकुंड मेले को राष्ट्रीय मेले का दर्जा दिया गया है. इसके अलावा छह डॉक्टरों को उनके कार्य से मुक्त कर दिया गया है, जो स्वास्थ्य विभाग में बदलाव की ओर इशारा करता है.बैठक में कन्या उद्योग योजना से जुड़े प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में अहम कदम है. बच्चों और माताओं के पोषण को ध्यान में रखते हुए आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 योजना को भी हरी झंडी मिली है, जिसके लिए 115 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं.बिहार में गन्ना उद्योग ईंख सेवा और भर्ती नियमावली-2025 को स्वीकृति प्रदान की गई है. कृषि विभाग में प्रशासनिक सहयोग के लिए प्रखंड कृषि अधिकारियों की नियुक्ति को मंजूरी दी गई है.ग्रामीण कार्य विभाग प्रशाखाला संवर्ग में भर्ती एवं सेवा शर्त नियमावली-2025 को मंजूरी दी गई है. छपरा जिले में फ्लाईओवर के निर्माण के लिए 696 करोड़ 26 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है. सरकार ने प्राथमिक स्कूलों को बनाए जाने को लेकर 270 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है. वहीं आंगनबाड़ी केंद्रों में इक्विपमेंट खरीदे जाएंगे, इससे लिए 115 करोड़ 90 हजार रुपये की मंजूरी दी गई है. बिहार राज्य निर्वाचन आयोग नियुक्ति प्रस्ताव को संशोधन के साथ मंजूरी मिली है. बिहार विधानमंडल के सदस्यों और न्यायिक सेवा के पदाधिकारी, राज्य सेवा के पदाधिकारी और आश्रितों को आयुष चिकित्सा पद्धति से कराए गई चिकित्सा के पैसे मिलेंगे.इन सबके अलावा दरभंगा जिला अन्तर्गत हनुमाननगर प्रखंड के मौजा गोढ़ीला, थाना संख्या-179, खाता संख्या-1203 विभिन्न खेसरों की कुल प्रस्तावित रकबा-05 एकड़ भूमि केन्द्रीय विद्यालय-02, दरभंगा के भवन निर्माण के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, केंद्र सरकार को एक रूपये के टोकन मूल्य पर 30 वर्षों के लिए लीज नवीकरण विकल्प के साथ निःशुल्क बंदोबस्त किये जाने की स्वीकृति दी गयी है.

इंटरकास्ट मैरिज से खफा बाप बना हैवान

बेटे को मरवाई गोली, बहू को पीटा

संवाददाता। मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर के मनियारी थाना क्षेत्र के पकाही गांव में मंगलवार को अनिल कुमार के साथ मारपीट कर गोली मार दी गई. घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जख्मी को उठाकार एसकेएमसीएच में भर्ती कराया. जहां उसका इलाज चल रहे है. बताया गया एक गोली जख्मी के बाएं कंधे पर लगी है.

मारपीट और गोली मारने का आरोप जख्मी अनिल कुमार ने अपने भाई अरविंद राय और पिता शिवजी राय पर लगाया है. पुलिस ने दोनों आरोपियों को पकड़कर थाने पर लाया गया है. पुलिस की पूछताछ में जख्मी ने बताया है कि वर्ष 2014 ने इंटरकास्ट शादी किया था. जिसके कारण पिता और भाई समेत परिवार वाले हमेशा विरोध कर रहे थे. इस वजह से वह अपनी पत्नी और बच्चों को लेकर बाहर रह रहा था. बीते 22 जुलाई को वह पत्नी और बच्चों के साथ घर गया था. इस दौरान मेरा गाड़ी छीन लिया था. पुलिस के द्वारा गाड़ी दिलवाया गया था. घटना से पूर्व मेरा भाई और पिता अपने पांच अन्य साथियों के साथ अचानक पहुंच कर उसके साथ मारपीट कर गोली मार दिया है. बीचबचाव करने आई पत्नी और बच्चों के साथ भी मारपीट किया है.

घायल युवक का एसकेएमसीएच में इलाज चल रहा है.इस मामले में मनियारी थानेदार देवब्रत कुमार ने बताया कि जख्मी को उठाकार एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया है. फिलहाल आरोपित भाई और पिता को हिरासत में लिया गया है. दोनो को थाने पर रखकर पूछताछ की जा रही है. पीड़ित के बयान पर आगे की कारवाई की जाएगी. इस मामले में अनिल कुमार की पत्नी से पुलिस जानकारी ले रही है. थानाध्यक्ष ने कहा है कि पीड़ित का बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी. बिहार में इंटरकास्ट मैरीज को अभी भी सामाजिक मान्यता नहीं मिल पाती. अक्सर परिवार में ही विद्रोह हो जाता है. हालांकि सरकार इसे प्रमोट करने के लिए प्रोत्साहन राशि देती है.

पटना सहित कई जिलों में भारी बारिश का दौर जारी

बिहार में मानसून हुआ सक्रिय

संवाददाता। पटना

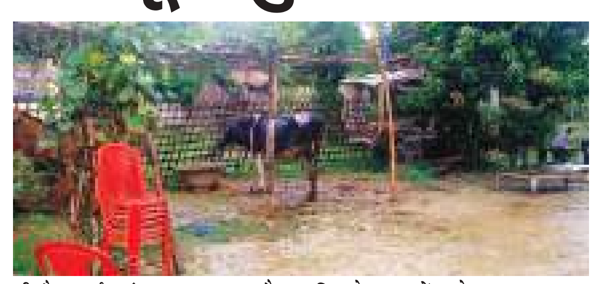

बिहार में मानसून पूरी तरह एक्टिव हो गया है, जिसकी वजह से राजधानी पटना सहित कई जिलों में भारी बारिश का दौर जारी है. सोमवार देर रात हुई बारिश ने पटना को पानी-पानी कर दिया, जिससे कई इलाके, जैसे राजेंद्र नगर और कंकड़बाग, तालाब और झील में तब्दील हो गए.सड़कों पर जलभराव से यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ और स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा.भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, पटना और पूसा के ग्रामीण मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले 1-2 दिनों तक पटना में रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है. दक्षिण बिहार में मानसून की मजबूत स्थिति के कारण भारी बारिश हो रही है, जबकि उत्तर बिहार में यह कमजोर पड़ रहा है.आईएमडी ने 29 जुलाई यानि आज बिहार के कई जिलों के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है. जमुई, बांका, भागलपुर, और अररिया में कई स्थानों पर बहुत भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है.इसके अलावा नवादा और मुंगेर जैसे जिलों में भी एक-दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना के साथ येलो अलर्ट जारी है.दक्षिण बिहार के जिलों में 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने और वज्रपात की आशंका को देखते हुए भी येलो अलर्ट लागू है. अगले 3-5 दिनों तक बिहार के विभिन्न हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश का अनुमान है.पटना में सोमवार को 106 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिसने शहर के निचले इलाकों को जलमग्न कर दिया. पटना जंक्शन पर रेलवे ट्रैक पर पानी जमा होने और नवादा के सदर अस्पताल में वार्डों में पानी घुसने से मरीजों और यात्रियों को भारी दिक्कत हुई.स्थानीय प्रशासन ने जल निकासी के लिए पंप लगाए हैं, लेकिन कंकड़बाग और राजेंद्र नगर जैसे क्षेत्रों में जलभराव की समस्या बरकरार है. देर रात शहरी विकास मंत्री जीवेश मिश्रा ने जलभराव वाले इलाके में स्वयं दौरा कर अधिकारियों को अविलंब कार्रवाई करने का निर्देश दिया.भागलपुर में सोमवार को 62 मिमी बारिश दर्ज की गई.

न्यूज अपडेट

भाई वीरेन्द्र पर कार्रवाई करे राजद : तेजप्रताप

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से निष्कासित पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेजप्रताप यादव ने राजद विधायक भाई वीरेंद्र की ओर से अनुसूचित जाति-जनजाति (एससी/एसटी) समाज के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी और धमकी को लेकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है.तेजप्रताप यादव ने अपने एक्स अकाउंट पर मंगलवार सुबह एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा क्या राजद अपने विधायक भाई वीरेंद्र पर भी कार्रवाई करेगी, जिन्होंने बाबा साहेब आंबेडकर के आदर्शों के उलट एससी-एसटी समाज के खिलाफ शर्मनाक टिप्पणी की, जान से मारने की धमकी दी ?तेज प्रताप यादव ने कहा कि मुझे तो जयचंदों की साजिश के तहत पार्टी से बाहर कर दिया गया... अब देखना है कि बवाल करने वालों पर भी पार्टी उतनी ही सख्ती दिखाएगी या नहीं ? संविधान का सम्मान भाषणों में नहीं, आचरण में दिखना चाहिए.तेजप्रताप यादव का यह बयान उस समय आया है जब पार्टी में संगठनात्मक अनुशासन और जातीय समरसता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं. उन्होंने इस पूरे विवाद को केवल भाई वीरेंद्र तक सीमित नहीं रखा, बल्कि यह भी इशारा किया कि पार्टी में कुछ ₹जयचंदों₹ की साजिश के चलते उन्हें ही बाहर कर दिया गया, जबकि अन्य विवादास्पद नेताओं के खिलाफ चुप्पी साधी गई.

दोस्त ने बुलाकर किया अपहरण, फिरौती की मांग

नवादा। जिले के नगर थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाली अपहरण की घटना सामने आई है. जिसने दोस्ती के रिश्ते को शर्मसार कर दिया है.मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव निवासी मो शोएब अंसारी ने मंगलवार को नगर थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उनके दामाद मो चांद अंसारी का अपहरण उनके ही एक भरोसेमंद दोस्त दीपक कुमार ने कर लिया.आरोपी दीपक कुमार मूल रूप से मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के ओरैना गांव का रहने वाला है और प्रसाद बिगहा में खैनी की दुकान चलाता है.दीपक ने चांद को झांसे में लेकर समस्तीपुर बुलाया, जहां उसका अपहरण कर लिया गया.इसके बाद चांद के परिजनों से 2 लाख 70 हजार रुपये की फिरौती की मांग की गई. धमकी भी दी गई कि रकम नहीं मिलने पर चांद की रिहाई नहीं होगी.घटना से घबराए परिजनों ने नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है. पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल छानबीन शुरू कर दी है. पुलिस तकनीकी साक्ष्य और मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है.यह मामला न सिर्फ नवादा बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए चेतावनी है कि लालच और अपराध का अंधकार अब रिश्तों की पवित्रता को भी निगल रहा है. फिलहाल पुलिस चांद अंसारी की सकुशल बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए जुटी हुई है.

नीतीश कुमार पर चिराग पासवान के सुर बदल गए

पटना । केंद्रीय फूड प्रोसेसिंग मंत्री सह लोजपा रामविलास के सुप्रीमो चिराग पासवान ने कहा है कि एनडीए बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा. गठबंधन ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रहा है. चुनाव जीतने के बाद नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे. इससे पहले चिराग पासवान ने बिहार की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा था कि दुख है कि ऐसी सरकार को समर्थन दे रहा. चिराग के बयान पर जमकर राजनीति हुई. जीतनराम मांझी ने तो भीड़ गए. जदयू की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया आई थी.पत्रकारों से बात करते हुए चिराग पासवान ने कहा कि मेरे शब्दों में बगावत नहीं बल्कि बिहार के लिए चिंता है. कुछ लोग इस पर राजनीति कर एनडीए को कमजोर करना चाहते हैं तो उन्हें सफलता नहीं मिलेगी. एनडीए के सभी दल चट्टानी एकता के साथ एकजुट हैं. उन्होंने कहा कि अगर सरकार में कुछ चिंताजनक बात है तो हम लोग चर्चा करें इस सोच के साथ काम करते हैं. बतौर सहयोगी यह मेरी जिम्मेदारी है. जो लोग साजिश करते हैं कि एनडीए को कमजोर कर अपनी राजनैतिक रोटी सेक लेंगे तो वे भ्रम में ना रहें. मैं 2020 में अकेले चुनाव लड़ा था लेकिन विपक्ष अब जीत नहीं सकता.

कारोबार

डायसन ने नया कैंपेन 'द डिफरेंस इज़ डायसन' किया लॉन्च

नयी दिल्ली। ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनी डायसन ने अपना नया कैंपेन 'द डिफरेंस इज़ डायसन' लॉन्च कर दिया है, जिसमें ब्रांड की ब्यूटी एम्बेसडर दीपिका पादुकोन नज़र आ रही हैं. यह कैंपेन विभिन्न हेयर टाइप्स वाले उपभोक्ताओं को बिना हीट डैमेज के बालों की स्टाइलिंग के लिए प्रेरित करता है. इस फिल्म के माध्यम से दीपिका पादुकोन ने डायसन की एडवांस्ड हेयर स्टाइलिंग टेक्नोलॉजी को जीवंत किया है. डायसन के अनुसार, उनकी ब्यूटी रेंज बालों को नुकसान पहुंचाए बिना बेहतरीन लुक देने में सक्षम है.

नई निसान मैग्नाइट को को मिली 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग

नयी दिल्ली। मेड इन इंडिया नई निसान मैग्नाइट को ग्लोबल न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (जीएनसीएपी) की तरफ से वयस्क पैसेंजर सेफ्टी में 5-स्टार रेटिंग प्राप्त हुई है. बच्चों की सुरक्षा के लिए इसे 3-स्टार रेटिंग दी गई है. यह रेटिंग अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित कड़े क्रैश टेस्ट के बाद दी गई है, जिसमें फ्रंटल और साइड इंपैक्ट प्रोटेक्शन, ईएससी टेस्टिंग, पैदल यात्री सुरक्षा और साइड पोल इंपैक्ट शामिल थे. निसान मैग्नाइट को चेन्नई स्थित प्लांट में तैयार किया जाता है और यह 65 से अधिक देशों में निर्यात की जाती है.

आरबीआई 1 अगस्त को करेगी सरकारी बॉन्ड की नीलामी

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक 1 अगस्त को 32,000 करोड़ रुपये मूल्य की दो सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी आयोजित करेगा. यह कदम सरकार के दीर्घकालिक बाजार उधारी प्रबंधन के तहत उठाया गया है. इस नीलामी में दो बॉन्ड्स का पुनर्निर्गम किया जाएगा—पहली जीएस 2024, जो 6.68 प्रतिशत प्रतिफल पर है और दूसरी जीएस 2065, जो 6.90 प्रतिशत प्रतिफल देती है. दोनों बॉन्ड्स के लिए अधिसूचित राशि 16,000-16,000 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है.

एम्बर ग्रुप ने इजरायली कंपनी यूनिट्रोनिक्स में खरीदी बड़ी हिस्सेदारी

403 करोड़ रुपये में हुई डील

एजेंसी। नयी दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिक्स और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स बनाने वाली घरेलू कंपनी एम्बर ग्रुप ने इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन क्षेत्र में कदम बढ़ाते हुए इजरायल की प्रतिष्ठित कंपनी यूनिट्रोनिक्स में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने का समझौता किया है. यह सौदा एम्बर ग्रुप की सहयोगी कंपनी इल्जिन इलेक्ट्रॉनिक्स के माध्यम से किया गया है.

कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि इल्जिन इलेक्ट्रॉनिक्स यूनिट्रोनिक्स के 56,24,591 शेयरों की खरीद करेगी. प्रत्येक शेयर की कीमत 27.75 इजरायली शेकेल तय की गई है. इस सौदे की कुल कीमत लगभग 403 करोड़ रुपये (नकद में) होगी. इस अधिग्रहण के बाद इल्जिन इलेक्ट्रॉनिक्स और यूनिट्रोनिक्स के जॉइंट चेयरमैन मिलकर कंपनी की

45.13% हिस्सेदारी के मालिक होंगे. एम्बर ग्रुप ने साफ किया है कि इस सौदे को पूरा करने के लिए किसी सरकारी या नियामक मंजूरी की आवश्यकता नहीं है.

एम्बर ग्रुप का मानना है कि यह डील दोनों कंपनियों के लिए फायदेमंद साबित होगी. इल्जिन इलेक्ट्रॉनिक्स की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में गहरी विशेषज्ञता है, जो यूनिट्रोनिक्स को अपनी तकनीकी दक्षता बढ़ाने, नए प्रोडक्ट्स विकसित करने और भारत में अपने पांव जमाने में मदद करेगी. दूसरी ओर, एम्बर ग्रुप इंडस्ट्रियल सेगमेंट में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है. यूनिट्रोनिक्स के अधिग्रहण से उसे अमेरिका, यूरोप जैसे बाजारों में इंडस्ट्री 4.0 की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी. इंडस्ट्री 4.0 का मतलब है उद्योगों में ऑटोमेशन, रियल-टाइम डेटा और इंटरनेट ऑफ थिंग्स का उपयोग बढ़ाना. एम्बर ग्रुप के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन और सीईओ जसबीर सिंह ने कहा, यह सौदा एम्बर के इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन को मजबूती देगा और इंडस्ट्री 4.0 व डेटा-आधारित टेक्नोलॉजी सेक्टर में हमारी मौजूदगी को और मजबूत करेगा. यूनिट्रोनिक्स के पास इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी की व्यापक रेंज है. जिसमें पीएलसी, एचएमआई और वीएफडी जैसे विभिन्न इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन प्रोडक्ट्स बनाती है.

इन सभी को एक ही सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म से कंट्रोल किया जा सकता है. इनका उपयोग विभिन्न उद्योगों में मशीनों और प्रक्रियाओं को ऑटोमेट करने के लिए किया जाता है. फिलहाल एम्बर ग्रुप कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑडियो डिवाइसेज, टेलीकॉम उपकरण, ऑटोमोटिव सॉल्यूशन, एनर्जी मीटर और डिफेंस सॉल्यूशन जैसे क्षेत्रों में काम कर रहा है. यह डील उसे इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने का अवसर देगी. यूनिट्रोनिक्स के जॉइंट चेयरमैन हाइम शानी ने इस साझेदारी को ₹रणनीतिक मोड़₹ करार दिया.

उन्होंने कहा, एम्बर ग्रुप के साथ मिलकर हम अपने संयुक्त दृष्टिकोण से जबरदस्त तालमेल विकसित करेंगे और व्यापार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे. संयुक्त बयान के अनुसार, हाइम शानी यूनिट्रोनिक्स के बोर्ड में बने रहेंगे और एम्बर की लीडरशिप टीम के साथ मिलकर रणनीतिक दिशा तय करेंगे. यह डील दोनों कंपनियों के लिए विकास, नवाचार और वैश्विक विस्तार का द्वार खोल सकती है.

घोषणा

कोटक म्युचुअल फंड ने लॉन्च किया 'कोटक एक्टिव मोमेंटम फंड'

अर्निंग्स ग्रोथ पर रहेगा खास फोकस

एजेंसी। नयी दिल्ली

कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (कोटक म्युचुअल फंड) ने मंगलवार को एक नई इक्विटी स्कीम 'कोटक एक्टिव मोमेंटम फंड' लॉन्च करने की घोषणा की है. यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो 'मोमेंटम इन्वेस्टमेंट' थीम पर आधारित है. यह फंड विशेष रूप से उन कंपनियों में निवेश करेगा, जिनकी आय में लगातार सुधार हो रहा है और विश्लेषकों की रेटिंग में उछाल देखा गया हो. यह नई स्कीम 29 जुलाई 2025 से लेकर 12 अगस्त तक निवेश के लिए उपलब्ध रहेगी. कोटक एक्टिव मोमेंटम फंड का मकसद है उन स्टॉक्स को पहचानना जिनकी प्रति शेयर आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हो रही है. यह बढ़त या तो विश्लेषकों द्वारा रेटिंग अपग्रेड से आती है या कंपनी के अप्रत्याशित रूप से अच्छे तिमाही नतीजों से.

कोटक म्युचुअल फंड ने इस फंड के लिए एक इन-हाउस विकसित मॉडल तैयार किया है, जो सिर्फ स्टॉक की कीमतों पर आधारित न होकर अर्निंग्स, बिक्री में सुधार और विश्लेषकों की राय जैसे ठोस फंडामेंटल्स पर केंद्रित है. इस मॉडल की मदद से बाजार पूंजीकरण के आधार पर टॉप 250 कंपनियों की सूची से 40 से 50 उच्च गुणवत्ता वाले शेयरों का डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो तैयार किया जाएगा, जिसे समय-समय पर अपडेट और पुनः संतुलित किया जाएगा.

कोटक म्युचुअल फंड के मैनेजिंग डायरेक्टर नीलेश शाह ने कहा, बाजार हमेशा अर्निंग्स के प्रभाव में रहते हैं. हमारा मानना है कि अच्छे अर्निंग्स वाले शेयर लंबे समय में कीमतों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं. इसी सोच के आधार पर हमने यह मॉडल विकसित किया है जो ट्रेडिशनल मोमेंटम से आगे जाकर डेटा और फंडामेंटल्स को जोड़ता है. फंड के मैनेजर रोहित टंडन ने बताया कि यह स्कीम एक विशिष्ट रणनीति पर आधारित है जो डेटा साइंस और अनुशासित निवेश प्रक्रिया को मिलाकर बनाई गई है. उन्होंने कहा, जब अर्निंग्स बेहतर होते हैं और एनालिस्ट्स द्वारा स्टॉक्स को अपग्रेड किया जाता है, तो कीमतें आमतौर पर उसी दिशा में चलती हैं. हमारा मॉडल इसी मोमेंटम को पहचानता है और उसका लाभ उठाता है. कोटक एक्टिव मोमेंटम फंड उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकता है जो मिड टू लॉन्ग टर्म के लिए अर्निंग्स-आधारित रणनीति के साथ पोर्टफोलियो बनाना चाहते हैं.

फिजिक्सवाला ने लॉन्च किया पीडब्ल्यूएनएसइटी 2025

नयी दिल्ली। अग्रणी एजुकेशन टेक्नोलॉजी कंपनी फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने पीडब्ल्यूएनएसइटी 2025 के चौथे संस्करण की घोषणा की है. यह स्कॉलरशिप टेस्ट खासतौर पर नीट यूजी और आईआईटी-जेईई के अभ्यर्थियों के लिए एक बड़ा अवसर है, जिससे वे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मार्गदर्शन बिना किसी आर्थिक बाधा के प्राप्त कर सकें. इस पहल की घोषणा रांची में एक विशेष कार्यक्रम के दौरान की गई, जिसमें पीडब्ल्यू झारखंड के रीजनल हेड, पीडब्ल्यू विद्यापीठ रांची के सेंटर हेड और बिज़नेस हेड मौजूद थे. कार्यक्रम में शहर के कई प्रमुख स्कूलों के प्राचार्य भी शामिल हुए और उन्होंने इस कदम की सराहना की. पीडब्ल्यूएनएसइटी 2025 की परीक्षा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में आयोजित की जाएगी, ताकि देश के हर कोने के छात्र इसमें भाग ले सकें. इसमें ऑनलाइन मोड 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चलेगा.

न्यूज अपडेट

वरुण बेवरेजेज के शुद्ध लाभ में 5% की बढ़ोतरी

नयी दिल्ली। पेप्सी, माउंटेन ड्यू, मिरिंडा और सेवन अप जैसे मशहूर कोल्ड ड्रिंक ब्रांड्स की बॉटलिंग करने वाली कंपनी वरुण बेवरेजेज ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली के नतीजे जारी कर दिए हैं. कंपनी का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 5% बढ़कर 1,325.49 करोड़ रुपये हो गया है. पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 1,261.83 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था. तिमाही-दर-तिमाही आधार पर देखें तो कंपनी के मुनाफे में 81.2% की जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली है. मार्च 2025 तिमाही में कंपनी का पैट 731.36 करोड़ रुपये था. हालांकि, राजस्व के मोर्चे पर कंपनी को हल्की गिरावट का सामना करना पड़ा है. अप्रैल से जून 2025 की तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 2.3% घटकर 7,333.67 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 7,513 करोड़ रुपये था. कंपनी के निदेशक मंडल ने पहली तिमाही के नतीजों के साथ अंतरिम लाभांश देने का भी फैसला किया है.

भारत-ब्रिटेन डील से कपड़ा उद्योग को मिलेगा बढ़ावा

नयी दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच हाल ही में हुई फ्री ट्रेड डील से भारतीय कपड़ा, चमड़ा और जूता उद्योग को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है. वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि इस समझौते से इन क्षेत्रों का निर्यात अगले तीन सालों में लगभग दोगुना होकर 1 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जो वर्ष 2024 में 494 मिलियन डॉलर था. समझौते के तहत कस्टम की प्रक्रिया आसान होगी, तकनीकी मानकों का सामंजस्य बढ़ेगा और भारतीय भौगोलिक संकेतक उत्पादों को सुरक्षा मिलेगी, जैसे कि कोल्हापुरी चप्पल और मोजरी. इससे न केवल इन उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान मिलेगी, बल्कि उनके निर्यात में भी तेजी आएगी. सोमवार को वाणिज्य मंत्रालय ने कपड़ा और चमड़ा निर्यातकों के साथ बैठक की, जिसमें उन्हें इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने को कहा गया.

ट्रेंट बने निफ्टी 50 के सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले शेयर

नयी दिल्ली। साल 2025 में टाटा ग्रुप के दो प्रमुख शेयर—टीसीएस और ट्रेंट—निफ्टी50 इंडेक्स में सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाले स्टॉक्स के रूप में सामने आए हैं. देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस के शेयरों में इस साल अब तक करीब 25% की गिरावट आई है, जबकि टाटा की रिटेल शाखा ट्रेंट, जो वेस्टसाइड और ज़ूडियो जैसे ब्रांड संचालित करती है, लगभग 30% टूटी है. टीसीएस को एक समय निवेशकों का भरोसेमंद शेयर माना जाता था, जो पांच वर्षों में पूंजी को दोगुना कर देता था. लेकिन मौजूदा हालात 2008 की वैश्विक मंदी के बाद सबसे बुरे माने जा रहे हैं. उस समय इसके शेयर 55% तक गिरे थे. गिरावट की मुख्य वजह कंपनी विशेष नहीं, बल्कि पूरे आईटी सेक्टर की सुस्ती है.

टीसीएस की लागत कटौती रणनीति पर चेतावनी

मुंबई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) द्वारा लागत में कटौती के तहत अपने कार्यबल के लगभग 2 प्रतिशत कर्मचारियों—करीब 12,000 लोगों—को नौकरी से निकालने के फैसले पर वैश्विक ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने चिंता जताई है. जेफरीज की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम कंपनी द्वारा लगातार विकास संबंधी चुनौतियों के बीच अपने मुनाफे (मार्जिन) को बनाए रखने की दिशा में बढ़ते फोकस को दर्शाता है, जो दीर्घकालिक दृष्टिकोण से नुकसानदायक साबित हो सकता है. रिपोर्ट में कहा गया है कि यह टीसीएस की हाल की तीसरी बड़ी लागत कटौती कार्रवाई है. इससे पहले अप्रैल 2025 में कंपनी ने वार्षिक वेतन वृद्धि को टाल दिया था, जबकि जून 2025 में नई बेंचिंग नीति लागू की गई थी, जो अब एक कर्मचारी की गैर-बिल योग्य अवधि को साल में 35 दिनों तक सीमित करती है. जेफरीज ने यह भी उल्लेख किया कि टीसीएस पारंपरिक रूप से आईटी क्षेत्र में सबसे अधिक वेतन देने वाली कंपनियों में नहीं रही है, लेकिन इसकी दीर्घकालिक करियर विकास और नौकरी की स्थिरता की नीति के चलते कंपनी ने कम एट्रिशन दर बनाए रखी है.

शुभम संदेश

रांची, बुधवार 30 जुलाई, 2025

12

भारतीय तटरक्षक बल के लिए पांचवां पोत 'अटल' गोवा शिपयार्ड में लॉन्च

नयी दिल्ली । गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) में भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के लिए निर्मित हो रहे आठ तीव्र गश्ती पोतों में से पांचवां मंगलवार को लांच किया गया.

- यह जहाज तस्करी रोधी और खोज एवं बचाव अभियान चलाएगा

आईसीजी के प्रधान वित्तीय सलाहकार की पत्नी शिल्पा अग्रवाल ने 'अथर्ववेद' के मंत्रोच्चार के साथ पोत का शुभारंभ किया. इस जहाज से मत्स्य संरक्षण और द्वीप क्षेत्रों, विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र और तटीय गश्त के आसपास निगरानी होगी. यह जहाज तस्करी रोधी, समुद्री डकैती रोधी और खोज एवं बचाव अभियान भी चलाएंगे. आईसीजी के कमांडेंट अमित उनियाल ने बताया कि भारतीय तटरक्षक बल के दिल्ली मुख्यालय में तैनात प्रधान वित्तीय सलाहकाररोजी अग्रवाल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे और परंपरा के अनुसार उनकी पत्नी शिल्पा अग्रवाल ने तीव्र गश्ती पोत 'अटल' का जलावतरण किया. प्रमुख भारतीय रक्षा उद्यम (डीपीएसयू) जीएसएल आईसीजी के लिए इस श्रृंखला के आठ पोतों का निर्माण कर रहा है. आज लांच किया गया पोत इन्हीं में से पांचवां है. इस भव्य समारोह में आईजी सुधीर साहनी, टीएम, डीडीजी (एमएंडएम) और आईसीजी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे. समारोह में मुख्य अतिथि अग्रवाल ने बताया कि इन जहाजों को आईसीजी की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किया गया है. जहाज की लंबाई 52 मीटर, चौड़ाई 8 मीटर है और इसकी विस्थापन क्षमता 320 टन होगी. ये उन्नत फास्ट पेट्रोल जहाज आईसीजी को अपतटीय परिसंपत्तियों और द्वीप क्षेत्रों की सुरक्षा में सहायता करेंगे.

न्यूज अपडेट

नेपाल के वामपंथी सांसदों को भाजपा ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के बारे में बताया

काठमांडू। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश ने नेपाल के वामपंथी सांसदों को एकात्म मानववाद और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अवधारणा के बारे में बताया है. भारत भ्रमण पर गए नेपाली सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय का दौरा किया. पार्टी मुख्यालय में भाजपा विदेश विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महासचिव शिवप्रकाश ने नेपाल से आए प्रतिनिधिमंडल से मार्क्सवाद और लेनिनवाद को छोड़ कर दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नीति सिद्धांत पर चलने की बात कही.

श्रीलंका के पूर्व नौसेना प्रमुख अपहरण और हत्या के मामले में भेजे गए जेल

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व नौसेना प्रमुख निशांत उलुगेटेने को आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने 15 साल पुराने अपहरण और हत्या के केस में गिरफ्तार किया है. इस केस के कई अन्य संदिग्धों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है. सीआईडी ने निशांत उलुगेटेने को आज पोलगाहवेला मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया. कोर्ट ने उलुगेटेने को न्यायिक हिरासत में केगाले रिमांड जेल भेज दिया. श्रीलंका के समाचार पोर्टल न्यूज फर्स्ट की खबर के अनुसार उनकी गिरफ्तारी 15 साल पहले के पोथुहेरा इलाके के एक व्यक्ति के अपहरण और कथित हत्या से जुड़ी है. उस समय उलुगेटेने नौसेना खुफिया विभाग के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे. जांच अधिकारियों का मानना है कि पीड़ित को कथित तौर पर उलुगेटेने की कमान में संचालित एक अनधिकृत हिरासत केंद्र में रखा गया.

चीन में भारी बारिश और बाढ़ से तबाही, 30 लोगों की हुई मौत

बीजिंग। चीन की राजधानी बीजिंग में भारी बारिश और बाढ़ से 30 लोगों की जान चली गई.जबकि 80 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है. बीजिंग मौसम विज्ञान सेवा का अनुमान है कि मंगलवार तक मूसलाधार बारिश जारी रहेगी. जिससे हालात और बिगड़ने का अंदेशा है. ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक बीजिंग में हो रही अत्यधिक बारिश से भारी नुकसान हुआ है. आपदा के कारण शहर भर में कुल 30 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें मियुन जिले 28 और यानकिंग जिले में 2 लोगों की मौत हुई है. इसके साथ ही बीजिंग में बाढ़ में फंसे कुल 80,332 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है.

पवन ऊर्जा महंगी नहीं, यह भविष्य की जरूरत हैः पीएम कीर स्टार्मर

लंदन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के बीच सोमवार को हुई संयुक्त चर्चा के दौरान पवन ऊर्जा (विंड टर्बाइन्स) को लेकर खुली असहमति देखने को मिली. ट्रंप ने विंड टर्बाइन्स को ₹सबसे महंगी और बदसूरत ऊर्जा₹ करार दिया, जबकि स्टार्मर ने इसका विज्ञान और आर्थिक दृष्टिकोण से बचाव किया. डोनाल्ड ट्रंप ने पवन ऊर्जा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह सबसे महंगी है और यह खेतों, मैदानों और जलमार्गों की सुंदरता नष्ट कर देती है. ये टर्बाइन्स चीन में बनते हैं और केवल आठ साल में जंग लगने लग जाते हैं. उन्होंने आगे कहा कि "तेल और गैस जमीन के एक छोटे से छेद से हजार गुना ज्यादा ऊर्जा दे सकते हैं.

रूसी अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख दिमित्री बाकानोव अमेरिका पहुंचे

मॉस्को। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस प्रमुख दिमित्री बाकानोव अमेरिका पहुंच गए हैं. वहां उनकी अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के कार्यवाहक प्रशासक सीन डफी के साथ बातचीत प्रस्तावित है. रोस्कोस्मोस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. द मॉस्को टाइम्स की खबर के अनुसार, रोस्कोस्मोस ने बयान में कहा कि बाकानोव ह्यूस्टन में हैं. डफी के साथ उनकी मुलाकात नासा और रोस्कोस्मोस के बीच क्रॉस-फ्लाइट समझौते को जारी रखने और स्टेशन की सुरक्षित डीऑर्बिटिंग सुनिश्चित करने की योजनाओं पर केंद्रित होगी. बाकानोव अंतरिक्ष यान से 31 जुलाई को होने वाले प्रक्षेपण से पहले अंतरिक्ष यात्री ओलेग प्लाटोनोव सहित नासा के क्रू-11 मिशन के सदस्यों से मिलेंगे.

एनआईए ने पहलगाम हमले के मास्टर माइंड के मारे जाने की जांच शुरू की

श्रीनगर। पहलगाम आतंकी हमले के कथित मास्टरमाइंड समेत दो आतंकवादियों के श्रीनगर के पास सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे जाने की जांच एनआईए की एक टीम ने मंगलवार को शुरू की है. एनआईए की टीम मंगलवार तड़के तीनों आतंकवादियों के शवों की पहचान करने के लिए पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) पहुंची. बताया कि पहलगाम हमले के दौरान इस्तेमाल किए गए सैटेलाइट फोन के दोबारा एक्टिव होने की जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन 'महादेव' शुरू किया था. सेना के विशिष्ट पैरा कमांडो ने पहलगाम हमले के कथित मास्टरमाइंड सुलेमान उर्फ आसिफ को उसके दो साथियों के साथ दाचीगाम राष्ट्रीय उद्यान के पास हरवान इलाके के मुलनार में मुठभेड़ में मार गिराया.

अमित शाह का यह तीर विपक्ष को बरसों चुभेगा... चिदंबरम शर्मसार

सारे आतंकवाद की जड़ पाकिस्तान और पाकिस्तान कांग्रेस की भूल है

एजेंसी। नयी दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर केंद्र सरकार मंगलवार को लोकसभा में बड़े ही आत्मविश्वास के साथ उतरी. लोकसभा के मैदान में एक तरफ थे गृहमंत्री अमित शाह तो दूसरी तरफ समूचा विपक्ष. शाह ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर इशारों इशारों में कहा कि पाकिस्तान को बचाने वाले नहीं बचेंगे. उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के आतंकियों के पाकिस्तानी होने का सबूत मांगने वाले पूर्व गृहमंत्री और कांग्रेस नेता पी चिदंबरम को आड़े हाथ लिया. उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव को भी चुप करा दिया. शाह ने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने और पाकिस्तान के प्रति नरम नीति अपनाने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि सारे आतंकवाद की जड़ पाकिस्तान है और पाकिस्तान कांग्रेस की भूल है. गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में जारी पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में भारत के सशक्त, सफल और निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा में मंगलवार को भाग लिया. उन्होंने ऑपरेशन महादेव, पहलगाम हमले पर एनआईए जांच, पूरे घटनाक्रम और आंतकवाद के खिलाफ भाजपा सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति से अवगत कराया. उन्होंने कांग्रेस सरकारों के दौरान कथित तौर पर की गयी ऐतिहासिक गलतियों का भी उल्लेख किया और तुष्टीकरण के मुद्दे पर पार्टी पर निशाना भी साधा.

शाह ने विपक्ष के पहलगाम हमले के बाद निर्णायक बढ़त हासिल करने के बावजूद भी आगे कार्रवाई नहीं करने के सवाल का भी जवाब दिया. उन्होंने कहा, मुझे याद है एक सुबह नाश्ते के दौरान, मैंने टीवी पर सलमान खुर्शीद को रोते हुए देखा. वह सोनिया गांधी के आवास से बाहर आ रहे थे. उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी बटला हाउस की घटना पर रो रही थीं. उन्हें बटला हाउस के आतंकवादियों के बजाय शहीद मोहन शर्मा के लिए रोना चाहिए था.

शाह ने अपने भाषण की शुरुआत ऑपरेशन महादेव से की और कहा कि सारे सबूत बताते हैं कि इसमें मारे गए आतंकी सुलेमान, फैजल और अफगान पहलगाम हमले में शामिल थे. उन्होंने सदन को पूरे ऑपरेशन के बारे में बताया और कहा कि सारी जांच के बाद पुष्टि हो गयी है कि आतंकी पहलगाम हमले में शामिल थे. उन्होंने कहा कि इसके साथ ही हमने हमले में शामिल आतंकियों और उनके आकाओं दोनों का सफाया किया है. एनआईए जांच का ब्यौरा देते हुए शाह ने बताया कि हमले के बाद 1005 लोगों से पूछताछ की गई. दो लोगों को आतंकियों को ठहरने में मदद करने के लिए गिरफ्तार किया गया. शाह ने चिदंबरम पर बरसते हुए कहा कि हमारे पास प्रूफ है कि वो पाकिस्तानी हैं. तीन में से दो के वोटर नंबर भी उपलब्ध हैं. रायफल, चॉकलेट भी पाकिस्तान की बनाई हुई है. ये कहते हैं कि पाकिस्तानी नहीं हैं.

शाह जब ऑपरेशन महादेव की जानकारी दे रहे थे तो उस वक्त अखिलेश समूत पूरा विपक्ष हो-हल्ला करने लगा. उन्होंने कहा-मैं तो अपेक्षा कर रहा था कि सूचना सुनेंगे तो पक्ष विपक्ष में खुशी की लहर दौड़ पड़ेगी. मगर इनके चेहरे पर स्याही पड़ गई.

इजराइल ने गाजा पट्टी पर की बमबारी, 15 मरे

गाजा पट्टी। गाजा पट्टी के कई इलाकों में आज तड़के इजराइल के हवाई हमले में 15 नागरिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए. इजराइल के लड़ाकू विमानों में इन क्षेत्रों में बमबारी की है. इतना ही नहीं, इजराइली बलों ने कल्किलिया प्रांत के पूर्वी हिस्से में एक निर्माणाधीन इमारत की नींव गिरा दी. इसके अलावा इजराइली खुफिया एजेंसी ने सुबह फिलिस्तीनी बार एसोसिएशन के प्रमुख फदी अब्बास को तलब किया. फिलिस्तीनी राष्ट्रीय प्राधिकरण की आधिकारिक समाचार एजेंसी वाफा के अनुसार, गाजा शहर के पश्चिम में हैदर गोलचक्कर के पास एक अपार्टमेंट पर इजराइली बलों की बमबारी में दो नागरिक मारे गए और अन्य कई घायल हो गए. वहीं, मध्य गाजा पट्टी में नुसेरात शरणार्थी शिविर के उत्तर में न्यू कैंप इलाके में की गई बमबारी में आठ लोग मारे गए और 11 अन्य घायल हो गए. गाजा पट्टी के दक्षिण में खान यूनिस के मवासी के मीना इलाके में विस्थापितों को आश्रय स्थल पर बमबारी में चार नागरिक मारे गए. बमबारी के दौरान अनेक लोग घायल हो गए. वाफा की खबरों में बताया गया है कि इजराइली सुरक्षा बलों ने कल्किलिया प्रांत के पूर्वी हिस्से में एक निर्माणाधीन इमारत की नींव गिरा दी और कई स्थानों पर कृषि संबंधी कामकाज रोकने के नोटिस जारी किए. इजराइल बलों ने आज सूरज निकलने से पहले सलफित प्रांत के पश्चिम में स्थित कफर अद-दिक और बुरकिन कस्बों पर धावा बोला और कई घरों पर छापे मारे.

रूस ने यूक्रेन की जेल पर किया हमला, 16 की मौत

कीव। मध्य यूक्रेन की एक जेल पर रात में हुए रूसी हमले में कम से कम 16 लोग मारे गए और कम से कम 35 अन्य घायल हो गए. रूस के हमलों में कई घरों को भी नुकसान हुआ है. यह दावा मंगलवार तड़के यूक्रेन के अधिकारियों ने किया. द मॉस्को टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार यूक्रेनी क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख इवान फेडोरोव ने कहा कि रूस ने जापोरिज्जिया क्षेत्र में आठ हमले किए. इन हमलों में 16 लोग मारे गए और कम से कम 35 अन्य घायल हो गए. हमले में जेल पूरी तरह नष्ट हो गई. यूक्रेन के मानवाधिकार लोकपाल दिमित्रो लुबिनेट्स ने इस हमले को युद्ध अपराध की संज्ञा दी है. यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूस ने रात भर में 37 ड्रोन और दो मिसाइलें दागीं. वायु रक्षा प्रणालियों ने 32 ड्रोनों को मार गिराया. साथ ही पड़ोसी निप्रॉपेट्रोस क्षेत्र में अलग-अलग हमलों में कम से कम चार और लोग मारे गए. इसके अलावा काम्यान्स्के शहर पर हुए मिसाइल हमले में दो लोगों की मौत हो गई. पांच लोग घायल हो गए और एक अस्पताल क्षतिग्रस्त हो गया. रूस के सिनेल्नीकिव्स्की जिले में किए गए हमले में एक और व्यक्ति मारा गया और कई अन्य घायल हो गए. वेलीकोमिखायलिव्स्का शहर में एक घर पर हुए हमले में 75 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और 68 वर्षीय एक व्यक्ति घायल हो गया.

बलूचिस्तान में पाकिस्तान की सेना पर हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान के केच क्षेत्र के जमरान इलाके में सशस्त्र अज्ञात लोगों ने पाकिस्तानी सेना पर ताबड़तोड़ हमले किए. अज्ञात व्यक्तियों ने कल रात जमरान के निवानो क्षेत्र में पाकिस्तान सेना के राशन वितरण वाहन को भी फूंक दिया. द बलूचिस्तान पोस्ट की बलूची भाषा समाचार सेवा के अनुसार, बंदूकधारियों ने पाकिस्तान सेना के एक काफिले को रिमोट कंट्रोल बम से निशाना बनाया. स्थानीय लोगों के अनुसार, काफिले में शामिल वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए. विस्फोट की आवाज दूर तक सुनाई पड़ी. इन हमलों में पाकिस्तान की सेना को भी भारी नुकसान हुआ है. इस बीच, एक विस्फोट में जमरान के दश्तक इलाके में एक मोबाइल फोन टावर क्षतिग्रस्त हो गया. अभी तक किसी ने भी हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है. अतीत में इन क्षेत्रों में स्वतंत्रता समर्थक समूहों ने पाकिस्तान की सेना को निशाना बनाया है. एक अन्य खबर में बताया गया है कि पाकिस्तान की सेना ने मस्तुंग पर आक्रमण किया है. स्थानीय पत्रकारों के अनुसार, क्षेत्र में 15 से अधिक सैन्य वाहन घूमते देखे गए. उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की सेना पिछले सप्ताह से मस्तुंग और कलात पर आक्रमण कर रही है.

चीन ने की चाइल्ड केयर सब्सिडी की घोषणा, हर साल प्रति बच्चा 500 डॉलर

बीजिंग। पिछले तीन साल से जनसंख्या में गिरावट का सामना कर रहे चीन ने सोमवार को दंपतियों को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रव्यापी शिशु देखभाल नकद सब्सिडी नीति की घोषणा की है. सरकार का कहना है कि यह बच्चों के पालन-पोषण करने वाले परिवारों पर वित्तीय दबाव कम कर देश की जन्मदर को बढ़ावा देने के उद्देश्य लाई गई है. ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक चीन की सरकार तीन वर्ष से कम आयु के प्रत्येक बच्चे के माता-पिता को प्रति वर्ष 3,600 युआन (502 डॉलर) का नकद भुगतान करेगी. यह सब्सिडी बच्चे के तीन साल का होने तक दी जाएगी. 1 जनवरी, 2025 से पहले जन्मे और अभी भी तीन साल से कम उम्र के बच्चों के लिए यह सब्सिडी पात्र महीनों की संख्या के आधार पर आनुपातिक रूप से दी जाएगी. चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बयान जारी कर कहा है कि राष्ट्रव्यापी बाल देखभाल सब्सिडी प्रणाली लागू करना एक नई नीति है जो लाखों परिवारों को प्रभावित करती है. इस नीति से हर साल शिशुओं और छोटे बच्चों वाले 2 करोड़ से ज़्यादा परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है. एनएचसी के अनुसार, सभी स्थानीय निकाय बाल देखभाल सब्सिडी प्रणाली के लिए विस्तृत कार्यान्वयन योजनाएँ बनाने में लगे हुए हैं और इसके क्रियान्वयन की तैयारी कर रहे हैं.

न्यूयॉर्कः बंदूकधारी ने एक पुलिस अधिकारी समेत चार लोगों को छलनी कर दिया

न्यूयॉर्क। अमेरिका में न्यूयॉर्क शहर के मिडटाउन मैनहट्टन के पार्क एवेन्यू में एक गगनचुंबी इमारत में सोमवार शाम घुसे बंदूकधारी ने एक पुलिस अधिकारी समेत चार लोगों के जिस्मों को छलनी कर दिया. आखिर में पुलिस की गोली से घायल संदिग्ध बंदूकधारी ने खुद को गोलीमार कर आत्महत्या कर ली. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सोमवार शाम एआर-15 राइफल लेकर घुसे व्यक्ति ने गगनचुंबी इमारत में घुसकर गोलियों की बौछार कर दी. इस गोलीबारी में न्यूयॉर्क शहर के एक पुलिस अधिकारी समेत चार लोगों की मौत हो गई. इस दौरान पुलिस की गोली लगने से घायल संदिग्ध बंदूकधारी ने खुद को गोली मार ली. इस गोलीबारी में मारे गए पुलिस अधिकारी की पहचान 36 वर्षीय दीदारुल इस्लाम के रूप में हुई है. वह ब्रोंक्स पुलिस थाने में तैनात थे. पुलिस अधिकारियों ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस्लाम साढ़े तीन साल से पुलिस विभाग में थे. फिलहाल वह 345 पार्क एवेन्यू स्थित इस गगनचुंबी इमारत में तैनात थे. इस इमारत में ब्लैकस्टोन निवेश फर्म का मुख्यालय है. न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एरिक एडम्स ने कहा कि हमलावर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. न्यूयॉर्क की पुलिस कमिश्नर जेसिका टिश ने बताया कि हमलावर की पहचान 27 वर्षीय शेन तमुरा के रूप में हुई है.

पालघर में देह व्यापार रैकेट में शामिल 3 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर जिला स्थित नायगांव में एक आवासीय फ्लैट में चल रहे वेश्यावृत्ति रैकेट का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है और महिलाओं को बचाया है. इनमें एक नाबालिग बांग्लादेशी लडकी और एक महिला शामिल है. पुलिस इस मामले की गहन छानबीन कर रही है. सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) मदन बल्लाल मंगलवार को मीडिया को बताया कि मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस बल के अधिकारियों को नायगांव के एक आवासीय फ्लैट में देह व्यापार की गोपनीय खबर मिली थी. इसी जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने आवासीय फ्लैट में छापा मारा और तीन संदिग्ध एजेंटों को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया. बताया कि मौके पर नाबालिग लडक़ी को देह व्यापार में धकेला जा रहा था. गिरफ्तार किए गए तीन लोगों की पहचान मोहम्मद खालिद बापारी, जुबेर हारुन शेख और शमीन गफ्फार सरदार के रूप में हुई है, जो सभी बांग्लादेश के रहने वाले हैं. इस मामले में बचाई गई लडक़ी और महिला भी बांग्लादेश की रहने वाली हैं और कथित तौर पर उन्हें भारत में तस्करी करके लाया गया था और देह व्यापार के लिए मजबूर किया गया था. दोनों को रेस्क्यू फाउंडेशन के एक केंद्र में रखा गया है. इन आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है.

'ओज उत्सव' ने भारत और नेपाल के सांस्कृतिक संबंधों को किया मजबूत

नयी दिल्ली। हिमालयी साधक एवं योगी प्रियव्रत अनिमेष के ओज फाउंडेशन ने अपना चौथा स्थापना दिवस नेपाल की राजधानी काठमांडू में मनाया. इस अवसर पर होटल याक एंड यति में ओज उत्सव 2025 का आयोजन किया गया. ओज फाउंडेशन के संस्थापक योगी प्रियव्रत ने कहा कि इस आध्यात्मिक कार्यक्रम से भारत और नेपाल के सांस्कृतिक धागों में और मजबूती आयी है. ओज फाउंडेशन के अनुसार, 25 जुलाई को काठमांडू में इस उत्सव के दौरान अध्यात्म और युवा चेतना के स्वर गूंजे. यह आयोजन भारत-नेपाल सांस्कृतिक संबंधों की गहराई, आध्यात्मिक समरसता और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के प्रति समर्पण का प्रतीक बनकर उभरा. इस अवसर पर पुस्तक 'ऊर्ज सूत्र' का विमोचन किया गया. साथ ही नेपाल में आध्यात्मिक पर्यटन को केंद्र में रखकर निर्मित दो लघु फिल्मों की स्क्रीनिंग भी की गयी. शाम को प्रसिद्ध सितार वादक सीता मैया राजचल की प्रस्तुति को सबने सराहा. कार्यक्रम में भारत और नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी हुईं कई जानी मानी हस्तियों ने हिस्सा लिया. इनमें प्रमुख हैं भाजपा नेता श्याम जाजू, योगेश्वर दत्त (ओलंपियन), संदीप राणा (समाजसेवी), ब्रिजपाल मालिक, ज्योतिका झलानी, सांसद दीपक बहादुर सिंह, सांसद रंजू ठाकुर, सांसद राम हरी, विधायक नीमा गिरी और गोविंद बहादुर शाह.

राजनीति

पार्लियामेंट मस्जिद के इमाम मुहिबुल्लाह नदवी को पद मुक्त करने की मांग

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी। नयी दिल्ली

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दिक़ी के नेतृत्व में सोमवार देर शाम एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात कर पार्लियामेंट मस्जिद, दिल्ली के इमाम और रामपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद मौलाना मुहिबुल्लाह नदवी को तत्काल पद मुक्त करने की मांग की. प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि मौलाना नदवी धार्मिक पद का दुरुपयोग करते हुए मस्जिद परिसर में खुलेआम राजनीतिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं.

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि मौलाना नदवी न केवल सपा सांसद हैं, बल्कि मस्जिद के इमाम होने के बावजूद लगातार समाजवादी पार्टी के प्रचार-प्रसार में मस्जिद का उपयोग कर रहे हैं. मस्जिद, जो वक़्फ़ बोर्ड के अंतर्गत आती है, उसका दुरुपयोग कर नदवी ने उसे अपनी पार्टी गतिविधियों का केंद्र बना लिया है. आरोप है कि मस्जिद से नदवी लंबे समय से समाजवादी पार्टी को राजनीतिक लाभ पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं. जमाल सिद्दिक़ी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को यह भी अवगत कराया कि 22 जुलाई को मौलाना नदवी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव, उनकी पत्नी सांसद डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव और अन्य नेताओं के साथ मस्जिद में बैठक की. यह बैठक उस स्थान पर हुई जहां नमाज़ अदा की जाती है, साथ ही वहां चाय-नाश्ता भी परोसा गया. यह इस्लामी धार्मिक मर्यादाओं के खिलाफ बताया गया. प्रतिनिधिमंडल ने डिंपल यादव को मस्जिद परिसर में ले जाने पर भी आपत्ति जताई, जहां महिलाओं का प्रवेश निचली मंज़िल पर वर्जित है.

सिद्दिक़ी ने कहा कि इमाम मुहिबुल्लाह नदवी मस्जिद को अपनी निजी संपत्ति के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं, जो वक़्फ़ संपत्ति और धार्मिक स्थल की गरिमा के विरुद्ध है. उन्होंने मांग की कि वक़्फ़ बोर्ड के माध्यम से तत्काल उन्हें उनके पद से हटाया जाए और किसी योग्य धार्मिक व्यक्ति को पार्लियामेंट मस्जिद का इमाम नियुक्त किया जाए. प्रतिनिधिमंडल में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एस.एम. अकरम, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. असलम, फ़हीम सैफी और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष आतिफ रशीद शामिल थे. मोर्चा के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी फैसल मुमताज़ ने जानकारी दी कि इस विषय में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को भी पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की गई है, ताकि संसद की गरिमा और संवैधानिक मर्यादा बनी रहे.

ओडिशा तट पर शॉर्ट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल 'प्रलय' का हुआ परीक्षण

एजेंसियां । नयी दिल्ली

भारत ने मंगलवार को लगातार दूसरे दिन 'प्रलय' मिसाइल प्रणाली की अधिकतम और न्यूनतम सीमा क्षमता का सत्यापन करने के लिए दो उड़ान परीक्षण किए. नई पीढ़ी की सतह से सतह पर मार करने वाली कम दूरी की इस मिसाइल का परीक्षण ओडिशा तट के कलाम द्वीप से किया गया. मिसाइलों ने निर्धारित प्रक्षेप पथ का सटीक अनुसरण किया और सभी परीक्षण उद्देश्यों को पूरा करते हुए सटीक सटीकता के साथ लक्ष्य बिंदु पर पहुंची. रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इस मिसाइल को विकसित किया है, जिसका परीक्षण रेंज 475 किलोमीटर तक था. सतह से सतह पर मार करने वाली इस मिसाइल की मारक क्षमता 500 किमी. तक है. इस मिसाइल को पश्चिमी और उत्तरी सीमा पर तैनात किये जाने की मंजूरी सरकार से मिल चुकी है. मिसाइल की जद में पाकिस्तान के कई प्रमुख एयरबेस और महत्वपूर्ण चीनी ठिकाने आएंगे. इस मिसाइल को उच्चस्तरीय दुश्मन ठिकानों, जैसे हवाई अड्डे, आपूर्ति डिपो और सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले के लिए डिजाइन किया गया है. डीआरडीओ ने 28 जुलाई को भी बैलिस्टिक मिसाइल का मूल्यांकन परीक्षण किया था. लगातार दोनों दिन मिसाइल ने 475 किमी.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.